CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 24° C
न्यूनतम : 13° C

हल्द्वानी, मंगलवार 24 मार्च 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 206 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com चैत्र कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2083 4 शव्वाल 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

बंगाल में भी दिखाई देगा पीडीए का असर: अखिलेश यादव पेज 2

युद्ध के बीच गैस-तेल से ईरान की हो रही रिकॉर्ड कमाई पेज 12

पश्चिम बंगाल चुनाव : सत्ता की जंग से बड़ी चुनाव आयोग की साख की अग्नि परीक्षा सम्पादकीय

ईरान ने अमेरिका का एफ -15 लड़ाकू विमान मार गिराया पेज 12

संक्षिप्त समाचार

NIA ने लालकिला विस्फोट जांच में कश्मीर में कई जगहों पर मारे छापे

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में लालकिले के पास पिछले साल 10 नवम्बर को हुए कार विस्फोट मामले की चल रही जांच के तहत कश्मीर भर में कई जगहों पर छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि ये छापे श्रीनगर, बारामूला, कुपवाड़ा और कुलगाम जिलों में छह जगहों पर उन लोगों से जुड़े ठिकानों पर मारे गए, जिन्हें धमाके के पीछे के आतंकी मॉड्यूल के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों ने बताया कि एनआईए ने बारामूला जिले के रफीबाद के रहने वाले डा. बिलाल नसीर मल्ला के घर पर तलाशी ली, जिसे इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। कुपवाड़ा जिले के लंगाते इलाके में भी एक और तलाशी ली गई।

विकसित भारत के लिए आय बढ़ानी होगी : विपक्ष

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष ने सोमवार को कहा कि सरकार विकसित भारत की सिर्फ बातें करती है और इसके लिए उसके पास कोई ठोस नीति नजर नहीं आती। लोकसभा में 'वित्त विधेयक 2026' पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के डा. अमर सिंह ने कहा कि देश में प्रति व्यक्ति आय करीब 3000 डॉलर है, जबकि विकसित भारत के लिए यह आमदनी 14000 डॉलर प्रति व्यक्ति होनी चाहिए। उनका कहना था कि सरकार जो दावा करती है और जो बुनियादी स्थिति है उसमें बहुत बड़ा फर्क है और इस गैप को बांटने के लिए कोई ठोस कदम उठाते हुए सरकार नजर नहीं आती है।

अमृतसर में नशा तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 2 पकड़े

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर काउंटर इंटेलिजेंस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए नशा तस्करी के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से पांच किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इस मॉड्यूल के तार पाकिस्तान स्थित तस्करों से जुड़े हुए हैं।

युद्ध का असर लंबा चल सकता है, हमें कोरोना संकट की तरह तैयार रहना होगा: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत का रुख किया स्पष्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

- कहा: ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध ने दुनियाभर के सामने ऊर्जा संकट पैदा किया
- भारत में गैस की किल्लत होने लगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में बताया कि मिडिल ईस्ट में हालत चिंताजनक है। देश के सामने चुनौतियां बेहद ज्यादा हैं। दुनियाभर के लोग युद्ध रोकने के लिए आग्रह कर रहे हैं। पीएम मोदी ने मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष और इस जंग पर भारत का क्या रुख है, वो स्पष्ट किया।

पीएम मोदी ने बताया कि बीते दिनों होर्मुज स्ट्रेट में फंसे हमारे कई जहाज भारत आए भी हैं। संकट के इस समय में देश की एक और तैयारी भी है, जो बहुत काम आ रही है। पिछले 11 साल में इथेनॉल के उत्पादन और उसकी ब्लेंडिंग पर अभूतपूर्व काम हुआ है। एक दशक पहले तक देश में सिर्फ एक से डेढ़ प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग कैपसिटी थी। आज हम पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनाल ब्लेंडिंग के करीब पहुंच रहे हैं। इसके कारण प्रति वर्ष करीब साढ़े 4 करोड़ बैरल कम ऑयल इम्पोर्ट करना पड़ रहा है। हालांकि, पीएम मोदी ने बताया कि ईरान-इजरायल जंग का असर लंबा चल सकता है। हमें कोरोना संकट की तरह तैयार रहना होगा। ईरान और अमेरिका- इजरायल युद्ध का सोमवार को 24वां दिन था। ये जंग कब रुकेगी, कुछ कहा नहीं जा सकता है। लेकिन इस जंग ने दुनियाभर के सामने ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। भारत में भी गैस की किल्लत महसूस की जा रही है। ऐसे में विपक्षी पार्टियां भारत की मौजूदा विदेश नीति और केंद्र सरकार पर कई सवाल उठा रही हैं। इन्हीं सवाल का जवाब प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में दिया। पश्चिम एशिया संघर्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद से 3,75,000 से अधिक भारतीय सुरक्षित रूप से भारत लौट चुके हैं। ईरान से अब तक लगभग 1,000 भारतीय सुरक्षित लौट चुके हैं, जिनमें से 700 से अधिक मेडिकल छात्र हैं।

संसद में प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर प्रियंका गांधी ने व्यापक चर्चा की रखी मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर जो बयान दिया है उसमें कोई नई बात सामने नहीं आई है। संसद के बजट सत्र के दूसरे भाग के दौरान सोमवार को प्रधानमंत्री ने लोकसभा में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर बयान दिया, जिसमें उन्होंने भारतीय नागरिकों की सुरक्षित देशवापसी से लेकर एलपीजी जैसी जरूरी व्यवस्थाओं पर सरकार के कदमों की जानकारी दी।

श्रीमती वाड्रा ने इस बयान पर प्रतिक्रिया करते हुए संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को मौजूदा परिस्थितियों से अवगत कराया है, लेकिन उनके बयान में कोई नई बात सामने नहीं आई।

सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के मामले में दोबारा सुनवाई के दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें एक तलाक के मामले की नए सिरे से सुनवाई करने को कहा गया था।

यह मामला इसलिए चर्चा में आया, क्योंकि एक परिवार न्यायालय ने तलाक की मंजूरी देते समय कानून की ऐसी धारा का इस्तेमाल कर दिया था, जो असल में है ही नहीं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया है, जिसने पुराने तलाक को रद्द कर नए सिरे से सुनवाई का आदेश दिया था। फिलहाल उच्चतम न्यायालय ने दोबारा सुनवाई पर रोक लगा दी है। पूरा मामला तब उलझ गया जब दिल्ली उच्च न्यायालय ने पाया कि परिवार न्यायालय के न्यायाधीश ने अलग-अलग कानूनों को आपस में मिला दिया था। केस हिंदू मैरिज एक्ट के तहत दर्ज था, लेकिन न्यायालय ने विशेष विवाह अधिनियम (स्पेशल मैरिज एक्ट) की एक ऐसी धारा का जिक्र कर दिया जो कानून की किताब में मौजूद ही नहीं है। इन कानूनी गलतियों की वजह से उच्च न्यायालय ने पूरे मामले को शुरू से सुनने का निर्देश दिया था।अब उच्चतम न्यायालय ने इस बात की जांच करेगा कि क्या इस मामले में दोबारा सुनवाई की जरूरत है या नहीं। इस बीच, उस न्यायाधीश ने भी उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है, जिन्होंने यह फैसला सुनाया था। उन्होंने उच्च न्यायालय द्वारा उनके खिलाफ की गई सख्त टिप्पणियों को हटाने की मांग की है। हालांकि, फरवरी में हुई पिछली सुनवाई में उच्चतम न्यायालय ने उन टिप्पणियों पर रोक लगाने से मना कर दिया था।

ट्रम्प बोले जंग खत्म करने को हमारी बात हुई, ईरान का इन्कार

- ईरान के बिजली संयंत्रों व ऊर्जा ढांचे पर सभी सैन्य हमलों को 5 दिन के लिए टाला: ट्रम्प

वाशिंगटन/ तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि मध्य पूर्व में चल रहे टकराव को पूरी तरह खत्म करने को लेकर बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि पूरी तरह समाधान के मुद्दे पर सकारात्मक बातचीत हुई है।

ट्रंप ने यह भी कहा कि वह ईरान के बिजली संयंत्रों और ऊर्जा ढांचे पर किसी भी तरह के हमलों को पांच दिन के लिए टालेंगे, लेकिन ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बातचीत वाले बयान को नकार दिया है। इससे पहले ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों में मध्य पूर्व में टकराव के पूरी तरह समाधान को लेकर बहुत अच्छी और सकारात्मक बातचीत हुई है। इस रचनात्मक बातचीत के रुख और माहौल को देखते हुए, जो पूरे सप्ताह जारी रहेंगी, मैंने वॉर डिपार्टमेंट को निर्देश दिया है कि ईरान के बिजली संयंत्रों और ऊर्जा ढांचे पर सभी सैन्य हमलों को पांच दिन के लिए टाल दिया जाए। यह फ़ैसला बैठकों और चर्चाओं की सफलता पर निर्भर करेगा। न्यूज़ एजेंसी के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कही गई उस बात को नकारते हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल रही है।

अमेरिका को आईआरजीसी की कड़ी चेतावनी, 'हर हमले का मिलेगा जवाब'

तेहरान। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि ईरान के खिलाफ किसी भी खतरे का बराबर और प्रतिरोधक जवाब दिया जाएगा। आईआरजीसी ने सोमवार को जारी बयान में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन आरोपों का जवाब दिया, जिनमें कहा गया था कि ईरानी बल क्षेत्रीय जल विलवणीकरण संयंत्रों को निशाना बना सकते हैं। आईआरजीसी ने आरोप लगाया कि युद्ध की शुरुआत अमेरिकी सेना ने की और अब तक बच्चों सहित कई नागरिकों को निशाना बनाया है। बयान में कहा गया कि अमेरिकी हमलों में जल अवसंरचना को भी नुकसान पहुंचाया गया, जिसमें केश्म द्वीप का विलवणीकरण संयंत्र शामिल है।

उत्तर प्रदेश में गेहूं का एमएसपी ₹2585 हुआ

शाह टाइम्स ब्यूरो

- योगी कैबिनेट ने लिए 35 महत्वपूर्ण फैसले

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट बैठक में 37 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जबकि दो प्रस्ताव को फिलहाल स्थगित कर दिया गया। बैठक में किसानों, ऊर्जा, शहरी विकास और औद्योगिक निवेश से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए, जिन्हें राज्य के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने फैसलों की जानकारी दी। श्री शाही ने कहा कि किसानों को बड़ी राहत देते हुए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति कुंतल तय किया है। प्रदेश में गेहूं की खरीद 30 मार्च से 15 जून तक की जाएगी और इसके लिए 6500 क्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि किसानों को उतराई, सफाई आदि के लिए 20 रुपये प्रति कुंतल अतिरिक्त भुगतान भी दिया जाएगा। इस बार 30 लाख टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है, जबकि 50 लाख टन तक खरीद का अनुमान है। कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में भी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। घाटमपुर में 660 मेगावॉट की तीन यूनिट परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए झारखंड स्थित कोल ब्लॉक के विकास के लिए 2242.90 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इस परियोजना से 270 मिलियन टन कोयला उत्पादन का अनुमान है और बिजली दरों में करीब 80 पैसे प्रति यूनिट तक कमी आने की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही गोरखपुर को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में भी पहल की गई है। चिलुआताल में 20 मेगावॉट क्षमता का फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए लगभग 80 एकड़ क्षेत्र उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए कैबिनेट ने 'नवयुग नगर पालिका योजना' को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत प्रदेश के 58 शहरों को स्मार्ट बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 55 नगर पालिका परिषद और 3 नगर पंचायत शामिल हैं। श्री शर्मा ने बताया कि 145 करोड़ रुपये की लागत से पांच वर्षों में लागू होने वाली इस योजना में 1.5 लाख से अधिक आबादी वाले 24 निकायों को प्राथमिकता दी जाएगी।

PATANJALI wellness
Yoga, Ayurveda & Naturopathy

पतंजलि वेलनेस में सेवा (जॉब) का अनुपम अवसर

पतंजलि वेलनेस कर्मयोगी बनकर सेवा के द्वारा विश्व के सबसे बड़े योग, आयुर्वेद, स्वदेशी के आंदोलन से जुड़ें। विश्व के सबसे बड़े योग, यज्ञ, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा के सेवा अभियान के लिए पतंजलि वेलनेस में योग्य एवं अनुभवी **थेरेपिस्ट / योगाचार्य / वैद्य गण (प्रस्नाथक को प्राथमिकता)** के लिए कर्मयोगियों की आवश्यकता है।

थेरेपिस्ट हेतु अहर्ता (Eligibility): न्यूनतम 10वीं पास / पंचकर्म डिप्लोमा / नेचरोपैथी डिप्लोमा / कार्य से सम्बंधित अनुभव + उत्तराखंड आयुष चिकित्सा कौंसिल द्वारा पंजीकृत।
आयु: 18 से 35 वर्ष
प्रशिक्षण अवधि : 2 माह
अन्य सुविधायें : भोजन , आवास व बस

योगाचार्य हेतु अहर्ता (Eligibility): योग स्नातक / स्नातकोत्तर डिप्लोमा योग / कार्य से सम्बंधित अनुभव।
आयु: 18 से 35 वर्ष

वैद्य हेतु अहर्ता (Eligibility): BAMS/BNYS/MD (आयुर्वेद/नेचुरोपैथी) / Ph.D. (आयुर्वेद/नेचुरोपैथी) / कार्य से सम्बंधित अनुभव + उत्तराखंड आयुष चिकित्सा कौंसिल द्वारा पंजीकृत।

वेतन / मानदेय: योग्यता एवं कार्य दक्षता के अनुसार।

कार्य स्थल : पतंजलि वेलनेस/ योगग्राम/ निरामयम्, हरिद्वार, उत्तराखंड

संपर्क करें : 8954-666-111
89548 91711 / 72170 45416 / 82720 68187
अपना बायोडाटा / CV/ RESUME नीचे दिए गए Whatsapp अथवा ई-मेल पर भेजें
895489-6661 | career@patanjaliwellness.com

पतंजलि के नाम पर किसी भी प्रकार के (एडमिशन, बुकिंग, नौकरी, फ्रैंचाइज़ी आदि) ऑफर के बहाने होने वाली ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचें।

हम नौकरी हेतु किसी भी प्रकार की धनराशि की मांग नहीं करते हैं तथा पतंजलि वेलनेस में बुकिंग हेतु केवल अधिकृत नंबर 8954-666-111 पर ही संपर्क करें; ऑनलाइन भुगतान करने से पहले संबंधित बैंक खाते की पुष्टि अवश्य कर लें।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी के खिलाफ मामले में फिर टली सुनवाई

सुलतानपुर। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ गृहमंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी मामले में सुनवाई सोमवार को वादी मुकदमा भाजपा नेता विजय मिश्रा के गैर हाजिर होने के कारण टल गई है। न्यायालय अब इस मामले में 27 मार्च को सुनवाई करेगी। वादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने आज यहां बताया कि उन्होंने पिछली पेशी पर अदालत में एक प्रार्थना पत्र दिया था। इसमें मांग की गई है कि राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयानों के ऑडियो और वीडियो साक्ष्य पेश किए गए हैं, उनका मिलान राहुल गांधी की असली आवाज से कराया जाए। विजय मिश्रा की अनुपस्थिति के कारण कोर्ट ने 27 मार्च की तारीख तय की है, जहां मामले में बहस होगी।

प्रयागराज में ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के सोरांव थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि छेदीलाल (55) बीती देर शाम सघनगंज से दवा लेकर अपने घर मलाक बेला, जलालपुर लौट रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मारी। बताया जा रहा है कि ट्रक चालक तेज गति में था और आरा. प है कि वह शराब के नशे में था। टक्कर के बाद छेदीलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले गए, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके पुत्र अंकुर कुमार ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी सोरांव केशव वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जनता दर्शन में बोले- यूपी के सीएम योगी

सैनिक करें देश की सेवा परिवार की जिम्मेदारी सरकार की

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित 'जनता दर्शन' में आए सैनिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे निश्चित होकर देश की सेवा करें, उनके परिवार की सुरक्षा, सम्मान और देखभाल की जिम्मेदारी सरकार की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार 25 करोड़ जनता की सेवा, सहूलियत और सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में उपस्थित सैनिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और अधिकारियों को निर्देश दिया कि सीमा एवं आंत. रिक सुरक्षा में तैनात जवानों के मामलों को प्राथमिकता देते हुए समयसीमा के भीतर उनका उचित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

■ जवानों और उनके परिवारों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए

योगी की पाती में नौ वर्षों की उपलब्धियों और विकास का लेखा-जोखा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के नाम एक भावनात्मक पत्र जारी किया है। इस पत्र में उन्होंने राज्य के विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े कार्यों का विस्तृत उल्लेख किया है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश की शुरुआत मां दुर्गा के आशीर्वाद से करते हुए कहा कि आध्यात्मिक प्रेरणा और जनसहभागिता के बल पर उत्तर प्रदेश ने बीते नौ वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि जवानों और उनके परिवारों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से आए लोगों ने पुलिस, जमीनी विवाद, आर्थिक सहायता और स्थानांतरण से जुड़े प्रकरण भी प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने एक-एक प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को तय समय में निस्तारण के निर्देश दिए। जमीनी विवादों के मामलों में योगी ने कहा कि सभी पक्षों को सुनकर नियमानुसार निष्पक्ष कार्रवाई की जाए। वहीं इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने वाले परिवारों को उन्होंने अस्पताल से अनुमानित खर्च (एस्टिमेट) तैयार कर आवे. दन करने की सलाह दी और भरोसा दिलाया कि धन के अभाव में किसी भी मरीज का इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है और जनसमस्याओं के त्वरित व प्रभावी समाधान के लिए प्रशासनिक एवं पुलिस अधिका. रियों को पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए।

बलिदानियों का त्याग भारत के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बलिदान दिवस के अवसर पर महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन अमर बलिदानियों का त्याग भारत के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने उनके साहस, समर्पण और राष्ट्रप्रेम को प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणाोत बताया। योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि क्रांति की ज्योति प्रज्ज्वलित करने वाले इन वीर सपूतों का बलिदान सदियों तक देशवासियों को 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से प्रेरित करता रहेगा।

बंगाल में भी दिखाई देगा पीडीए का असर: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को दावा किया कि यूपी की जनता ने 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की राजनी. ति को आगे बढ़ाने का संकेत दिया है, वही अब पश्चिम बंगाल में भी लोकतंत्र बचाने के आह्वान के रूप में दिखाई देगा।

यादव ने डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर लोहिया पार्क पहुंच कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर पश्चिम बंगाल में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के चुनाव लड़ने के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि जनता भाजपा की रणनीतियों को समझ चुकी है और इस बार भी ममता बनर्जी को समर्थन मिलेगा। उन्होंने ममता बनर्जी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं के सम्मान और जनहित की योजनाओं का असर साफ दिखाई दे रहा है। चुनाव में उनकी जीत होगी। अखिलेश यादव ने समाजवादी विचारधारा पर जोर देते हुए कहा कि भगत सिंह और राजगुरु जैसे क्रांतिकारी समाजवादी सोच से प्रेरित थे। उन्होंने कहा कि देश में अमीर-गरीब की खाई को खत्म करने के लिए समाजवादी नीतियों को लागू करना जरूरी है और उनकी पार्टी डॉ. लोहिया के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। गोरखपुर और बदायूं की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कई मामलों में कार्रवाई नहीं हो रही है और सच्चाई सामने नहीं आ रही है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि राजनीति में चल रहे 'खेल' का सच समय आने पर सामने आएगा। ओम प्रकाश राजभर के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यदि यह स्पष्ट हो जाए कि कौन किससे मिल रहा है, तो निर्णय लेना आसान होगा। वहीं डॉ. संजय निषाद के भावुक वीडियो पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यह 'प्रायश्चित है या कुछ और' यह समय बताएगा।

जनता की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई हो: केशव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिका. रियों को त्वरित व प्रभावी समाधान के निर्देश दिए।

जनता दर्शन के दौरान उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि ष्हर व्यक्ति की समस्या का हर संभव समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।ष उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, ताकि किसी भी पीड़ित को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने खुद आगे बढ़कर लोगों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। कई मामलों में उन्होंने संबंधित

अधिकारियों से फोन पर बात कर तत्काल आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने भूमि विवाद, अवैध कब्जा, उत्पीड़न, सड़क, बिजली, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को विशेष रूप से गंभीरता से लेने को कहा। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और जहां जरूरत हो, वहां कठोर कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में जवाबदेही तय की जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि पारदर्शी और प्रभावी समाधान मिल सके।

प्रधानमंत्री की प्रस्तावित रैली को लेकर भाजपा की रणनीतिक बैठक

ग्रेटर नोएडा, वार्ता

उत्तर प्रदेश में जिला गौतमबुद्धनगर परिक्षेत्र ग्रेटर नोएडा तिलपता गोलचक्कर स्थित कार्यालय में गौतमबुद्धनगर भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक 28 मार्च को प्रस्तावित नोएडा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट उद्घाटन तथा देश के प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक रैली की तैयारियों को लेकर बुलाई गई थी।

सोमवार को आयोजित बैठक की जानकारी देते हुए भाजपा पदा. धिकारियों ने बताया कि बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर उपस्थित रहे, जबकि बैठक की अध्यक्षता बीजेपी जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की। संचालन जिला महामंत्री वीरेन्द्र भाटी द्वारा किया गया। बैठक के दौरान प्रदेश

■ दो लाख से अधिक भीड़ जुटाने का लक्ष्य

उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रैली की व्यापक तैयारियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह रैली संगठन की ताकत और जनसमर्थन का बड़ा प्रदर्शन होगी। इसके लिए कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर जनसंपर्क करना होगा और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ बैठकें कर अधिक से अधिक लोगों को आमंत्रित करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का लक्ष्य दो लाख से अधिक लोगों की विशाल जनसभा आयोजित करना है, जिसके लिए हर स्तर पर मजबूत तैयारी जरूरी है। जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने बताया कि बैठक में कार्यकर्ताओं के बीच जबरदस्त उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली। सभी कार्यकर्ता इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सभी मिलकर इस जनसभा को सफल बनाएं और विकास व राष्ट्रनिर्माण के अभियान को और अधिक मजबूत करें। बैठक में वीरेन्द्र भाटी, ठाकुर धर्मेन्द्र भाटी, धर्मेन्द्र कोरी, दीपक भारद्वाज, पवन रावल, अरुण शर्मा, पवन नागर, सरदीप नागर, कर्मवीर आर्य, चन्द्रमणि भारद्वाज, रजनी तोमर, मुकेश भाटी, गायत्री तिवारी, योगेश चौहान, विनीता, अश्वनी गोयल, अर्पित तिवारी, मनोज मावी, राजीव सिंघल, महेश शर्मा, लोकेश त्यागी, दिनेश भाटी, भिखारी सिंह, संजीव शर्मा, संजय रावत, गजेन्द्र वाल्मीकि, धीर राणा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वायरल वीडियो से बढ़ा सियासी पारा अखिलेश बोले: पश्चाताप या प्रायश्चित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक वायरल वीडियो ने सियासी हलचल तेज कर दी है। एक दिन पूर्व निषाद पार्टी की तरफ से गोरखपुर में आयोजित जनसभा के बाद पार्टी के अध्यक्ष और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद का एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया में आने पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीखा हमला बोला है। अखिलेश यादव ने वीडियो को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करते हुए लिखा, ये भाजपा के साथ जाने पर पश्चाताप के आंसू हैं या प्रायश्चित के। उन्होंने इसे 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) राजनीति से जोड़ते हुए कहा कि पीड़ा बढ़ रही है, पीड़ित बढ़ रहे हैं, इसलिए पीडीए भी बढ़ रहा है। अखिलेश के इस बयान को भाजपा गठबंधन में शामिल छोटे दलों पर सीधा निशाना माना जा रहा है। इतना ही नहीं, अखिलेश ने एक फिल्मी गीत 'हम थे जिनके सहारे' का जिक्र करते हुए तंज कसा और इशारों में कहा कि जिनके सहारे राजनीति खड़ी हुई, वही अब साथ नहीं निभा रहे हैं।

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 74532.96
निफ्टी 23114.50

सोना 147000
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

चांदी रु. 234000
प्रति किलो

उत्तर प्रदेश में गेहूं का न्यूनतम मूल्य 160 रुपये बढ़ा

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक का सबसे अहम फैसला किसानों के हित में लिया गया, जिसमें सरकार ने गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 160 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी को मंजूरी दी। बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने संयुक्त रूप से निर्णयों की जानकारी दी। कैबिनेट बैठक में कुल 37 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें से दो प्रस्तावों को फिलहाल स्थगित कर दिया गया और 35 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

बैठक का सबसे अहम फैसला किसानों के हित में लिया गया, जिसमें सरकार ने गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 160 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी को मंजूरी दी। इस निर्णय से किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम मिलने की उम्मीद है। सरकार का मानना है कि इस बढ़ोतरी

से कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और किसानों की आय में इजाफा होगा। खासतौर पर उत्तर प्रदेश के लाखों किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। कैबिनेट के अन्य प्रस्तावों पर भी विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें विभिन्न विभागों से जुड़े विकास कार्य शामिल हैं। सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी स्वीकृत प्रस्तावों को तय समय सीमा में लागू किया जाए।

यूपी में 1.38 लाख एचआईवी मरीजों को मिल रहा नि:शुल्क उपचार

लखनऊ। भारत में करीब 25.44 लाख लोग एचआईवी के साथ जीवन जी रहे हैं, जिनमें लगभग 45 प्रतिशत महिलाएं और 2.75 प्रतिशत बच्चे शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में करीब 1.38 लाख एचआईवी संक्रमित व्यक्ति एआरटी केंद्रों पर नि:शुल्क परामर्श, उपचार और दवा प्राप्त कर रहे हैं। प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी की ओर से सोमवार को राज्य सूचना विभाग के सभागार में एचआईवी/एड्स विषय पर राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य एचआईवी/ एड्स से जुड़ी सही जानकारी का प्रसार, सामाजिक कलंक को कम करना और जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों में मीडिया की भूमिका को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक रमेश श्रीवास्तव ने कहा कि एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने में मीडिया की भूमिका बेहद अहम है और संवेदनशील व तथ्यात्मक रिपोर्टिंग से समाज में फैली भ्रांतियों को दूर किया जा सकता है।

उप्र में एमएसएमई से 3.11 करोड़ को रोजगार, निवेश से खुले अवसरों के द्वार

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बीते नौ वर्षों में रोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।

राज्य सरकार की ओर से जारी किए गए बयान के अनुसार उद्योगोन्मुख नीतियों और योजनाओं के प्रभाव से एमएसएमई सेक्टर आज न केवल रोजगार का सबसे बड़ा माध्यम बनकर उभरा है, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था की धुरी भी बन गया है। सरकार के प्रयासों का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में इस अवधि के दौरान करीब 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों से 1 करोड़ 10 लाख से अधिक युवाओं के लिए रोजगार और सेवायोजन के अवसर सृजित होने की संभावना बनी है। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतर चुके हैं, जिनसे लगभग 60 लाख रोजगार के अवसर तैयार हुए हैं। निवेश के इस प्रवाह ने प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को गति दी है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र रोजगार सृजन का सबसे मजबूत आधार बनकर उभरा है। वर्तमान में राज्य में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां संचालित हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। इन इकाइयों के माध्यम से 3 करोड़ 11 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने वित्तीय सहायता, कौशल प्रशिक्षण और विपणन की सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना को एमएसएमई से जोड़ने से पारंपरिक और स्थानीय उत्पादों को नई पहचान मिली है। इससे ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां तेज हुई हैं और रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है। युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु सरकार द्वारा कई योजनाएं प्रभावी रूप से संचा. लित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत अब तक 38 हजार से अधिक युवाओं को लाभान्वित किया गया है, जिनमें 1097.10 करोड़ रुपये से अधिक की मार्जिन मनी वितरित की गई है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत 32,936 लाभार्थियों को 1105.49 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी दी गई, जिससे 2.63 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है।

अफसरों की नाकामी का फायदा सपा को मिल रहा: डा. संजय निषाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश सरकार में मंत्री डा. संजय निषाद ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि अफसरों की नाकामी का फायदा सपा को मिल रहा है।

डॉ. संजय निषाद ने सोमवार को यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि सपा का 'पीडीए' अधिकारियों की नाकामी है। अधिकारी लड्डू परोस रहे हैं सपा को। जैसे लेखपाल की भर्ती, पशुधन की भर्ती। पहले आरक्षण का सही से पालन न करो, फिर उसे सुधारो। अधिकारी किसलिए बैठे हैं। क्या कर रहे हैं। अभी एसआई की परीक्षा हुई, अधिकारी पेपर पढ़ नहीं सकते, तो किसलिए बैठे हैं। यह सपा को लड्डू नही परोस रहे हैं, तो क्या कर रहे हैं। लेकिन इसका मतलब यह नही है कि सारे अधिकारी दोषी हैं। ज्यादातर ठीक हैं, तभी तो अच्छा काम

हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में हमारा मुद्दा आरक्षण में हमारी गिनती अनुसूचित में कराने की है। संविधान के हिसाब से केंद्र सरकार की अधिसूचना से लेकर राष्ट्रपति की अधिसूचना में भी मांझी, मल्लाह, केवट अनुसूचित में आते हैं। यहां तक की राज्यपाल की तरफ से 31 दिसम्बर 2016 को जारी अंतिम अधिसूचना में पिछड़े से अनुसूचित में शामिल करने को लेकर नई सूची बनाने को कहा गया। पर, वह अभी लागू नहीं हुआ है। अभी तक 26 दिसम्बर वाली ही अधिसूचना लागू है। ऐसे में हमारी मांग है कि ओबीसी से 9 प्रतिशत काट कर एससी में शामिल किया जाए। ओमप्रकाश राजभर के सामाजिक न्याय समिति की मांग पर उन्होंने कहा कि वह बटवारा चाह रहे हैं ओबीसी में और हम बटवारा नहीं चाहते हैं हम संविधान वाला चाहते हैं। संविधान के हिसाब से अनुसूचित जाति की सूची में हरिजन, धोबी, मझवार, पासी आते हैं। मांझी, केवट, मल्लाह को मझवार में गिना है। इसी के आधार पर केवट मल्लाह, माझी को मझवार में गिना जाए। भर नियमतष अनुसूचित में आते हैं। वह अनुसूचित का प्रचार नही कर रहे हैं, वह पिछड़े में बटवारा चाह रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वर्ग-3 की जमीन का मुद्दा है। जिसे हम अंग्रेजों ने दिया था। वर्ग-3 की जमीन का मतलब तालाब आदि की भूमि। जो पहले निषादों के नाम दर्ज होती थी, जिससे वो जीवन यापन कर सके। बसपा के समय इसे वायस ले लिया गया। जिसे फिर से वापस दिलाने की मांग है।

शहीद दिवस पर आप की छात्र विंग का प्रदेशव्यापी शिक्षा अभियान

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश की छात्र विंग ने सोमवार को शहीद दिवस पर प्रदेशभर में शिक्षा और युवाओं के मुद्दों को लेकर अभियान की शुरुआत की। लखनऊ में इसकी शुरुआत लखनऊ विश्वविद्यालय से की गई, जहां छात्र-युवाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए छात्र विंग के प्रदेश महासचिव अनित रावत ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को भगत सिंह और डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों से जोड़ना है, ताकि समाज में शिक्षा, समानता और अधिकारों को लेकर जागरूकता बढ़ाई जा सके। उन्होंने कहा कि संगठन गांव-गांव और शहर-शहर जाकर संवाद और जनसंपर्क के जरिए शिक्षा की अलख जगाएगा। अनित रावत ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार युवाओं को शिक्षा, रोजगार और समान अवसर जैसे मूल मुद्दों से भटका रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में लोकतांत्रिक माहौल को कमजोर करने और छात्रों की आवाज दबाने की कोशिशें हो रही हैं, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि देश का युवा आज बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और अवसरों की कमी से जूझ रहा है। ऐसे में भगत सिंह के क्रांतिकारी विचार और बाबा साहब के सामाजिक न्याय के सिद्धांत ही युवाओं को सही दिशा दे सकते हैं।

देश की आजादी अनगिनत बलिदानों और संघर्षों का परिणाम

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में सोमवार को जन भवन स्थित गांधी सभागार में शहीद दिवस और डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और बलिदान को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव तथा डॉ. लोहिया के जीवन और योगदान पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने भावुक होकर देखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल के विशेष सचिव

■ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग को श्रद्धांजलि अर्पित की

श्रीप्रकाश गुप्ता ने कहा कि देश की आजादी अनगिनत बलिदानों और संघर्षों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अनेक परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोकर स्वतंत्रता की कीमत चुकाई है, इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम उनके त्याग को सदैव स्मरण रखें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें। उन्होंने ऐतिहासिक घटनाओं जैसे साइमन कमीशन के विरोध, जलियांवाला बाग कांड, लाला लाजपत राय पर लाठीचार्ज और केंद्रीय असेंबली में बम फेंकने की घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार ब्रिटिश शासन ने इन क्रांतिकारियों को कठोर दंड दिया। उन्होंने भगत सिंह के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि विचारों को कभी समाप्त नहीं किया जा सकता, वे हमेशा जीवित रहते हैं।

अपने संबोधन में उन्होंने डॉ. राम मनोहर लोहिया को एक महान समाजवादी चिंतक और स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण नेता के रूप में याद किया। कार्यक्रम में विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) डॉ. पंकज एल- जानी, विशेष कार्याधिकारी अशोक देसाई, जन भवन के अधिक. ारी-कर्मचारी, आदर्श माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर परेड ग्राउंड में आयोजित 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री

चार वर्षों में राज्य कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का बना साक्षी: धामी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को भाजपा सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर परेड ग्राउंड में आयोजित चार साल बेमिसाल कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस दौरान परेड ग्राउंड में लगे स्टालों का उद्घाटन करने पहुंचे मुख्यमंत्री ने यहां पर सेल रोटी बनाई। सीएम ने कनक चौक से कार्यक्रम स्थल तक रोड शो में प्रतिभाग किया, साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री धामी ने सरकार के चार वर्ष पूरा होने पर परेड ग्राउंड में आयोजित 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम को भी संबोधित किया। इस मौके पर उन्होने विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाओं देने के साथ अपनी बात रखते हुए कहा कि आज से चार वर्ष पूर्व प्रदेश की जनता ने सभी मिथकों तोड़कर, उन्हें पुन: राज्य की सेवा का अवसर प्रदान किया था। इसके बाद इसी मैदान में शपथ ग्रहण के दौरान उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुसार देवभूमि के गौरव को पुनर्स्थापित करने का संकल्प लिया था। अब चार साल के बाद वो गर्व से कह सकते हैं कि वो संकल्प तेजी से सिद्धि की ओर बढ़ रहा है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में बाबा केदारनाथ की दिव्य धरा से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। इसलिए प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री के मुख से निकले इन शिवोमयी शब्दों को चरितार्थ करने के संकल्प को लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते चार वर्षों में जहां सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत कर नागरिकों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयास किया है। वहीं, विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के समग्र विकास का विजन प्रस्तुत किया है। इन्हीं प्रयासों से बीते चार वर्षों में राज्य ऐसी कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का साक्षी बना है जो किसी भी छोटे राज्य के लिए असंभव समझी जाती थीं। सीएम ने कहा कि पहली बार राज्य में जी-20 जैसे वैश्विक सम्मेलन की बैठकों का सफल आयोजन किया गया, वहीं राष्ट्रीय खेलों का भी भव्य आयोजन किया गया।

इतना ही नहीं, पहली बार उत्तराखंड में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया, जिसमें 3.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिसमें से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारा जा चुका है।

■ सीएम ने विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण के साथ ही विकास प्रदर्शनी का भी किया अवलोकन

समारोह में इनकी रही मौजूदगी

समारोह में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, गणेश जोशी, खजान दास, राम सिंह कैडा, राज्य सभा सांसद नरेश बंसल, मेयर सौरभ थपलियाल, विधायक सहदेव पुंडीर, उमेश शर्मा काऊ, विनोद चमोली, सविता कपूर, मुन्ना सिंह चौहान, बृजभूषण गैरोला, मुख्य सचिव आनंद वदर्धन, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, प्रमुख सचिव डॉ आरके सुधांशु, एल. फैनई,डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव एसएन पांडेय और आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडेय, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल उपस्थित रहे।

सरकार की प्रगति रिपोर्ट रखी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बीते चार साल में राज्य की आर्थिकी में डेढ़ गुना से अधिक की वृद्धि हुई है और बीते एक वर्ष में राज्य की जीएसडीपी में 7.23 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई, साथ ही प्रतिव्यक्ति आय में भी 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान राज्य में 20 हजार से अधिक नए उद्योग स्थापित हुए हैं, वहीं स्टार्टअप की संख्या 7 सौ से बढ़कर साढ़े 17 सौ हो गई है। यही नहीं इस दौरान 2 लाख 65 हजार से अधिक माताएं-बहनें लखपति दीदी बनी हैं। राज्य सरकार के सतत प्रयासों से रिवर्स पलायन में 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है।

केंद्र ने भी कार्यों को सराहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति आयोग द्वारा जारी वर्ष 2023-24 के सतत् विकास लक्ष्य इंडेक्स में उत्तराखंड को प्रथम स्थान प्राप्त होने से राज्य सरकार के प्रयासों पर मुहर लगी है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भी उत्तराखंड को एचीवर्स तथा स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर्स की श्रेणी भी प्राप्त हुई है। नीति आयोग द्वारा जारी इंडिया इनोवेशन इंडेक्स रिपोर्ट में हिमालयी राज्यों की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। बीते चार वर्षों से लगातार देश में मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेटहोने का गौरव प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखंड को नेशनल लॉजिस्टिक्स इंडेक्स, स्टेट स्टार्टअप इकोसिस्टम, स्टेट एनर्जी एंड ग्रीन इंडेक्स जैसे कई राष्ट्रीय सूचकांकों में भी विभिन्न पुरुस्कार प्राप्त हुए हैं। राज्य को खनन क्षेत्र में किए गए सुधारों के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी राज्य खनन तत्परता सूचकांक में देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है, साथ ही, इसके लिए राज्य को 200 करोड़ रुपये का पुरस्कार भी प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लिए गए सख्त और पारदर्शी निर्णयों का ही परिणाम है कि आबकारी और खनन जैसे विभागों से राज्य को पहले की तुलना में कई गुना अधिक राजस्व प्राप्त हो रहा है।

नई कार्य संस्कृति विकसित

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार देहरादून को एक आधुनिक और विकसित शहर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। आज देहरादून में लगभग 14 सौ करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय केवल घोषणाएं होती थी, तब केंद्र से भेजा गए 1 रुपए में से 15 पैसे ही लोगों तक पहुंच पाते थे। परंतु आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में नई कार्य संस्कृति का सूत्रपात कर शासन व्यवस्था से दलालों और बिचौलियों का सफाया करने का काम किया। इसलिए आज प्रदेश सरकार जिस कार्य का शिलान्यास करती है उसे तय समय में पूर्ण कर उसका लोकार्पण भी करती है।

कनक चौक से परेड ग्राउंड कार्यक्रम स्थल तक रोड शो निकालते सीएम धामी।

30 हजार से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि पहले प्रदेश में नकल और पेपर लीक के कारण प्रतिभावान युवाओं के सपने चूर-चूर हो जाते थे। इसलिए युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश सरकार सख्त नकल विरोधी कानून लेकर आई। जिसके परिणामस्वरूप पिछले साढ़े 4 चार वर्षों में राज्य के 30 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्राप्त हुई है। आज 100 से अधिक नकल माफिया जेल की हवा खा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामलों में केवल छोटी मछलियों पर ही कार्रवाई होती थी। लेकिन आज प्रदेश में बड़े आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जा रहा है।

कहा- देवभूमि के देवत्व बचाने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार देवभूमि के दैवत्व की रक्षा के लिए डेमोग्राफी को भी संरक्षित रखने का प्रयास कर रही है। इसके लिए जहां एक ओर प्रदेश में सख्त धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कानूनों को लागू किया। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार ने सख्त कार्रवाई करते हुए 12 हजार एकड़ से अधिक की सरकारी भूमि को मुक्त कराया है। साथ ही छद्म भेष धारण कर लोगों को ठगने वालों के खिलाफ ऑपरेशन कालनेमि संचालित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता कानून लागू कर सभी धर्मों के नागरिकों के लिए एक समान कानून लागू किया है, जिसे देशभर के राष्ट्रवादी सोच के लोगों ने सराहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी वर्ष से जुलाई से उत्तराखंड में सभी मदरसों में सरकारी बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम ही पढ़ाया जाएगा।

धामी सरकार के चार साल में केंद्र से मिली महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी

परेड ग्राउंड में लगे स्टाल में सेल रोटी बनाते मुख्यमंत्री धामी।

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। डबल इंजन वाली सरकार के बीते चार साल के कार्यकाल में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बीच मजबूत कैमिस्ट्री देखने को मिली। इस दौरान केंद्र सरकार ने जहां एक और राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होने वाली, कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मंजूरी दी, वहीं राज्य के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता भी प्रदान की है।

केंद्र सरकार के सहयोग से वर्तमान में उत्तराखंड के भीतर लगभग दो लाख करोड़ रूपए से अधिक लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं पर कार्य जारी है, जो आने वाले वर्षों में प्रदेश की आर्थिक और आधारभूत संरचना को नई दिशा देने वाली हैं।

चार साल बेमिसाल: 01

■ **सड़क, रेल, रोपवे, सिंचाई और पेयजल से जुड़ी कई परियोजनाओं को मिली गति**

जल संसाधन के क्षेत्र में लंबे समय से जमरानी और सौंग बांध परियोजनाओं की प्रतीक्षा की जा रही थी, जिन्हें केंद्र सरकार से अंतिम मंजूरी मिल गई है। ये परियोजनाएं न केवल पेयजल और सिंचाई की जरूरतों को पूरा करेंगी, बल्कि शहरी विस्तार और औद्योगिक विकास के लिए भी आधार तैयार करेंगी।

बीते चार साल में रेल कनेक्टिविटी के मोर्चे पर भी उत्तराखंड ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। राज्य के 11 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। वहीं, टनकपुर से बागेश्वर तक प्रस्तावित रेल लाइन को केंद्र सरकार की मंजूरी मिलना, पर्वतीय क्षेत्रों के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। लगभग 48 हजार करोड़ रूपए की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के शुरू होने से कुमाऊं क्षेत्र की कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है।

"केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों ने उत्तराखंड के विकास को नई दिशा प्रदान की है। आज उत्तराखंड की कनेक्टिविटी देश के बड़े शहरों से मजबूत हुई है, साथ ही गांव गांव सड़क नेटवर्क पहुंच रहा है। उत्तराखंड विकसित भारत में विकसित उत्तराखंड के रूप में योगदान देने के लिए तैयार है।
पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

सड़क एवं रोपवे प्रोजेक्ट

बीते चार सालों में सड़क और रोपवे परियोजनाओं ने भी गति पकड़ी है। दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड, नजीबाबाद- अफजलगढ़ बाईपास और सितारगंज-टनकपुर मोटरमार्ग जैसे प्रोजेक्ट्स इसका उदाहरण हैं। केंद्र सरकार के सहयोग से गौरीकुंड से केदारनाथ और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब रोपवे पर भी काम शुरू होने जा रहा है। एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए ऋषिकेश में 100 करोड़ रूपए की लागत से अंतरराष्ट्रीय स्तर का राफ्टिंग प्लेटफॉर्म भी तैयार किया जा रहा है। इससे उत्तराखंड को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और मजबूती मिलेगी।

बड़े प्रोजेक्ट्स, बड़ा असर

- दो लाख करोड़ रूपए से अधिक की विकास परियोजनाएं
- टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन को मंजूरी
- 11 रेलवे स्टेशन अमृत भारत योजना में शामिल
- जमरानी और सौंग बांध परियोजनाओं को गति
- दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड बनकर तैयार
- ऋषिकेश में 100 करोड़ रूपए का अंतरराष्ट्रीय राफ्टिंग प्लेटफॉर्म

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उपहार भेंट करते हुए सीएम पुष्कर धामी।

अर्थव्यवस्था से लेकर सामाजिक सूचकांक तक शानदार सुधार

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विगत चार साल के कार्यकाल में, राज्य के आर्थिक, सामाजिक सूचकांक प्रगति की असल कहानी बयां करते हैं। इस दौरान उत्तराखंड ने अर्थव्यवस्था से लेकर बुनियादी ढांचा, रोजगार और सामाजिक विकास के कई मानकों पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। धामी सरकार के चार साल के कार्यकाल में राज्य की अर्थव्यवस्था ने मजबूत प्रदर्शन किया है।

रोजगार, स्वरोजगार को बढ़ावा दिए जाने के लिए जारी राज्य सरकार के प्रयासों से वर्ष 2024-25 में राज्य की जीएसडीपी 3,81,889 करोड़ रुपए दर्ज की गई, इस तरह वर्ष 2021-22 के मुकाबले जीएसडीपी में डेढ़ गुना का उछाल आया है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय भी 2021-22 में 1 लाख 94 हजार 670 थी, जो अब बढ़कर 2 लाख 74 हजार रुपए तक पहुंच गई है। वर्ष 2024- 25 में राज्य की ग्रोथ रेट 7.33 प्रतिशत रही। बीते चार साल में राज्य के मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स में भी आशातीत सुधार आया है, वर्ष 2021-22 में 9.7 प्रतिशत के मुकाबले, यह अब घटकर 6.92 प्रतिशत पर आ गया है। वहीं ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स वर्ष 2021-22 में प्वाइंट 718 (.718) प्रतिशत था जो अब सुधर कर प्वाइंट 722 (.722) प्रतिशत हो गया है।

चार साल बेमिसाल: 02

पिछले चार वर्षों में उत्तराखंड ने विकास के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है। हमारी सरकार ने 'विकल्प रहित संकल्प' के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किया है। गरीब कल्याण, रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे के विस्तार और निवेश को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता रही है। आज उत्तराखंड तेजी से देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है।
पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

उद्योग को मिला बढ़ावा

धामी सरकार के चार साल के कार्यकाल में राज्य के भीतर एमएसएमई इकाईयों की संख्या 59,798 से बढ़कर 79,394 तक पहुंच गई है, अकेले इस क्षेत्र में अब 4.56 लाख लोगों को रोजगार मिल रहा है। बीते चार साल में लार्ज इंडस्ट्री 107 से बढ़कर 128 और स्टार्टअप्स की संख्या 702 से बढकर 1,750 तक पहुंच गई है। साथ ही लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट भी 64.4% हो गया है।

स्वास्थ्य सूचकांक में सुधार

राज्य में शिशु मृत्यु दर 2021-22 में 22 से घटकर 2024-25 में घटकर 20 हो गई है, इसी तरह मातृ मृत्यु दर भी 2021-22 में 103 से घटकर 2024-25 में 91 पर आ गई है।

कार्यक्रम स्थल परेड ग्राउंड में लोगों का अभिवादन करते हुए मुख्यमंत्री धामी।

पीएम मोदी ने चार वर्ष के कार्यकाल पर राज्य सरकार को दी बधाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री को भेजे गए अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा है कि देवभूमि उत्तराखंड के ऊर्जावान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि देवभूमि सदियों से आस्था, अध्यात्म, साहस और समृद्ध परंपराओं की भूमि रही है। यहां की विविध भाषाएं-बोलियां, लोक परंपराएं और सरल जीवनशैली प्रदेश को विशिष्ट पहचान देती हैं। उन्होंने कहा कि जब से केंद्र में हमारी सरकार बनी है, तब से उत्तराखंड 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। चार धाम ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत चारधाम यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है, वहीं ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन के माध्यम से प्रदेश में रेल संपर्क को मजबूत किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने और शीतकालीन पर्यटन को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को भी सराहा। उन्होंने कहा कि इन पहलों से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि पलायन रोकने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी मदद मिली है। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, स्टार्टअप्स को बढ़ावा तथा डिजिटल और हरित विकास जैसे प्रयासों को सराहनीय बताया। साथ ही, आपदा प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को राज्य की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताया।

प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि 'अमृत काल' में विकसित भारत के निर्माण में उत्तराखंड की भूमिका और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर, समृद्ध और सुदृढ़ उत्तराखंड के निर्माण में प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अहम है।

अंत में प्रधानमंत्री ने राज्य के नागरिकों को भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में उत्तराखंड विभिन्न क्षेत्रों में नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

■ **प्रधानमंत्री का संदेश-चार साल में विकास और सुशासन की नई पहचान बना उत्तराखंड**

दिव्यांग व्यक्तियों को ट्राई साइकिल भेंट करने के दौरान मुख्यमंत्री धामी।

साहसिक फैसलों से राष्ट्रीय फलक पर छाए मुख्यमंत्री धामी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में बीते चार वर्षों का दौर केवल विकास योजनाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नीतिगत फैसलों के स्तर पर भी राज्य ने राष्ट्रीय पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने ऐसे कई निर्णय लिए, जिन्होंने न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ किया बल्कि देश के सामने एक नया मॉडल भी प्रस्तुत किया।

नकल विरोधी कानून

सरकारी नौकरियों में नकल माफिया के कुचक्र को तोड़ने के लिए पुष्कर सिंह धामी सरकार ने फरवरी 2023 से उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय), कानून लागू कर प्रदेश और देश को एक मॉडल नकल विरोधी कानून दिया। इसके बाद से उत्तराखंड में भर्ती परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से समय पर बिना बाधा के सम्पन्न हो रही हैं। पहले भर्तियों में औसतन दो से तीन साल का समय लग रहा था, अब औसतन एक साल में ही भर्ती प्रक्रिया पूरी हो जा रही है। इस कानून के तहत भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल कराने या अनुचित साधनों में संलिप्तता पाए जाने पर आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है। साथ में 10 करोड़ रुपये तक जुर्माना और दोषियों की संपत्ति जब्त करने का भी प्रावधान है। पारदर्शी भर्ती पक्रिया के चलते बीते चार साल में प्रदेश में 30 हजार से अधिक युवाओं का सरकारी नौकरी मिल चुकी है।

चार साल बेमिसाल: 03

■ **यूसीसी, नकल विरोधी कानून के जरिए देश के सामने पेश किया सुशासन का मॉडल**

यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य

सरकार ने 27 जनवरी 2025 से उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू कर दी है। इसी के साथ उत्तराखंड आजाद भारत में यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। इसके बाद देश के कई राज्यों ने इस दिशा में पहल की है।

बड़े फैसले, बड़ा संदेश

- नकल विरोधी कानून से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता
- समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य
- दंगाइयों से वसूली के लिए विशेष कानून
- गैंगस्टर एक्ट और धर्मांतरण कानून को सख्त बनाया

गैंगस्टर एक्ट को बनाया सख्त

धामी सरकार ने गैंगस्टर एक्ट में संशोधन करते हुए गोवध, मानव तस्करी, बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी, नकल माफिया, मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों को इसके दायरे में ला दिया है। इसी तरह जबरन धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून बनाया गया है, जिसमें दोष सिद्ध होने पर 10 साल की गैर-जमानती सजा और 50 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

उत्तराखंड आंदोलनकारी आरक्षण

राज्य सरकार ने उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के लिए सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण को फिर लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आंदोलनकारी आरक्षण पर जारी कानूनी उलझन को सुलझाकर वर्षों से लंबित इस विधेयक को नए सिरे से विधानसभा से पारित करवाया।

चार साल बेमिसाल कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण व उपस्थित जनसमूह।

सरकार के चार सालः गिनाई उपलब्धियां

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। प्रदेश सरकार के चार साल पूरे होने पर सोमवार को मल्ला महल में कार्यक्रम आयोजित हुई। इस दौरान स्टॉलों के माध्यम से सरकार के चार सालों की उपलब्धियां गिनाई। मल्ला महल में हुए बहुउद्देशीय शि. विर व कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के संबोधन का लाइव प्रसारण किया गया। उन्होंने चार वर्षो की उपलब्धियों को ऐतिहासिक बताते हुए राज्य के समग्र विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की। कहा कि सरकार ने बीते चार वर्षों में विकास के साथ-साथ सुशासन की नई कार्य संस्कृति स्थापित की है। राज्य की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर्ज की गई है। रोजगार के अवसरों में विस्तार करते हुए हजारों युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है और नकल विरोधी कानून के माध्यम से भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाया गया है। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मेयर अजय वर्मा ने कहा कि सीएम धामी के नेतृत्व में बीते चार वर्षों में उत्तराखंड ने विकास, विश्वास और सुशासन का एक सशक्त मॉडल प्रस्तुत किया है। कहा कि समान नागरिक संहिता, सशक्त भू-कानून एवं नकल विरोधी कानून जैसे ऐतिहासिक निर्णयों ने राज्य की पहचान को नई दिशा दी है। बहुउद्देशीय शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर जनसामान्य को योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं प्रदान की गई। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वहीं, मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा ने भी रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। यहां पूर्व विस उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री गोविंद सिंह पिलख्वाल, एडीएम युक्ता मिश्र, एसडीएम सदर संजय कुमार, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवि रौतेला, पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक, भाजपा नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, एके सिकंदर पवार, मनोज सनवाल, देवेंद्र भट्ट समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

शिकायतों का हुआ निराकरण

अल्मोड़ा। जन जन की सरकार, जन जन के द्वार कार्यक्रम के तहत न्याय पंचायत धामस में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर में कुल 61 शिकायतें विभिन्न विभागों में पंजीकृत हुई। जिनमें से 56 शिकायतों का निराकरण शिविर में किया गया। साथ ही विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र को 254 आवे. दन पत्र भरवाए गए। जबकि 218 व्यक्तियों को अन्य योजनाओं से लाभांवित किया गया। खंड विकास अधिकारी एसएस दरियाल, जिला पंचायत सदस्य धामस कुंदन राम आदि मौजूद रहे।

नुमाइशखेत मैदान में जनकल्याण शिविर

राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर शिविर के साथ प्रदर्शनी का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'जन-जन की सरकार-4 साल बेमिसाल' कार्यक्रम के अंतर्गत नुमाइशखेत मैदान में बहु-विभागीय जनकल्याण शिविर एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक पार्वती दास, दर्जा राज्य मंत्री भूपेश उपाध्याय, जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य, आयुर्वेद, कृषि, समाज कल्याण, बाल विकास, उद्योग, निर्वाचन, आपदा प्रबंधन, पंचायती राज सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई तथा आमजन को लाभ भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विधायक पार्वती दास ने राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा

कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। दर्जा राज्य मंत्री भूपेश उपाध्याय ने कहा कि उड़ान सेवा, आदर्श गांव योजना और नई शिक्षा नीति जैसी पहलों के माध्यम से प्रदेश में चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 4 वर्ष के नितृत्व में अभूतपूर्व विकार कार्य किए गए। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने बताया कि जनपद में अनेक विकास परियोजनाएँ तेजी से आगे बढ़ रही हैं, जिनमें खोली में सीसीयू निर्माण अंतिम चरण में है तथा खिलाड़ियों की प्रतिभा को प्रोत्साहन देने हेतु स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन एवं कांडा पेयजल योजना के माध्यम से गांव-गांव तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा रहा है, बागेश्वर सीवरेज योजना का डीपीआर शासन को प्रेषित किया गया है। मुख्य विकास अधिक. ारी ने बताया कि जिला योजना का व्यय समय से पूर्व कर लिया गया है तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम में जनपद राज्य में अग्रणी है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सजीव प्रसारण भी सुना गया। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को सहायता राशि एवं उपकरण वितरित किए गए। साथ ही जनसमूह को जिलाधिकारी द्वारा मतदाता जागरूकता शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विशाखा खेतवाल, भाजपा जिला महामंत्री संजय परिहार, अपर जिला. धिकारी एनएस नबियाल, परियोजना निदेशक शिल्पी पंत सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंदिरों में कथा ज्ञान

अल्मोड़ा। चैत्र नवरात्र के पंचम दिवस स्कंदमाता की पूजा विधि-विधान पूर्वक की गई। इस अवसर पर मां की आराधना में भक्त लीन रहे और मंदिरों में माता के दर्शन को लोगों की भीड़ रही। सोमवार को दिन भर मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। मां के भक्तों ने उपवास रख कर मंदिरों और घरों में सुंदरकांड, दुर्गा देवी पाठ व भजन कीर्तन किए। त्रिपुरा सुंदरी, नंदादेवी, जाखनदेवी, पातालदेवी, बानड़ीदेवी, कसारदेवी, उल्का देवी, स्याहीदेवी, मनसा देवी, दूनागिरी मंदिर, चितई, रघुनाथ मंदिर, देवी मंदिर खत्याड़ी, वन देवी मंदिर आदि मंदिरों में लोगों का तांता लगा रहा है। उधर, चौखुटिया, द्वाराहाट, भिकियासैंण समेत धौलछीना के विमल कोट मंदिर में माता के दर्शन को श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। वहीं, स्याही देवी मंदिर में कथा व्यास ने वेद और व्यास की महत्ता पर प्रकाश डाला।

हल्द्वानी कांक्लेव में महापौर दीपक बाली ने भविष्य की योजनाओं को साझा किया

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। शहरी विकास को लेकर काशीपुर के महापौर दीपक बाली ने हल्द्वानी में आयोजित ओ हो रेडियो के कांक्लेव कार्यक्रम में अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति देकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए जनप्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और श्रोताओं के बीच महापौर बाली ने काशीपुर के विकास मॉडल और भविष्य की योजनाओं को विस्तार से साझा किया। महापौर दीपक बाली ने अपने संबा. धन में काशीपुर को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और नागरिक सुविधाओं से युक्त शहर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मेरी विकास के प्रति गहरी

आस्था है और मैं बगैर विकास के रह ही नहीं सकता। जहां जितने चलेंज होते हैं वहां उतने ही काम करने के मौके होते हैं। उन्होंने कहा कि वैसे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृहमंत्री, अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित तमाम बड़े भाजपा नेता उनके आदर्श हैं मगर उनके साथ-साथ मैं सड़कों के क्षेत्र में देश की काया पलट करने वाले नितिन गडकरी को बहुत पसंद करता हूं। उन्होंने बताया कि हम जनता पर टैक्स का बगैर कोई भार डाले अपनी आय को निरंतर बढ़ाने में लगे हुए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आने वाले समय में शहर को 'स्मार्ट सिटी' के मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बनाए जा रहे कंट्रोल रूम का भी उन्होंने जिक्र किया।

एक नजर...

ज्ञानार्थी कॉलेज में रोजगार अवसरों पर कार्यशाला

काशीपुर। ज्ञानार्थी कॉलेज में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए बैंकिंग क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय स्टेट बैंक, काशीपुर मुख्य शाखा के ब्रांच मैनेजर शक्ति शेखर उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को बैंकिंग क्षेत्र में करियर बनाने के विभिन्न अवसरों, आवश्यक योग्यताओं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इससे पूर्व कॉलेज के अध्यक्ष संतोष मेहरोत्रा, संस्था की सेक्रेटरी शिवानी मेहरोत्रा एवं संस्थान प्रमुख प्रतिमा सिंह द्वारा मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया गया। इस दौरान कॉलेज के डायरेक्टर मनोज मिश्रा ने विद्यार्थियों को ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों से अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला ने विद्यार्थियों को न केवल बैंकिंग क्षेत्र की गहराई से समझ प्रदान की, बल्कि उन्हें अपने करियर को लेकर जागरूक और लक्ष्य के प्रति समर्पित बनने की प्रेरणा भी दी।

भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष अभिनव निष्कासित

काशीपुर। भाजपा जिला महामंत्री सुशील शर्मा ने कवि नगर मण्डल अध्यक्ष कल्पना राणा के द्वारा मण्डल उपाध्यक्ष अभिनव राजपूत की नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। सुशील शर्मा ने बताया कि अभिनव राजपूत को पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी में अनुशासनहीनता, गुटबाजी या आधिकारिक प्रत्याशी के खिलाफ काम करने जैसे आचरण को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चैती मेले में निशुल्क रेडक्रॉस चिकित्सा शिविर

काशीपुर। चैती मेला परिसर में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी काशीपुर शाखा इकाई के तत्वावधान में 15 दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व महापौर ऊषा चौधरी ने दीप प्रज्वलित एवं रेडक्रॉस ध्वजारोहण कर किया। इससे पूर्व सोसाइटी सदस्यों द्वारा मुख्य अतिथि समेत अतिथियों का बुके तथा फूलमालाओं से स्वागत किया गया। संचालन कर रहे पूर्व सचिव हरीश जोशी ने स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री भाव से चलने वाले 15 दिवसीय निशुल्क शिविर संचालन की जानकारी दी। बतौर विशिष्ट अतिथि पधारे पंडा परिवार ने शिविर के सफल संचालन के लिए मां भगवती से कामना की। इस अवसर पर संरक्षक जेपी अग्रवाल, मुख्य पंडा विकास अग्निहोत्री, पंडा कृष्ण गोपाल अग्निहोत्री, पंडा मनोज अग्निहोत्री, पंडा संदीप अग्निहोत्री, अरबिंद सक्सेना, सरोज ठाकुर, कौशलेश गुप्ता, संजीव शर्मा, डॉ. अकील हुसैन, मौ. आरिु, डॉ. जेड रहमान, अमरीक सिंह, गौरव रस्तोगी, जगदीश राना, जगदीश पनेरु, डॉ. रवि यादव, प्रदीप कुमार, भारत गोला, अनीता पंत, रिया शर्मा, पूजा शर्मा, आराध्या समेत पदाधिकारी रहे।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा प्रारंभ

बागेश्वर। ग्राम सभा असों के मा देवी मंदिर में सोमवार से श्रीमद् देवी भागवत कथा का कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हो गया है। कलश यात्रा में हजारों भक्तों ने भाग लेकर समस्त क्षेत्र को भक्तिमय मना दिया। कथा में पूज्य व्यास आचार्य रविशंकर काण्डपाल ने कथा के माध्यम से देवी के माहात्म्य कि कथा श्रवण करायी और सभी भक्तों से निवेदन किया कि अपनी धर्म कि रक्षा के लिए इस प्रकार के यज्ञ अनुष्ठान बहुत ही अनिवार्य है इस अवसर पर महेश कमल अनिल, प्रदीप, नन्दगाँव के समस्त उपाध्याय आचार्य गण एवं मुख्य यजमान नन्दन सिंह एवं हजारों भक्त उपस्थित रहे।

नि:शुल्क विधिक सहायता की जानकारी

अल्मोड़ा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोड़ा द्वारा सोमवार को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास बोर्ड में विधिक सहायता केंद्र का निरीक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डीएलएसए सचिव शचि शर्मा ने किया। शिविर का शुभारंभ नालसा थीम गीत एक मुठ्ठी आसमान के साथ किया गया। शिविर में भूतपूर्व सैनिकों को नि:शुल्क विधिक सहायता, नालसा हेल्पलाइन नंबर तथा वीर परिवार सहायता योजना 2025 की जानकारी दी गई। मौजूद प्रतिभागियों को जागरूकता पंपलेट भी वितरित किए गए।

इंजीनियर्स महासंघ का मांगों की अनदेखी का आरोप

अल्मोड़ा। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के कर्मचारियों ने सोमवार को अल्मोड़ा में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी 27 सूत्रीय मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। कर्मचारियों ने कहा कि लंबे समय से उनकी मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे उनमें नाराजगी बढ़ती जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए कार्य बहिष्कार भी शुरू कर दिया गया है। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को किया नमन

अल्मोड़ा। शहीद दिवस के अवसर पर सोमवार को उत्तराखंड क्रांति दल अल्मोड़ा द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान शहीद-ए-आज़म भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर हुई। वक्ताओं ने कहा कि 23 मार्च 1931 को इन वीरों ने देश की स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, जो आज भी प्रेरणास्रोत है। जिलाध्यक्ष दिनेश जोशी व महामंत्री देवेश जोशी ने युवाओं से राष्ट्र और राज्य के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के की अध्यक्षता में सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी एवं पुलिस सम्मेलन आयोजित किया गया। बैठक में जनपद के सभी पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया, जहां अपराध नियंत्रण, विवेचनाओं के निस्तारण और डिजिटल पुलिसिंग को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। एसएसपी ने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण, गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए मादक पदार्थों की बरामदगी बढ़ाने और तस्करों पर कड़ी कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। बैठक में बीट पुलिसिंग को मजबूत करने, ई-बीट बुक अपडेट रखने तथा ग्राम प्रधानों और स्थानीय लोगों से समन्वय बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही साइबर अपराधों पर सतर्कता

बरतते हुए संबंधित पोर्टलों पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया। एसएसपी ने गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु सख्त चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। यहां एएसपी हरबंस सिंह, सीओ बलवंत सिंह रावत, सीओ विमल प्रसाद, सीओ दूरसंचार राजीव टम्टा, सीएफओ नरेंद्र सिंह कुंवर, प्रतिसार निरीक्षक रमेश चंद्र, प्रभारी निरीक्षक योगेश चंद्र उपाध्याय, निरीक्षक अशोक धानकड़ (वाचक), प्रभारी निरीक्षक जानकी भंडारी, यातायात प्रभारी दरबान सिंह मेहता, निरीक्षक मनोज भारद्वाज, निरीक्षक दूरसंचार उमाशंकर पांडे, पीआरओ व प्रभारी साइबर सैल राहुल राठी, मदन मोहन जोशी, अशोक कुमार, भुवन जोशी, देवेंद्र सिंह नेगी, अजेन्द्र प्रसाद, सुनील सिंह बिष्ट, प्रमोद पाठक, कश्मीर सिंह, अवनीश कुमार, मीना आर्या, कमित जोशी, महेश कश्यप, मोहित कुमार, बरखा कन्याल, हीरा सिंह, पूरन रावत आदि मौजूद रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया

सम्मेलन के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले 26 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विगत माह सोमेश्वर क्षेत्र में सड़क दुर्घटना के दौरान घायलों को त्वरित राहत पहुंचाने वाले हेड कांस्टेबल त्रिलोक सिंह तथा एसओजी के कांस्टेबल राजेश भट्ट को 'पुलिस ऑफिसर ऑफ द मंथ' चुना गया। राजेश भट्ट ने स्मैक और गांजा बरामदगी के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दोनों को एसएसपी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

दर्शन उत्सव में लोक संस्कृति की बिखेरी छटा

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। सांस्कृतिक नगरी में दर्शन उत्सव के तहत कार्यक्रम जारी है। सोमवार को नगर के कर्नाटखोला में दर्शन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने अपनी लोक संस्कृति की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। रामलीला मंच में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और असम की सांस्कृतिक झलकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। उत्तराखंड की पारंपरिक छपेली और गढ़वाली नृत्य ने स्थानीय संस्कृति को जीवंत किया। वहीं, उत्तर-प्रदेश की नृत्य नाटिका ने शानदार प्रस्तुतिकरण किया। हरियाणा के कलाकारों ने फाग और पनिहारी लोकनृत्य पेश किए। असम के कलाकारों ने बिहू नृत्य से पूरे माहौल में उत्सव का रंग भर दिया। इसके अलावा लोक गायिका माया उपाध्याय ने अल्मोड़ा बाजार कमला ना मार लटका... के साथ ही कुमाऊनी-गढवाली गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों को झूमने में मजबूर कर दिया। इस मौके पर यहां पूर्व दर्जा राज्य मंत्री बिट्टू कर्नाटक, मेयर अजय वर्मा, पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह चौहान, कैलाश शर्मा, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री गोविंद पिलख्वाल, ललित लटवाल, रवि रौतेला, कुंदन लटवाल, प्रदीप मेहता, जगदीश नगरकोटी, श्वेता उपाध्याय, भूपेंद्र भोज, गौरव कांडपाल, दिनेश मठपाल, लीलाधर कांडपाल, रमेश जोशी, कैलाश तिवारी, मदन मोहन कर्नाटक, ललित कर्नाटक मौजूद रहे।

पृथक विकासखंड के लिए 'तपस्या'

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। पृथक विकासखंड की मांग को लेकर कांडा कालिका मंदिर में महातपस्या शुरू हो गई है। पहले दिन महातपस्या में जितेन्द्र वर्मा व राजेन्द्र नगरकोटी बैठे। महातपस्या में संघर्ष समिति के अध्यक्ष एड. गोबिंद सिंह भंडारी ने माला पहनाकर तपस्या में लीन करवाया। समिति ने बताया कि कल सविता नगरकोटी ज्योति कांडपाल जानकी शाह शीला रौतेला बैठेगें।

पृथक विकासखंड की माँग को लेकर कांडा कालिका मंदिर में कांडा कमस्यार दुगनाकुरी के लोग तपस्या में बैठे। संघर्ष समिति अध्यक्ष गोविन्द सिंह भंडारी की अध्यक्षता में सभी लोग कांडा कालिका मंदिर में इकठ्ठा हुए और सभी ने तपस्या में सहयोग करने की बात कहीं। यहां 99 वर्षीय शेर सिंह धपोला ने शासन प्रशासन से

अपील की है, उन्होने आमरण अनशन की चेतावनी दी हैं। 92 वर्षीय रूप सिंह माजिला ने संघर्ष में हरदम साथ रहने की बात कहते हुए कांडा कमस्यार की एक सूत्रीय मांग को पूरा करने की अपील की है। कार्यक्रम का संचालन सचिव सुरेश रावत ने किया। इस मौके पर भवान सिंह धपोला, हीरा सिंह कर्म्याल, नंदन गिरी माजिला, एड. अशोक भंडारी, राजेंद्र गैढा, आलम मेहरा, आन्नद वर्मा, बंशीधर कांडपाल, गंगा लाल वर्मा, विरेन्द्र नगरकोटी, हयात धपोला, पुष्पा धपोला, विनय कर्म्याल, भगवान भंडारी, निर्मल शाह सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

ज़ीरो अंक मिलने पर छात्रों ने निदेशक को घेरा

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। परीक्षा में जीरो अंक मिलने पर छात्र छात्राओं ने निदेशक व प्रोफेसरों का घेराव किया। उन्होंने कहा कि जल्द परीक्षा में सुधार नहीं किया गया तो वे, समस्त छात्र छात्राएं अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। सोमवार को बीड़ी पांडे कैंपस के छात्र संघ अध्यक्ष सौरभ जोशी के नेतृत्व में छात्र छात्राएं कैंपस के समाज शास्त्र कक्ष के बाहर एकत्र हुए।

यहां छात्रों ने नारेबाजी करते हुए प्रोफेसर पर बदतमीजी से बात करने एवं सेमेस्टर के मार्कशीट में जीरो मार्क देने का आरोप लगाया। छात्रों में कहा कि उनके पास कैंपस के 12 छात्र छात्राएं हिमानी चौहान, तनुजा, ज्योति, सोनी, नितिक कुमार, नीरज सिंह, सुमित तिवाड़ी, समीर सहित अन्य अपनी मार्गशीट लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि वे समस्या के समाधान के लिए प्रोफेसर नरेश कुमार समाजशास्त्र के कक्ष में गए। लेकिन प्रोफेसर द्वारा उनकी समस्या न सुनकर छात्रों के साथ बतमीजी से बात की। छात्रों ने आरोप लगाया है कि वे विभागाध्यक्ष को ऐसाइमेंट जमा कर चुके थे, उसके बावजूद उन्हें अनुपस्थित दिखाकर जीरो मार्क दिए गए है। जिससे छात्रों को दूसरे सेमेस्टर में प्रवेश नहीं मिल पाएगा। इस मौके पर दर्जनों छात्र छात्राएं मौजूद रहे। निदेशक डा. कमल किशोर जोशी ने छात्रों को समझा बुझाकर उनकी समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद छात्र मान गए।

कृषि अवसरों का लाभ लें युवाः प्रो. चौहान

शाह टाइम्स संवाददाता

पंतनगर। हल्द्वानी स्थित होटल फार्चून में ओहो रेडियो द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम 'मैं उत्तराखंड हूँ' एक गरिमामय और जीवंत वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन कपकोट विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश सिंह गढ़िया, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनमोहन सिंह चौहान, कुमाऊँ विश्व. विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दीवान सिंह रावत और आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज के निदेशक डा. मनीष के नाजा द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ, जिससे आयोजन में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गरिमा का संचार हुआ। कार्यक्रम के पहले सत्र में प्रोफेसर मनमोहन सिंह चौहान ने युवाओं को उत्तराखंड में कृषि, फ्लोरीकल्चर और संबंधित क्षेत्रों में मौजूद अपार

संभावनाओं के बारे में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने आधुनिक तकनीकों के उपयोग, स्थानीय संसाधनों के माध्यम से स्वरोजगार अपनाने और नवाचार आधारित उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। उनके अनुसार यदि युवा इन अवसरों का सही तरीके से उपयोग करें, तो न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि प्रदेश की सामा. जिक और आर्थिक समृद्धि में भी योगदान मिलेगा। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायिका नुपुर पंत ने उत्तराखंड की लो. कधुनों के साथ अपनी मधुर आवाज़ का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन ओहो रेडियो की संस्थापक आरजे काव्या ने किया, जिनकी प्रभावशाली और जीवंत शैली ने आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया। इस अवसर पर उत्तराखंड के अनेक बुद्धिजीवी, उद्यमी, समाजसेवी, रंगकर्मी, कलाकार और युवा मौजूद थे।

आशा शुक्ला को उत्तराखंड महिला शक्ति रत्न अवार्ड

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं सामाजिक जागरूकता कल्याण समिति द्वारा वरिष्ठ समाजसेविका आशा शुक्ला को

उत्तराखंड महिला शक्ति रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस सम्मान को प्राप्त करते हुए आशा शुक्ला ने कहा यह सम्मान मेरे लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। मैं इस उपलब्धि को उन सभी महिलाओं को समर्पित करती हूं, जो हर दिन अपनी मेहनत, संघर्ष और हौसले से समाज को बेहतर बनाने में लगी हैं। उन्होंने समिति की अध्यक्ष डा. उषा नरेंद्र जैन का आभार व्यक्त करते हुए कहा डा. उषा नरेंद्र जैन ने मुझे इस सम्मान के योग्य समझा और इस मंच से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। आपका विश्वास और सहयोग ही मेरी ताकत है। आशा शुक्ला ने यह भी कहा कि वह आगे भी महिला सशक्तिकरण और सामा. जिक जागरूकता के लिए निरंतर कार्य करती रहेंगी।

सच्चे समाजवादी थे राममनोहर लोहियाः सिद्दीकी

गरीबों की भलाई, समानता को समर्पित रहा जीवन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। डॉक्टर राममनोहर लोहिया की 116वीं जयंती के अवसर पर उत्तराखंड समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रभारी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीकी के कार्यालय 17-आज़ाद नगर हल्द्वानी में भारी संख्या में सपा कार्यकर्ताओं का जमावड़ा हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत डाक्टर राममनोहर लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करने से की गई। इसके बाद एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने प्रमुख वक्ता के रूप में संबोधन किया। सिद्दीकी ने अपने संबोधन में कहा कि डॉक्टर राममनो. हर लोहिया एक सच्चे समाजवादी थे और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण था। उन्होंने बताया

कि डा. लोहिया ने जो भविष्यवाणियां की थीं, वे लगभग सभी सच साबित हुई हैं। उन्होंने लोहिया जी के संघर्षो और उनके समाजवादी दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि लोहिया जी का जीवन गरीबों की भलाई और समाज में समानता की स्थापना के लिए समर्पित था। सिद्दीकी ने यह भी बताया कि लोहिया जी ने हमेशा अन्याय और अत्याचार का विरोध किया। उनका संघर्ष रात-रात भर सड़कों पर गरीबों की स्थिति जानने और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए था। मतीन सिद्दीकी ने समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की प्रेरणा का जिक्र करते हुए कहा कि आज समाजवाद का झंडा अखिलेश यादव के नेतृत्व में बुलंद हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि डा. राममनो. हर लोहिया और मुलायम सिंह यादव को सच्ची श्रद्धांजलि तभी दी जा सकेगी जब हम उनके अधूरे कार्यो और सपनों को पूरा करने के लिए अखिलेश यादव के साथ मिलकर उनके संघर्षो में कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। गोष्ठी में जावेद सिद्दीकी, जावेद मिकरानी, अलीम अंसारी, उमैर मतीन, इस्लाम मिक. रानी, रेहान मलिक, संजय गुप्ता, आसिम सिद्दीकी, अनवर हुसैन, जाहिद खान, विक्की खान, दीपक अग्रवाल, सरताज अंसारी, एडवोकेट जावेद अहमद, नाजिम सलमानी, अथर खान, मोहम्मद अनस, मोहम्मद अरशद, अज़हर मलिक और शाहिद खान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

हाईवे की दुर्दशा सुधारने को कांग्रेसियों ने दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। काशीपुर से रामनगर जाने वाली नेशनल हाईवे सड़क के निर्माण की मांग को लेकर आज कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। महानगर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष अलका पाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने उप जिला. धिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए काशीपुर-रामनगर नेशनल हाईवे के क्षतिग्रस्त होने पर अपना रोष व्यक्त करते हुए इसके निर्माण के लिए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अलका पाल ने कहा कि काशीपुर-रामनगर नेशनल हाईवे लगभग 30 किमी की सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। जिम कॉर्बेट पार्क से जोड़ने वाली यह सड़क सरकार के विकास की पोल खोलती है।

दुर्घटनाओं का सबक बन चुकी यह सड़क सरकार का मुंह चिढ़ाती है, लेकिन भाजपा सरकार काशीपुर के विकास की उपेक्षा कर रही हैं। कहा कि अगर सरकार ने इसका शीघ्र निर्माण नहीं किया तो कांग्रेसी कार्यकर्ता सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ देंगे। इस दौरान कांग्रेस महासचिव अनुपम शर्मा, मनोज जोशी एडवोकेट, मुशर्रफ हुसैन, हरीश कुमार सिंह एडवोकेट, विमल गुड़िया, ब्रह्मपाल, सरित चतुर्वेदी, अरुण चौहान, सुभाष पाल, अर्पित मेहरोत्रा, विनोद होंडा, चंद्रभूषण डोभाल, संतोष मेहरोत्रा, जितेंद्र सरस्वती, प्रदीप जोशी, संदीप चतुर्वेदी एडवोकेट आदि बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपलब्धियों का कालखंड रहे सरकार के चार साल

हल्द्वानी में आयोजित जन-जन की सरकार कार्यक्रम में बोलीं कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जन-जन की सरकार-4 साल बेमिसाल थीम के अंतर्गत विकासखंड सभागार हल्द्वानी में बहुउद्देशीय शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री व जनपद प्रभारी मंत्री रेखा आर्या ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रेखा आर्या ने प्रदेश सरकार द्वारा आम नागरिकों के हित में संचा. लित विभिन्न विकास कार्यों, योजनाओं, निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज उत्तराखंड हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन चार वर्षों में धामी सरकार द्वारा कई ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। इन चार वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था डेढ़ गुना बढ़ी है। राज्य का सालाना बजट ढ़ा है। हर क्षेत्र में उत्तराखंड राज्य, देश के अग्रणी राज्यों में सुमार हुआ है, एसडीजी रैंकिंग में राज्य देश में प्रथम स्थान पर आया है। उन्होंने

कहा कि इन चार वर्षों में महिलाओं के, किसानों के खेल के, युवाओं के हित में अनेक कार्य सरकार द्वारा किए गए हैं। राज्य का चहुंमुखी विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में सरकार द्वारा जनहित में अनेक निर्णय लिए हैं साथ ही अनेक कानून राज्य में लागू किए हैं। आने वाले समय में उत्तराखंड राज्य देश के प्रथम राज्यों की श्रेणी में गिना जाएगा। उन्होंने अपने संबोधन में राज्य में वात्सल्य योजना और महिलाओं के लिए 30: क्षेतिज आरक्षण और 4 प्रतिशत खिलाड़ियों को आरक्षण देने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद प्रकट किया। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार की उपलब्धियों से संबंधित 'संकल्प से सिद्धि: विक. सित उत्तराखंड' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा देहरादून से दिए गए संबोधन को भी उपस्थित जनता द्वारा वर्चुअल माध्यम से सुना गया। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार में दर्जा राज्यमंत्री रेनू अधिकारी ने अपने संबोधन में उत्तराखंड सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। दर्जा राज्य मंत्री दीपक महरा ने कहा कि उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में पंहुचाने हेतु राज्य में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। दर्जा राज्य मंत्री सुरेश चंद्र भट्ट ने कहा कि सरकार द्वारा कई साल पुरानी मांग के अंतर्गत जमरानी बांध परियोजना का तेज गति से काम चल रहा है। महापौर नगर निगम हल्द्वानी गजराज बिष्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में 40-50 वर्ष पुराना सपना पूरा होने जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और धामी जी के प्रयासों से हल्द्वानी शहर को लगभग 02 हजार करोड़ रुपया प्राप्त हुआ है। जिससे अनेक विकास कार्य गतिमान है। क्षेत्र प्रमुख हल्द्वानी मंजू गौड़ ने जन उपयोगी योजनाओं को धरातल पर उतरने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में जनता के हित में अनेक निर्णय लेते हुए ऐतिहा. सिक कार्य किए हैं। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने अपने संबोधन में सभी आगन्तुकों का स्वागत करते हुए कहा आज उत्तराखंड राज्य के साथ जनपद नैनीताल भी तेजी से विकास कर रहा है। विभिन्न परियोजनाएँ व विकास कार्य जनता के हित में गतिमान है। उन्होंने कहा कि विगत 4 वर्षों में चाहे महिला आरक्षण की बात हो, राज्य आंदोलनकारी को रिजर्वेशन देने की बात हो, कुशल खिलाड़ियों के लिए जितने भी नियम बने हैं उसका लाभ सीधे यहां की जनता को मिल रहा है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, उद्योग, रेशमविभाग, कृषि विभाग, आयुर्वेद, होम्योपैथिक, शहरी विकास विभाग, पशुपालन, समाज कल्याण सहित अन्य संबंधित विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभिन्न सरकारी जन उपयोगी योजनाओं की जानकारी जनता को दी गई। प्रभारी मंत्री रेखा आर्या द्वारा ग्रामोत्थान रीप परियोजना अंतर्गत आशीर्वाद क्लस्टर फैडरेशन गोलापुर को बताशा यूनिट खोलने हेतु 6 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत उद्यम स्थापना हेतु तीन लाभार्थियों को कुल 105000 के दो प्रदान किए गए। इसके साथ ही मंत्री द्वारा 6 लाभार्थियों को महालक्ष्मी किटों का वितरण किया गया। इस अवसर पर आंचल कला केंद्र हल्द्वानी के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रविंद्र पांडे, भाजपा अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष रविंद्र बाली, कोषाध्यक्ष साकेत अग्रवाल सहित विभिन्न क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान व क्षेत्रीय जनता विभागों के अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एडीओ सुनील पंत द्वारा किया गया।

प्रदेश के खिलाड़ियों को मिलेगी नई दिशा: रेखा आर्या

हल्द्वानी। उत्तराखंड में प्रस्तावित खेल विश्वविद्यालय के निर्माण को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सोमवार को खेल मंत्री रेखा आर्या ने हल्द्वानी के गौलापार स्थित भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया, जहां इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण प्रस्तावित है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इसे प्रदेश के खेल भविष्य के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया। मंत्री रेखा आर्या

ने कहा यह स्थान केवल एक जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, संकल्प और समर्पण का प्रतीक है। यहां बनने वाला खेल विश्वविद्यालय प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को नई दिशा देगा और उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का मंच प्रदान करेगा। यह आने वाली पीढ़ियों के उज्जवल भविष्य के लिए मजबूत नींव साबित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि खेल मंत्री के रूप में युवाओं और खिलाड़ियों के लिए जो सपना देखा गया था, वह अब साकार होता हुआ दिख रहा है। इस परियोजना को साकार करने में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने उनका आभार व्यक्त किया। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि विश्व. विद्यालय का एकेडमिक ब्लॉक और प्रशासनिक भवन तैयार है, और आगामी सत्र से कक्षाओं का संचालन शुरू करने की योजना है। इस दौरान खेल मंत्री ने सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के प्रशिक्षण शिविर का भी निरीक्षण किया और खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि बालक और बालिका टीमें 1 अप्रैल से शुरू होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी और उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी। निरीक्षण के दौरान खेल उप निदेशक रसिका सिद्दीकी, उप क्रीड़ा अधिकारी वरूण बेलवाल सहित रविंद्र बाली, यशपाल आर्य, लता शाह, लीलावती जोशी, सुनील कुमार, राहुल यादव और गोविंद लटवाल सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

मकानों की गणना 25 अप्रैल से करें

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल में जनगणना कार्मिकों का प्रथम प्रशिक्षण सोमवार को काठगोदाम सर्किट हाउस सभागार में शुरू हुआ। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण

शिविर का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तय किया है, और यह जनगणना ही उस लक्ष्य का आधार तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि सभी विकास योजनाएं जनगणना के आंकड़ों पर निर्भर होती हैं, इसलिए यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और जिम्मेदारीपूर्ण है। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना 2027 के तहत होने वाले मकानों और परिवारों के सूचीकरण कार्य के लिए फील्ड प्रशिक्षुओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण में अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र नेगी ने फील्ड प्रशिक्षुओं को मोबाइल एप के जरिए डाटा संकलन, डाटा एंट्री और सर्वेक्षण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर और जिला अर्थ संख्याधिकारी डा.मुकेश नेगी ने जनगणना की प्रक्रिया, मकानों और परिवारों के सूचीकरण और डिजिटल माध्यम से डाटा संग्रहण के बारे में बताया। जनपद के विकास खंडों के उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार, और अन्य फील्ड प्रशिक्षु भी इस प्रशिक्षण में शामिल थे। इसके अलावा, जनगणना निदेशक इवा आशीष श्रीवास्तव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जानकारी दी कि मकान गणना के तहत 10 से 24 अप्रैल 2026 तक जनता को स्व-गणना का विकल्प भी दिया जाएगा।

लाखों की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी में खपाते थे शक्तिफार्म से लाकर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। काठगोदाम पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जो पेशे से मजदूर होने के साथ-साथ स्मैक के आदी भी थे और नशे की तस्करी भी कर रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 27 लाखों रुपए की स्मैक बरामद की है। बरामद स्मैक आरोपी ऊधमसिंह नगर शक्ति फार्म सितारगंज से पिंचू नामक व्यक्ति से खरीद कर लाए थे। पुलिस ने दोनो तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनो को जेल भेज दिया। सोमवार को पुलिस बहुउद्देशीय भवन में स्मैक तस्करी का खुलासा करते हुए एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि बीती 22 मार्च को काठगोदाम पुलिस ने वन विभाग की जू डंपिंग जोन से देवलचौड़ बंदोबस्ती फूलचौड़ निवासी 29 वर्षीय आनन्द सिंह रावत पुत्र दिवान सिहं रावत और देवलचौड़ फूलचौड़ निवासी 21 वर्षीय रोहित थापा पुत्र पप्पू थापा को गिरफ्तार किया। जब पुलिस ने दोनों को पकड़ा तो दोनों डंपिंग जोन में बैठ कर बीड़ी पी रहे थे। शक होने पर दोनों को बारीबारी उठाया तो आनन्द सिंह रावत और उसके दोस्त रोहित के कब्जे से स्मैक के साथ फॉइल पेपर, बीडी बंडल, लाइटर, एक पाइपनुमा कागज मिला। जिनकी तलाशी के दौरान पुलिस ने दोनो के पास से 91.10 ग्राम स्मैक बरामद की। बरामद स्मैक की अंत. रराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 27 लाख आंकी जा रही है। पकड़े गए तस्करों ने पूछताछ में बताया कि वह पेशे से मजदूर का काम करते है और स्मैक के भी आदी है। इसके साथ ही वह ऊधमसिंह नगर के शक्तिफार्म सितारगंज निवासी पिंचू नामक युवक से स्मैक खरीद कर लाते है और उसे बेचने के साथ पीते भी है। आरोपियों के बयान के तहत पुलिस अब पिंचू की तलाश में जुट गई है। एसएसपी ने गुडवर्क करने वाली टीम को दो हजार रूपये इनाम देने की घोषणा की है। टीम में मल्ला काठगोदाम चौकी प्रभारी दिलीप कुमार, कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह, एसओजी से हेड कांस्टेबल त्रिलोक रोतेला और कांस्टेबल भानू प्रताप शामिल थे।

कच्ची शराब के साथ एक दबोचा

हल्द्वानी। बीती रात्रि गश्त के दौरान चोरगलिया पुलिस ने कच्ची शराब के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार टीम ने चेकिंग के दौरान हरदेव सिंह पुत्र सुच्चा सिंह निवासी ग्राम टुकड़ी, थाना नानकमत्ता, जिला ऊधमसिंह नगर को 105 पाउच कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के सामने पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पहाड़ की नारी कर रही नाम रौशन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राज्य महिला आयोग द्वारा पहाड़ की नारी, देश की शक्ति विषय पर एम्स ऋषिकेश में एक महिला सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में स्वामी राजराजेश्वरम महाराज शारदा पीठाधीश्वर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जबकि ऋषिकेश विधायक प्रेमचंद अग्रवाल, बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना, राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिद. शक डा. दुर्गेश पंत, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स ऋषिकेश की निदेशक डा. मीनू सिंह व मेयर शंभु पासवान विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल द्वारा की गई। इस दौरान स्वामी राजराजेश्व.

रम ने उत्तराखंड की महिलाओं की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तराखंड की नारी ने जटिल परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारी है।

वे शिक्षा, खेल, सेना, चिकित्सा और पुलिस विभाग में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और उत्तराखंड एवं देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तराखंड राज्य महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इस अवसर पर राज्य महिला आयोग की सदस्य कंचन कश्यप और अन्य सभी सदस्यों को उनके सराहनीय कार्यों के लिए मंच से सम्मानित किया गया। कंचन कश्यप ने कहा उत्तराखंड सरकार द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह से हमें जो सम्मान मिला है, वह हमारे लिए गर्व की बात है।

डा. ऋतु रखोलिया को उत्तराखंड नारी शक्ति रत्न अवार्ड

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मां द्वारिका गार्डन रुद्रपुर में आयोजित एक समारोह में डा. ऋतु रखोलिया को चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उत्तराखंड नारी शक्ति रत्न अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें महिला एवं

सामाजिक जागरूकता कल्याण समिति द्वारा प्रदान किया गया। समारोह में डा. ऋतु रखोलिया को महिला एवं सामाजिक जागरूकता कल्याण समिति की अध्यक्ष डा. उषा नरेंद्र जैन, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रुद्रपुर मीना शर्मा और भाजपा प्रदेश मंत्री रश्मि रस्तोगी द्वारा स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। समारोह में डा. रखोलिया के चिकित्सा और समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए सराहनीय कार्यों की विशेष प्रशंसा की गई। समारोह में डा. उषा नरेंद्र जैन, रश्मि रस्तोगी, मीना शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र जैन, समिति के उपाध्यक्ष राधा सुभाष, कविता रावत, सीता सुनील चौरसिया, लीलावती अधिकारी, सुधीर वंदना दास, मुकेश सुयाल, इशू चंद्र धारीवाल, ममता नेगी, बृहद आश्रम डायरेक्टर शशि सिंह, हरविंदर सिंह, दुर्गावती यादव, डा. अंशुल श्रीवास्तव, बाल कल्याण समिति सदस्य पुष्पा, दीपा अधिकारी, आभा और आशा शुक्ला सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चित्रशिला घाट में सफाई अभियान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत सोमवार को जिला गंगा समिति नैनीताल गौला रेंज, तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी, नगर निगम हल्द्वानी-काठगोदाम और स्थानीय जनसमुदाय के संयुक्त तत्वावधान में चित्रशिला घाट रानीबाग में एक विशाल स्वच्छता और जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। गंगा स्वच्छता पखवाड़ा अभियान का उद्देश्य राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में गंगा और उसके आसपास के क्षेत्रों की सफाई और संरक्षण को सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम का संचालन जिलाधिकारी और जिला गंगा समिति, नैनीताल के अध्यक्ष के आद. शानुसार और प्रभागीय वनाधिकारी, तराई पूर्वी वन प्रभाग के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित जागरूकता रैली से हुई। रैली के माध्यम से जनता को यह संदेश दिया गया कि जल स्रोत केवल प्राकृतिक धरोहर नहीं हैं, बल्कि जीवन का आधार हैं, और उनकी स्वच्छता बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। रैली में भाग लेने वाले लोगों ने चित्रशिला घाट क्षेत्र की सफाई की और लोगों को प्लास्टिक व अन्य अपशिष्टों को निर्धारित कूड़ेदानों में

डालने और कम उपयोग, पुन: उपयोग, पुनर्चक्रण की जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को गंगा स्वच्छता शपथ दिलाई गई, जिसमें सभी ने गंगा और उसकी सहायक नदियों को स्वच्छ और अविरल बनाए रखने, जल स्रोतों में कचरा न डालने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक के रूप में आचरण करने का संकल्प लिया। यह पहल न केवल गंगा और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने का भी एक सशक्त माध्यम है।

विजेता बच्चों को दिए पुरस्कार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लायंस क्लब हल्द्वानी ग्रीन सिटी के अध्यक्ष डा. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी ने लिटिल हार्ट प्री स्कूल, आदर्श नगर मुखानी के विशाल सभागार में आयोजित एक समारोह में विजेता बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए। अपने संबा.

धन में डा. अग्रवाल ने विद्यालय की संचा. लिका अंकिता जोशी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्री स्कूल के माध्यम से बच्चे मोबाइल और टीवी की बुराइयों से दूर रहते हैं और वे व्यावहारिक रूप से खेलकूद, खिलौने, अपनी संस्कृति और कला पर अधिक ध्यान दे पाते हैं। उनका आपसी मेल-मिलाप पुराने जमाने के संस्कारों को पुनर्जीवित करने में मदद करता है। इस अवसर पर डा. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी ने लिटिल हार्ट प्री स्कूल मुखानी के नए परिसर का रिबन काटकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की प्रधानाचार्य अं. कता जोशी ने किया। इस मौके पर लिटिल हार्ट प्री स्कूल की शिक्षिकाओं ज्योति बिष्ट, प्रेरणा, कविता जोशी, रीता जोशी, राधा नेगी, स्नेहा अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, भूवन चंद तिवारी, गीता तिवारी आदि मौजूद रहे।

11 पदों पर 31 प्रत्याशी मैदान में

बार एसोसिएशन के चुनाव

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हल्द्वानी बार एसोसिएशन चुनाव में नाम वापसी के अंतिम दिन कोई भी प्रत्याशी मैदान से पीछे नहीं हटा। सोमवार को मुख्य चुनाव अधिकारी आनन्द पाण्डेय की निगरानी में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चुनाव कार्यालय खुला रहा, जहां नाम वापसी के लिए निर्धारित समय में किसी भी उम्मीदवार ने आवेदन प्रस्तुत नहीं किया। चुनाव समिति के सदस्य मनोज बिष्ट, नीरज जोशी, हिमांशु डालाकोटी, मोहित पाण्डेय, महेंद्र बुटौला, मोहित मैनाली व सुनील बुधलाकोटी सहित अन्य की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई गई। नाम वापसी न होने से अब 11 पदों पर 31 प्रत्याशी चुनाव मैदान में बने हुए हैं, जिससे मुकाबला रोचक होने की उम्मीद है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 मार्च को प्रात: 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक बार भवन जजी परिसर के प्रथम तल पर मतदान होगा। इस दौरान अध्यक्ष पद पर गोविंद सिंह बिष्ट और किशोर कुमार पंत के बीच सीधी टक्कर है, जबकि उपाध्यक्ष पद पर ललित मेर व जितेंद्र सिंह बिष्ट आमने-सामने है। सचिव पद के लिए चार उम्मीदवार सौरभ बिष्ट, मोहन सिंह बिष्ट, कुंदन सिंह बिष्ट व विनीत परिहार चुनावी मैदान में हैं। महिला उपाध्यक्ष आरक्षित पद पर बसंती बिष्ट व निशा आर्या के बीच मुकाबला होगा। संयुक्त सचिव पद पर सुधांशु तिवारी, बिपिन कुमार व दिनेश जोशी तथा संयुक्त सचिव प्रेस पद पर वानु कबड़वाल और मनीष गोयल अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। लेखाधिकारी पद के लिए गौरव बिष्ट और आरपी पाण्डेय, पुस्तकालयाध्यक्ष पद पर स्वर्णा जोशी कपिल, विनोद कुमार श्रीमाली व लोकेश राज चौधरी तथा कोषाध्यक्ष पद पर चंदन सिंह बोहरा, गौरव कपूर व हरेंद्र पडियार के बीच चुनाव होगा। सदस्य सामान्य के पद पर मयंक प्रकाश, राहुल भट्ट, राकेश कुकरेती, कैलाश चंद्र पाठक, दीपक नाथ और पूजा लटवाल मैदान में है, जबकि सदस्य महिला आरक्षित पद पर हिमानी सनवाल और सुनीता भट्ट के बीच मुकाबला तय है। चुनाव समिति ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि मतदान के समय बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड की ओर से जारी मूल पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा, अन्यथा मतदान से वंचित होना पड़ सकता है।

कैड़ा के मंत्री बनने पर बांटी मिठाई

हल्द्वानी। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच जिला नैनीताल द्वारा सोमवार को एसडीएम कोर्ट परिसर के बाहर प्रमुख राज्य आंदोलनकारी राम सिंह कैड़ा को उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर खुशी प्रकट की गई। इस अवसर पर मिठाई वितरित की गई और राज्य आंदोलनकारियों ने इस अहम सफलता का जश्न मनाया। जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों की समस्याओं का शीघ्र निवारण किया जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि राज्य आंदोलनकारियों के हितों के लिए वे लगातार प्रयासरत रहेंगे। मिष्ठान वितरण में राजेंद्र सिंह बिष्ट, कमल जोशी, जसविंदर भसीन, कमल मेहरा, बालम सिंह मेहता, केडी गुणवत्त, नोयल मैसी, हेम पाठक सहित लोग मौजूद रहे।

पत्नी के नाम लोन लेकर फरार हुआ पति गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पुलिस ने पत्नी को धोखा देकर पिछले एक साल से फरार चल रहे पति उसकी बहन व जीजा के घर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पति ने बिना पत्नी की जानकारी के उसके नाम पर 10 लाख रुपए का लोन लिया था, और जब लोन की किश्तें जमा नहीं की गईं, तो बैंक से रिकवरी के कॉल्स आने लगे। इसके बाद पत्नी को धोखाधड़ी का पता चला, और उसने आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस के अुनसार मंडी पुलिस चौकी क्षेत्र में रहने वाली यशा तेजवानी से संदीप गोयल नाम के व्यक्ति ने लव मैरिज की थी। यशा का कहना है कि वर्ष 2023 में संदीप ने उसके नाम से आगरा के कमला नगर से 10 लाख रुपए का लोन लिया था और इस बात की जानकारी उसे थी ही नहीं। लोन की किश्तें जमा नहीं हुईं और जब बैंक से रिकवरी के लिए फोन आने लगे तब पता कि संदीप ने धोखे से यशा से कई कागजों पर हस्ताक्षर कराए और लोन ले लिए। यशा ने जब इस बारे में बात की तो मामला बिगड़ गया। यह मामला लोन लेने के दो साल बाद सामने आया। जिसके बाद यशा ने हल्द्वानी कोतवाली में संदीप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। मुकदमा दर्ज कराते ही आरोपी संदीप फरार हो गया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मंडी चौकी पुलिस ने आरोपी को भोलानाथ गार्डेन में रहने वाले उसकी बहन व जीजा के घर से गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जनता के संसाधनों पर कारपोरेट लूट बंद हो

भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव का शहीदी दिवस मनाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला कमेटी द्वारा शहीदे आज़म भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस पर क्रांतिकारियों को याद करते हुए साम्राज्यवाद विरोधी, युद्ध विरोधी दिवस के रूप में मनाया गया। वक्ताओं ने कहा कि, 1931 में 23 मार्च के दिन इन महान क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका बलिदान केवल राजनीतिक आज़ादी के लिए नहीं, बल्कि एक न्यायपूर्ण, शोषणमुक्त और समानतामूलक समाज के निर्माण के लिए था। भाकपा माले नैनीताल जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि शहीदे आज़म भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध लड़ते हुए देश के युवाओं को वैचारिक दिशा देने का काम किया। आज जब में अमेरिका के नेतृत्व में साम्राज्यवादी ताकतें पूरी दुनिया में युद्ध, सैन्य हस्तक्षेप और आर्थिक लूट के माध्यम से अपना वर्चस्व स्थापित करने में लगी हैं, तब भगत सिंह और उनके साथियों की विरासत और भी प्रासंगिक हो जाती है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते युद्धों, हथियारों की होड़ और संसाधनों पर कब्जे की लड़ाई ने आम जनता के जीवन को असुरक्षित बना दिया है। हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं: हमें साम्राज्यवादी युद्ध नहीं चाहिए, जनता के संसाधनों पर कारपोरेट लूट बंद हो। आज के समय में फासीवाद और युद्धोन्माद के खिलाफ जनसंघर्ष को तेज करना ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। किसान महासभा बागजाला की अध्यक्ष डा. उर्मिला रैस्वाल ने कहा कि आज हमारे देश के अंदर जनविरोधी नीतियों, दमनकारी कानूनों और लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमलों के जरिए जनता की आवाज़ को दबाने की कोशिश की जा रही है। यह वही रास्ता है जो अंतत: समाज को विभाजन, हिंसा और युद्ध की ओर धकेलता है। इसलिये क्रांतिकारियों की परम्परा को आगे बढ़ाने की जरूरत है। किसान महासभा सचिव वेदप्रकाश ने कहा कि भगत सिंह और साथियों ने अपने लेखों और विचारों में स्पष्ट किया था कि असली आज़ादी तभी संभव है जब शोषण और अन्याय की हर व्यवस्था का अंत हो। इस अवसर पर सभी लोकतांत्रिक और प्रगतिशील शक्तियों, युवाओं, मजदूरों, किसानों, छात्रों और बुद्धिजीवियों से आह्वान किया गया कि 23 मार्च-31 मार्च तक साम्राज्यवाद विरोधी युद्ध विरोधी सप्ताह में जगह-जगह आयोजित सभाओं, गोष्ठियां और विरोध प्रदर्शनों में शामिल हों। कार्यक्रम में शांति, न्याय और बराबरी के पक्ष में आवाज़ बुलंद करने और शहीदों का सपना एक न्यायपूर्ण और शोषणमुक्त समाज बनाने के संघर्ष को तेज करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में डा. कैलाश पाण्डेय, डा. उर्मिला रैस्वाल, वेद प्रकाश, विमला देवी, हेमा आर्य, दीवान सिंह बर्गली, पंकज चौहान, हरक सिंह बिष्ट, जीवंती, हरि गिरी, भगवती गोस्वामी, वासुदेव, दीपा, विमला, सरिता, नीमा, पुष्पा, पूजा आर्य, प्रतिमा, पार्वती, शोभा, हेमा देवी, हीरा देवी, नसीम अहमद, दिनेश चंद्र, रामलाल, लीला आदि शामिल रहे।

आक्रोश: लोगों ने घेरी गैस एजेंसी

सिलिंडर न मिलने पर तल्ली हल्द्वानी वासियों ने दी चेतावनी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गैस किल्लत को लेकर हो रही दिक्कत को लेकर तल्ली हल्द्वानी के लोगों ने स्थानीय पार्षद मनोज जोशी के नेतृत्व में सोमवार को गैस एजेंसी का घेराव किया। उन्होंने चेताया अगर बुधवार तक गैस आपूर्ति नहीं हुई तो क्षेत्रवासी गैस एजेंसी का घेराव करने को मजबूर होगे। इस दौरान पार्षद मनोज जोशी ने कहा कि पिछले काफी समय से केदारपुरम, केसवपुरम, बिहारी कॉलोनी, वशुधरा कॉलोनी, मयूर विहार, स्पेरो कॉलोनी, मोरारजी नगर, शक्ति विहार, मोटाहल्दू, सुयाल कॉलोनी सहित कई क्षेत्रों में गैस की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा गैस के लिए क्षेत्र की जनता इधर-उधर भटकर रही है। और अन्य क्षेत्रों के लोग शामिल थे। पार्षद

मनोज जोशी ने एजेंसी से कहा कि अगर गैस आपूर्ति नहीं हो पा रही है, तो उन्हें लिखित में सूचित करना चाहिए, ताकि जनता को गुमराह न किया जाए। उन्होंने चेताया अगर बुधवार तक क्षेत्र की जनता को गैस आपूर्ति नहीं हुई तो क्षेत्र के लोग गैस एजेंसी में घेराव करने को मजबूर होगे। इधर गैस एजेंसी मालिक ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही क्षेत्र में गैस आपूर्ति शुरू कर दी जायेगी। घेराव करने वालो में पार्षद मनोज जोशी, हेम तिवाड़ी, नवांबल्लभ तिवारी, प्रेमा मेहता, नीलम गुप्ता, ललित नेगी, प्रभा, खुशबू सहित कई लोग मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

शारदा घाट पर बड़ा हादसा टला

■ जल पुलिस की मुस्तैदी से बची चार लोगों की जान

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। शारदा घाट पर स्नान के दौरान एक बड़ा हादसा टल गया, जब जल पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से अलग-अलग समय पर नदी में डूब रहे चार लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9:30 बजे गोंडा सिटी निवासी 14 वर्षीय देवांश श्रीवास्तव (पुत्र बसंत श्रीवास्तव) और 29 वर्षीय प्रमोद कुमार (पुत्र उदयमान) शारदा नदी में स्नान के दौरान अचानक गहरे पानी में चले गए। मौके पर तैनात जल पुलिस टीम ने बिना देर किए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके कुछ ही मिनट बाद, करीब 9:40 बजे बरेली जिले के सेंधा गांव निवासी 13 वर्षीय बृजेश मौर्य (पुत्र भानु प्रताप मौर्य) भी नदी में डूबने लगा, जिसे टीम ने तत्परता दिखाते हुए रेस्क्यू कर लिया।

वहीं, तीसरी घटना में करीब 10:35 बजे बरेली के ओल्ड सिटी निवासी 17 वर्षीय लक्ष्य गुप्ता (पुत्र सुनील गुप्ता) को भी कुशलतापूर्वक बचाया गया। लगातार हो रही इन घटनाओं के बीच जल पुलिस की सक्रियता और सूझबूझ से चारों लोगों की जान बच सकी। इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन में जल पुलिस के रविंद्र कुमार पहलवान, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार और कांस्टेबल अमित कुमार की अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने अपील करते हुए कहा कि शारदा घाट पर स्नान करते समय लोग विशेष सावधानी बरतें। गहरे पानी में जाने से बचें और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि जल पुलिस की टीमें लगातार तैनात हैं, लेकिन अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

नामुमकिन काम को भी सरकार ने किया मुमकिन: धामी

मेडिकल कॉलेज परिसर में सरकार के चार साल बेमिसाल कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम का क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा, महापौर विकास शर्मा, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया। कार्यक्रम को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सरकार के चार वर्ष पूरा होने पर परेड ग्राउंड देहरादून से आयोजित 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाओं देने के साथ अपनी बात रखते हुए कहा कि आज से चार वर्ष पूर्व प्रदेश की जनता ने सभी मिथकों तोड़कर, उन्हें पुन: राज्य की सेवा का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा हमने राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुसार देवभूमि के गौरव को पुनर्स्थापित करने का संकल्प लिया था। अब चार साल के बाद वो गर्व से कह सकते हैं कि वो संकल्प तेजी से सिद्धि की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में बाबा केदारनाथ की दिव्य धरा से कहा था कि "21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। इसलिए प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री के मुख से निकले इन शिवोमयी शब्दों को चरितार्थ करने के संकल्प को लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते चार वर्षों में जहां सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत कर नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयास किया है, वहीं विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के समग्र विकास का विजन प्रस्तुत किया है। इन्हीं प्रयासों से बीते चार वर्षों में राज्य ऐसी कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का साक्षी बना हैं जो किसी भी छोटे राज्य के लिए असंभव समझी जाती थीं।

शिविर में जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर लोगों को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी गई व पात्र लोगों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि कपिल शर्मा, प्रतिनिधि प्रभारी मंत्री जितेन्द्र गौतम, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, पीडी हिमांशु जोशी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. केके अग्रवाल, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डा. उषा रावत, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, उप जिलाधिकारी गौरव पाण्डेय, महाप्रबंधक उद्योग विपिन कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी जानकी कार्की, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरूद्ध, जिला प्रोवेशन अधिकारी व्योमा जैन, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नंदनी तोमर, जिला कार्यक्रम अधिकारी मुकुल चौधरी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. आशुतोष जोशी, मुख्य उद्यान अधिकारी एसके शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी व बड़ी संख्या में जनता मौजूद थी।

एक नजर

स्मैक के साथ युवक को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधम सिंह नगर के द्वारा चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक, नगर रुद्रपुर एवं क्षेत्राधिकार खटीमा के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली खटीमा के दिशा निर्देशन में सुजिया महोलिया गांव में कूड़ा घर के पास से अभियुक्त इमरान पुत्र मुन्ने शाह निवासी रजा मस्जिद के पास वार्ड नम्बर-3 इस्लामनगर थाना खटीमा जिला ऊधमसिंहनगर को 2.73 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त इमरान के विरुद्ध थाना खटीमा में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है, जिसे न्यायालय में समय से पेश किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक किशोर पंत , उप निरीक्षक भूपेंद्र सिंह आदि थे।

क्रॉस कंट्री दौड़ में पुष्कर और अजरा भागे सबसे तेज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला खेल विभाग द्वारा प्रात: जनपद स्तरीय ओपन बालक/बालिका क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय विधायक शिव अरोड़ा ने मनोज सरकार स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर क्रॉस कंट्री रेस का शुभारंभ किया गया एवं सभी खिलाड़ियों को नशा मुक्ति का संदेश भी दिया।

मेडिकल कॉलेज में आयोजित सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में क्रॉस कंट्री रेस बालक वर्ग में पुष्कर चन्द्र प्रथम, सो.लित कुमार द्वितीय, सुरेन्द्र सिंह तृतीय, दीपक कुमार चतुर्थ, अमित कुमार पंचम व राजेश छठवें स्थान पर रहे। इसी तरह बालिका वर्ग में अजरा प्रथम, गुन्जन द्वितीय, नीलम राठौर तृतीय, अंशीका चतुर्थ, गायत्री पाल पंचम व रितिका विश्वास छठवें स्थान पर रही। सभी विजेताओं को अतिथियों द्वारा ट्रेकसूट देकर पुरस्कृत किया व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

भव्य महानाम संकीर्तन में ठुकराल ने लिया आशीर्वाद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। पिपलिया नंबर-2 क्षेत्र में धार्मिक आस्था और श्रद्धा के साथ भव्य एवं दिव्य महा नाम संकीर्तन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति रस का आनंद लिया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राज. कुमार ठुकराल भी शामिल हुए। उन्होंने महा नाम संकीर्तन में भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया और भंडारे की सेवा में भी योगदान दिया। इसके साथ ही उन्होंने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण कर आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में उनके साथ जिला पंचायत सदस्य वरीराई से कोरंगा, खटोला से जिला पंचायत सदस्य तेज प्रताप सिंह, जिला पंचायत सदस्य पति सुखदेव हालदार तथा वरीराई क्षेत्र पंचायत सदस्य मनु चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। आयोजन के दौरान आनंद शर्मा, केरु मंडल सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग और श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में "राधे-राधे" के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजकों ने सभी धर्म प्रेमियों को महा नाम संकीर्तन की शुभकामनाएं देते हुए ऐसे आयोजनों को समाज में एकता और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक बताया।

तमंचों व कारतूस के साथ दो लोगों को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता। अवैध हथियारों एव संदिग्धो के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत पुलिस ने दो लोगों को अवैध हथियारों का कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। सोमवार को पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के निर्देशन में अवैध शस्त्रों की बरामदगी एव संदिग्धो के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक को मंजू पांडे के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने दो अलग-अलग टीमों द्वारा कार्यवाही करते हुए एक व्यक्ति को चौकी प्रतापपुर क्षेत्र से तथा दूसरे व्यक्ति को सिसईखेड़ा क्षेत्र से दो अवैध तमंचों व एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना नाम अंकित रस्तोगी पुत्र धर्मवीर रस्तोगी निवासी वार्ड नंबर 6 दहला रोड नानकमत्ता व गोविंद राम दिवाकर पुत्र बिहारी लाल निवासी ग्राम चिकाघाट सितारगंज बताया है। पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा -3/25 शस्त्र अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर दोनों का चलन कार्यालय के समक्ष पेश किया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रतापपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक राजेंद्र पंत , उप निरीक्षक मनोज जोशी, मुख्य आरक्षी जगदीश पुजारी, मुख्य आरक्षी नवनीत कुमार, आरक्षी नवीन जोशी, राजकुंवर बोरा, शुभम सैनी शामिल हैं।

किसानों ने मनाया साम्राज्य विरोधी दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की प्रतिमा के समक्ष साम्राज्यवाद के विरोध में सांकेतिक प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित किसानों एवं नेताओं ने सोमवार को भगत सिंह को माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और भगत सिंह सुखदेव राजगुरु के बलिदान को याद किया। संयुक्त किसान मोर्चा के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के प्रदेश अध्यक्ष बल्ली सिंह चीमा तथा भूमि बचाओ मुहिम के संयोजक जगतार सिंह बाजवा के संयुक्त नेतृत्व में सहित उपस्थित किसानों ने साम्राज्यवाद और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। वक्ताओं ने कहा कि शहीद भगत सिंह के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और किसानों-मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम में महेंद्र सिंह रंधावा, लखविंदर सिंह, पूरन सिंह, शेर सिंह,सतनाम सिंह, सुबैग सिंह, जगतार सिंह, जगदीप सिंह, दर्शन लाल गोयल, सुखविंदर सिंह ,मलकीत सिंह , सौरव परमार, राजकिशोर सिंह आदि थे।

वैध तमंचा व कारतूस के साथ शातिर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध असलाह और संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली बाजपुर पुलिस ने एक आरोपी को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक काशीपुर एवं क्षेत्राधिकारी बाजपुर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बाजपुर के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान 22 मार्च 2026 को बरहैनी क्षेत्र में भटपुरी गांव से पहाड़पुर जाने वाले मार्ग पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गुरबाज सिंह (27 वर्ष) पुत्र जसविंदर सिंह निवासी ग्राम भटपुरी, चौकी बरहैनी, थाना बाजपुर, जनपद ऊधम सिंह नगर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा .315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक संदीप शर्मा, हेड कांस्टेबल प्रहलाद सिंह और कांस्टेबल पवन कुमार शामिल रहे।

जीजीआईसी के प्रशासनिक अधिकारी नितिन का निधन

शाह टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर पट्टी। जीजीआई सी के प्रशासनिक अधिकारी नितिन टंडन पुत्र वीरेंद्र कुमार टंडन की हृदय गति रुकने से मौत ।

आपको बताते चले कि नितिन टंडन करीब 8 माह पहले ही जीजी आई सी सुल्तानपुर पट्टी में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर आए थे जो कि मूल रूप से मौहल्ला पंजाबी खटीमा के रहने वाले थे।नितिन टंडन ने स्वतंत्रता दिवस पर विधालय में बहुत समय के बाद एक कार्यक्रम आयोजित किया था। जिसने कई जनप्रतिनिधियों ने भी प्रतिभाग किया था। अचानक नितिन टंडन की ऐसी सूचना मिलने पर शोक की लहर दौड़ गई ,सोमवार को नितिन टंडन समयानुसार विद्यालय में पहुंचे थे। जिनका अचानक ऐसा होना किसी के भी गले नहीं उतर पा रहा है।जैसे ही नितिन टंडन के आकस्मिक निधन की सूचना उनके परिवार को लगी वैसे ही परिवार के लोग विधालय पहुंच गए। जहां उन्होंने उनके पार्थिव शरीर को लेकर खटीमा चले गए ।

खटीमा। राज्य आंदोलनकारी सुल्तानपुर पट्टी शिक्षा विभाग में लिपिक पद पर तैनात नितिन कुमार टंडन उर्फ चिंटू भैया का आज हृदय गति रुकने से निधन हो गया जिनक अंतिम संस्कार आज मुक्ति धाम में सम्पन्न हुआ, नितिन टंडन के बड़े पुत्र ईशान टंडन ने उनको मुखाग्नि दी, अंतिम संस्कार में क्षेत्रीय विधायक भुवन कापड़ी नगर पालि.का अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, नीरज सक्सेना मनोज वाधवा गणेश ठुकराती विजय गुप्ता अमन अरोरा रवीश भटनागर राजकिशोर सक्सेना सतीश गोयल संतोष अग्रवाल सुमित गुंबर सुरेश पावर मनोज कन्याल प्रतिमान कन्याल सतपाल बत्रा नवनीत अरोरा महेंद्र ठाकुर जे पी सिंह बबलू गुप्ता विनोद भारती शामिल हुए।

शिव मंदिर की जमीन कब्जाने को लेकर बबाल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर । ट्रांजिट कैम्प स्थित शिव मंदिर की जमीन को लेकर दो पक्षों में जमकर बबाल हो गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने दोनों पक्षों से मामले की जानकारी लेकर उन्हें शांत किया।

बताया जाता है कि ट्रांजिट कैम्प रोड़ पर झील मोड़ के आगे स्थित श्री शिव मंदिर की जमीन पर एक अन्य मंदिर कर निर्माण किया जा रहा है। इसकी जानकारी मिलने पर क्षेत्र के कई लोग मौके पर आ पहुंचे और उन्होंने हो रहे निर्माण कार्य का यह कहकर विरोध करना शुरू कर दिया कि निर्माण के नाम पर मंदिर की भूमि पर कब्जा नहीं होने दिया जायेगा।

उनका कहना था कि इस भूमि पर भविष्य में धर्मशाला का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस दौरान मंदिर निर्माण का कार्य करवा रहे व्यक्तियों ने विरोध होते देख काम रूकवा दिया। जिसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को चेता.वनी देते हुए कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था को भंग नहीं होने दिया जाएगा। जो भी व्यक्ति इसमें बाधा पहुंचाएगा उसके विरूद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बाराही धाम में गूंजा स्वागत का स्वर

■ भुवन कापड़ी के सामने रखी गई विकास की बड़ी मांगें

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। बाराही धाम देवीधुरा में आज राजनीतिक आस्था और जनभावनाओं का अनोखा संगम देखने को मिला, जब उत्तराखंड विधानसभा में प्रतिपक्ष के उप नेता भुवन कापड़ी अपने परिवार सहित मां बज्र बाराही के दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी और भावपूर्ण स्वागत कर क्षेत्र की समस्याओं और विकास से जुड़ी उम्मीदों को खुलकर सामने रखा।

मां बज्र बाराही मंदिर में आचार्य भुवन शास्त्री द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। इस दौरान भुवन कापड़ी ने प्रदेशवासियों की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए मां का आशीर्वाद लिया। धार्मिक आस्था के इस माहौल में स्थानीय जनता ने भी अपने क्षेत्र के विकास का मुद्दा मजबूती से उठाया। कापड़ी के बाराही धाम पहुंचने पर बीडीसी सदस्य प्रकाश मेहरा, राकेश बिष्ट, विक्रम बिष्ट, ईश्वर बिष्ट, गोकुल कोहली, जगदीश जोशी, हरीश राम, नरेंद्र बिष्ट, कविराज मौनी, भुवन जोशी समेत कई स्थानीय लोगों ने पारंपरिक अंदाज में उनका स्वागत किया। इस अवसर पर आचार्य कृति बल्लभ जोशी के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने भुवन कापड़ी को ज्ञापन सौंपते हुए क्षेत्र के विकास के लिए कई अहम मांगें रखीं।

प्रमुख मांगों में बाराही धाम में राजकीय पॉलिटेक्निक की स्थापना, उप तहसील की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ संस्कृत महाविद्यालय से वालीक तक लगभग तीन किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण की मांग शामिल रही। जनता की भावनाओं को गंभीरता से लेते हुए भुवन कापड़ी ने भरोसा दिलाया कि वे इन सभी मांगों को राज्य सरकार के समक्ष मजबूती से रखेंगे और क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

डॉ. राममनोहर लोहिया जयंती पर श्रद्धांजलि सभा

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय, बाजपुर में सोमवार को महान स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रखर समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय महासचिव अरविंद यादव ने कहा कि डॉ. लोहिया केवल एक राजने.ता ही नहीं, बल्कि एक युगद्रष्टा थे। उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया को भारतीय समाजवाद का जनक माना जाता है, जिनका उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को समानता का अधिकार दिलाना और जाति-पाति व ऊंच-नीच के भेदभाव को समाप्त करना था। इस दौरान शहीदी दिवस के अवसर पर देश के अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को भी याद इस अवसर पर अमित कुमार, अरविंद, दिवाकर, उज्ज्वल सिंह, मो. आजम, रहीस लाला, नितिन दिवाकर, शीशपाल यादव, दीपक कुमार, दबीर राज, विनोद कुमार, संजय रुहेला, अफरोज सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अनावरण से पूर्व कांग्रेस नेता ने किया शहीद भगत सिंह का अपमान

■ विधायक का चढ़ा पारा, बोले होंगी सख्त कार्यवाही

■ प्रतिमा को प्रशासन के अधिकारियों की मौजदगी में फिर से ढांका

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। शहीद भगत सिंह चौक स्थित शहीद भगत सिंह शहादत दिवस पर कांग्रेस पार्टी के नेता ने ओछी मानसिकता का परिचय दिया। विधायक शिव अरोरा ने कहा जब शहीद भगत सिंह संस्था व गुरुद्वारा सिंह सभा व सभी संगठन ने तय कर 13 अप्रैल बेसाखी पर्व पर शहीद भगत सिंह का भव्य कार्यक्रम के माध्यम से अनावरण कार्यक्रम रखा गया था जिसको कार्यदायी संस्था लघु सिंचाई विभाग द्वारा करवाया जाना था। वहीं जिस प्रकार आज अराजकतापूर्ण कार्य कांग्रेस पार्टी के नेता मोहन खेड़ा द्वारा किया गया वह शहीद भगत सिंह का अपमान है जिसको करोड़ों भगत सिंह के अनुयायी कभी बर्दास्त नहीं करेंगे।

विधायक बोले तय अनावरण कार्यक्रम से पूर्व कांग्रेस नेता द्वारा उनकी प्रतिमा से कपड़ा हटाकर उनकी मूर्ति पर माला डाली गई है एक शहीद का अपमान है सरक.ारी कार्य में बाधा है ऐसी अराजकता के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही कर मुकदमा दर्ज होना चाहिए। विधायक ने मौके पर दूरभाष के माध्यम से मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शसानी से वार्ता कर इस घटनक्रम की जानकारी दी और विभाग की ओर से मुक.दमा दर्ज करवा कर इस अपमान के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए। वहीं विधायक के सख्त एक्शन के बाद ओसी गौरव पाण्डेय, लघु सिंचाई विभाग व कोतवाली से एसएसई अनिल जोशी मौके पर पहुंचे तो प्रशासन की मौजूदगी में विधायक के नेतृत्व भगत सिंह संस्था, समाजसेवी लोगों द्वारा गंगाजल से मूर्ति को धोते हुए पुन: कपड़ा बांधकर मूर्ति को ढकने का कार्य किया।

शहादत दिवस पर दी शहीदों को दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर में भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहादत दिवस पर युद्ध विरोधी आम सभा का आयोजन किया गया। संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले शहीद पार्क में उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के प्रधान महासचिव प्रभात ध्यानी की अध्यक्षता एवं सामाजिक कार्यकर्ता कैसर राणा के संचालन में आयोजित इस सभा में अमेरिका-इसराइल गठजोड़ द्वारा ईरान पर थोपे गये इस युद्ध की कड़ी निंदा की गई।

सभा में वक्ताओं ने कहा कि शहीद भगतसिंह ने कहा था कि ष्साम्राज्यवाद एक डाकेजनी की व्यवस्था हैष। उनके शब्द आज उनकी शहादत के इतने साल बाद भी खुद को शब्दश: चरितार्थ कर रहे हैं। इस साल की शुरुआत में अमेरिका द्वारा तेल-गैस संसाधनों पर कब्जे के लिये पहले वैनेजयूला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति निक.ोलस मादुरो और उनकी पत्नी का अपहरण कर लिया गया और अब अमेरिका और इसराइल द्वारा ईरान पर हमला बोल दिया गया। ईरान के रिहाईशी इलाकों, स्कूलों-अस्पतालों सभी जगहों पर बम बरसाये जा रहे है।जिसमें स्कूली बच्चियों समेत करीब दो हजार निर्दोष लोग मारे जा चुके हैं। पछास से जुड़े भुवन एवं राज ने मेरा रंग दे बसंती चोला गीत गाते हुए भगत सिंह राजगुरु सुखदेव क्रांतिकारियों को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी।

वक्ताओं ने कहा कि आज पूरी दुनिया की जनता ईरान की जनता के साथ खड़ी है और हर जगह अमे.रिका-इसराइल का विरोध हो रहा है। लेकिन मोदी सरकार अमे.रिका-इसराइल के खिलाफ एक शब्द भी बोलने को तैयार नहीं है। पूरी दुनिया में तेल-गैस की किल्लत के कारण कीमतों में भारी वृद्धि हो रही है। भारत में भी लोग गैस के लिये लाइनों में लगे हुए हैं। होटल-रेस्टोरेंट, ढाबे और अन्य बहुत से उद्योग बंद हो रहे हैं जिस कारण मजदूर पलायन को विवश हो रहे हैं। इस सबके लिये अमेरिकी साम्राज्यवाद की वर्चस्वकारी महत्वाकांक्षायें जिम्मेदार हैं। सभा में प्रभात ध्यानी, रोहित रुहेला, गिरीश चंद्र, तुलसी छिंवाल, मुनीष कुमार, सुमित कुमार, लालमणि, संजय रिखाडी , जगमोहन रावत आदि ने सम्बोधित किया।

मूल्यांकन से पूर्व गोष्ठी का किया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् रामनगर में डा. मुकुल कुमार सती सभापति, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद की अध्यक्षता में मूल्यांकन से पूर्व एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

बोर्ड सचिव विनोद प्रसाद ने बताया कि प्रदेश भर में लिखित उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए 29 मूल्यांकन केन्द्र बनाये गये हैं। लिखित उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य 27 मार्च से 10 अप्रैल के बीच किया जायेगा। लिखित उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य के लिए हाईस्कूल में 1457 परीक्षक, 160 उप प्रधान परीक्षक, 320 अंकेक्षकों की नियुक्ति की गई है।इण्टरमीडिएट में 1298 परीक्षक, 143 उप प्रधान परीक्षक, 284 अंकेक्षकों की नियुक्ति की गयी है। बोर्ड सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी द्वारा बैठक के उद्देश्य एवं मुख्य नियंत्रक के कर्तव्य एवं दायित्व, संयुक्त सचिव सीपी रतूड़ी द्वारा उप नियंत्रक एवं परीक्षकों उप प्रधान परीक्षकों के मूल्यांकन सम्बन्धी कर्तव्य एवं दायित्व, उप सचिव सुषमा गौरव द्वारा पर्यवेक्षक और अंकेक्षकों के मूल्यांकन सम्बन्धी कर्त्तव्य एवं दायित्व, शोध अधिकारी शैलेन्द्र जोशी एवं डा. नन्दन सिंह विष्ट द्वारा अंक योजना आधारित चरणबद्ध मूल्यांकन, अंकों की अंकना एवं डाटा पंचिंग और मूल्यांकन त्रुटियों एवं निराकरण सम्बन्धी निर्देश पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। बैठक में गजेन्द्र सिंह सौन, मुख्य शिक्षा अधिकारी उत्तरकाशी, चमोली, दरबान सिंह रौतेला, इन्दु प्रकाश नेगी, राजीव रावत, गंगा प्रसाद उनियाल आदि मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी सेंट पीटर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल किशनपुर किच्छा की सीबीएसई बोर्ड वर्ष 2021 की इंटरमीडिएट की मार्कशीट अनुक्रमांक संख्या 25640954 वास्तव में खो गई है काफी खोजने के बाद भी नहीं मिली है।

खुशी पुत्री वीरेंद्र कुमार
ग्राम पंतपुरा, किच्छा
ऊधम सिंह नगर (उत्तराखंड)

संबन्ध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि मेरी पुत्री खुशबू पासवान मेरा कहना नहीं मानती है, गलत संगत में पड़ गई है, बिना बताए घर से गायब रहती है, मेरी पुत्री की गलत हरकतों से परेशान होकर मैंने अपनी पुत्री खुशबू से अपने सभी रिश्तेनाते समाप्त कर हर प्रकार की चल-अचल सम्पत्ति बेदखल कर दिया है, अब मेरी पुत्री खुशबू अपने सभी अच्छे बूरे व्यवहारों, लेन-देनों के लिए स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरी पुत्री के विवाह से भी मेरा कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सिकन्दर पुत्र श्री नन्द लाल पासवान
निवासी-मटकोटा रोड, भूरारानी,
रुद्रपुर, जिला उधम सिंह नगर

बुक किए सिलेंडर की हो गई 'फर्जी डिलीवरी'

- गैस एजेंसी पर हुआ बवाल, पहुंची पुलिस

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। काशीपुर बाईपास रोड स्थित इंडेन गैस एजेंसी में सोमवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब दर्जनों उपभोक्ताओं को पता चला कि उनके द्वारा बुक किए गए गैस सिलेंडर एजेंसी के रिकॉर्ड में पहले ही डिलीवर दिखाए जा चुके हैं, जबकि उन्हें सिलेंडर मिला ही नहीं था। इस गड़बड़ी से आक्रोशित उपभोक्ताओं ने एजेंसी परिसर में जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार, तड़के करीब 3 बजे से ही उपभोक्ता एजेंसी के बाहर लाइन में लगना शुरू हो गए थे। घंटों इंतजार के बाद जब उनकी बारी आई तो कई लोगों को कर्मचारियों ने यह कहकर लौटा दिया कि उनके सिलेंडर की डिलीवरी पहले ही हो चुकी है। यह सुनकर उपभोक्ता हैरान और परेशान हो गए। मामले की सूचना मिलने पर प्रखर वक्ता एवं समाजसेवी सुशील गाबा मौके पर पहुंचे और उपभोक्ताओं के साथ मिलकर एजेंसी प्रबंधन के खिलाफ जोरदार विरोध जताया। उन्होंने प्रबंधन से इस गंभीर लाप. रवाही पर जवाब मांगा, लेकिन एजेंसी के पास कोई संतोषजनक उत्तर नहीं था। आक्रोश बढ़ता देख अंततः प्रबंधन ने सभी प्रभावित उपभोक्ताओं को सिलेंडर देने पर सहमति जताई और वितरण शुरू किया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका कि उपभोक्ताओं के नाम पर दर्ज सिलेंडर आखिर किस कर्मचारी द्वारा और किसे वितरित किए गए। इस मामले में जिम्मेदारी तय नहीं हो पाई है। संजयनगर निवासी लिपिका पत्नी स्व. प्रदीप ने बताया कि वह सुबह 4 बजे से लाइन में लगी थीं, लेकिन कर्मचारियों ने यह कहकर सिलेंडर देने से मना कर दिया कि उनके नाम पर पहले ही डिलीवरी हो चुकी है। ट्रांजिट कैंप निवासी विजय सारस्वत पुत्र जमना प्रसाद के मोबाइल पर गैस डिलीवरी का मैसेज आया, जबकि उन्हें सिलेंडर प्राप्त नहीं हुआ था। परेशान होकर वह अवकाश लेकर एजेंसी पहुंचे। पहले उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई, लेकिन बाद में सुशील गाबा के हस्तक्षेप के बाद उन्हें सिलेंडर देने की बात मानी गई।

शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने आज शहीद दिवस के दिन शहीद भगत सिंह शाहिद सुखदेव शहीद राजगुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

टनकपुर रोड स्थित निजी कार्यालय मे पंजाबी महासभा के कार्यकर्ताओं ने शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण किया पुष्प गुच्छ अर्पित कर याद किया, पंजाबी महासभा के कार्यकर्ताओं ने शहीदों की शहादत को याद कर आने वाली युवा पीढ़ी से उनके जीवन चरित्र से प्रेरणा लेने, एवं शहीदों के विचारों को जन जन तक पहुंचने का प्रण लिया। इस अवसर पर सभी को संबोधित करते हुए पंजाबी महासभा के वरिष्ठ सदस्य संतोष मल्होत्रा ने कहा कि महान क्रांतिकारी भगत सिंहा एवं उनके साथियों ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के सूत्रधार जनरल सैंडर्स जिसने निर्दोष हजारों मासूमों पर गोलियां चलाकर हत्या की थी। ऐसे अंग्रेज सरकार के जनरल को मौत के घाट उतारकर जलियांवाला बाग में शहीद हिन्दुस्तानियों का बदला लिया। इंकलाब जिंदाबाद के नारे को बुलंद करते हुए आजादी के दीवाने शहीदों को 23 मार्च 1931 के दिन लाहौर जेल में फांसी पर लटका दिया गया था। पूरा देश आज के दिन भारत माता की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारी शहीदों को याद कर रहा है। संचालन करते हुए पंजाबी महासभा के सचिव हरीश बत्रा ने कहा कि उत्तरांचल पंजाबी महासभा खटीमा शहीद दिवस पर आज देश के वीर सपूतों को श्रद्धासुमन अर्पित करती है। इस अवसर पर मनोज बाधवा, बाबूराम अरोरा, विजय अरोड़ा, संतोष मल्होत्रा, ललित मोहन मारवाह, जानू अरोरा, जितिन ग्रोवर, हर्ष बत्रा, जतिन बत्रा, राहुल अरोरा, मो. हित बत्रा, सुधीर बत्रा, सचिन विज आदि उपस्थित थे।

एक नजर...

झारखंड लोक सेवा आयोग परीक्षा में टॉप कर विजया बनीं खाद्य सुरक्षा अधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। नगर के प्रतिष्ठित शिक्षक अनिल परमार एवं शिक्षिका सुनीता परमार के लिए उस समय गर्व का क्षण रहा, जब उनकी पुत्री विजया ने झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) परीक्षा में टॉप कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर चयन प्राप्त किया। इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

इस अवसर पर करणी सेना बाजपुर नगर की टीम ने विजया के निवास पर पहुंचकर उन्हें बधाई दी और बाबा केदार का चित्र भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में भगवन्त सिंह मियान, लाल सिंह शाह, महिपाल सिंह चौहान, रवि चौहान, राजेंद्र राणा, दलजीत सिंह राणा, प्रभात चौहान, उदय सिसोदिया, बिट्टू चौहान, बिट्टू सिंह डब, लोकेंद्र गहलोत, सतेंदर चौहान सहित अन्य लोगों ने भी विजया को शुभकामनाएं दीं।

भाजपा जिलाध्यक्ष की माता के आकस्मिक निधन पर जताया शोक

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। भारतीय जनता पार्टी काशीपुर के यशस्वी जिला अध्यक्ष मनोज पाल जी की पूज्य माताजी आज आकस्मिक निधन हो गया है यह समाचार सुन क्षेत्र में शोक की लहर फेल गई।

प्राप्त जानकारी अनुसार नगर पंचायत महुआ डाबरा निवासी वर्तमान में काशीपुर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोजपाल की माता श्रीमती लीलावती (उम्र 71 वर्ष) का हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्य कर्ताओं,जनप्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों,ग्राम प्रधानों,व्यापारियों, क्षेत्रीय नागरिकों ने उनके निवास पर पहुंचकर दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना कर उनके निधन पर शोक जताया।

भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने सीओ से की मुलाकात

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने प्रशांत कुमार के नेतृत्व में सोमवार को क्षेत्राधिकारी (सीओ) विभव सैनी से मुलाकात कर कथित मारपीट, जातिसूचक टिप्पणी और धमकी के मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

जातिसू. चक टिप्पणी व धमकी के मामले में कार्रवाई की मांग

बाजपुर के वार्ड नंबर 1, मजरा प्रभु निवासी सानू सागर ने शिकायत में बताया कि 14 मार्च 2026 की शाम करीब 7 बजे एक विवाद के दौरान कुछ लोगों द्वारा न केवल मारपीट की गई, बल्कि जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित भी किया गया। आरोप है कि विरोध करने पर उसे धमकियां भी दी गईं। पीड़ित पक्ष का कहना है कि घटना की सूचना पूर्व में पुलिस को दी गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। साथ ही आरोपियों द्वारा शिकायत वापस लेने का दबाव बनाते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी जा रही है। भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने इस मामले को गंभीर बताते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सीओ विभव सैनी ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान संगठन के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे और पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग दोहराई।

ट्रिनिटी स्कूल कक्षा 10 के छात्र अमीम हुसैन का अनोखा आविष्कार

- गैस संकट का दे सकता है सस्ता विकल्प
- तीन प्रकार के ईंधन से चलने वाली भट्टी की तैयार
- एक लीटर में 4 घंटे तक कार्य करने का दावा

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। मनिहार गोठ निवासी कक्षा 10 के छात्र अमीम हुसैन ने अपनी प्रतिभा और नवाचार सोच से एक ऐसा मॉडल तैयार किया है, जो वर्तमान समय में देशभर में महसूस की जा रही गैस की किल्लत के बीच एक उपयोगी विकल्प साबित हो सकता है। कम उम्र में ही अमीन ने एक "भट्टीनुमा" प्रोडक्ट तैयार कर सबको चौंका दिया है।

अमीम हुसैन द्वारा तैयार की गई यह भट्टी खास बात यह है कि यह एक नहीं बल्कि तीन प्रकार के ईंधन-डीजल, केरोसिन तथा वाहनों में उपयोग के बाद निकलने वाले खराब तेलख़से संचालित हो सकती है। छात्र का दावा है कि मात्र 1 लीटर ईंधन में यह भट्टी लगभग 4 घंटे तक लगातार कार्य कर सकती है, जो इसे किफायती और उपयोगी बनाता है। देश में लगातार बढ़ती गैस की कीमतों और समय-समय पर होने वाली आपूर्ति की समस्या को देखते हुए यह मॉडल आम लोगों के लिए राहत का माध्यम बन सकता है।

खासतौर पर ग्रामीण और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए यह एक सस्ता और सुलभ विकल्प साबित होने की संभावना रखता है। अमीम हुसैन के पिता मुजीब रहमान पेशे से वाहन मरम्मत का कार्य करते हैं, जिनसे उन्हें तकनीकी समझ और प्रेरणा मिली।

वहीं उनकी माता नाजरा खातून एक गृहिणी हैं। अमीम वर्तमान में नगर क्षेत्र के होली ट्रिनिटी पब्लिक स्कूल में कक्षा 10 के छात्र हैं और पढ़ाई के साथ-साथ नवाचार में भी गहरी रुचि रखते हैं।

स्थानीय लोगों और शिक्षकों ने अमीम के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यदि इस मॉडल को उचित मार्गदर्शन और मंच मिले तो यह जिला ही नहीं बल्कि राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना सकता है। जरूरत है कि प्रशासन और शिक्षा विभाग ऐसे प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहन दे, ताकि उनके नवाचार समाज के लिए उपयोगी साबित हो सकें। अमीम हुसैन का यह प्रयास निश्चित ही अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

डीएम मनीष कुमार ने बढ़ाया अमीम हुसैन का हौसला

- चंपावत में मुलाकात के लिए किया आमंत्रित

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। मनिहार गोठ निवासी कक्षा 10 के होनहार छात्र अमीम हुसैन के नवाचार की खबर का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार ने स्वयं पहल करते हुए छात्र के परिवार से संपर्क किया। डीएम ने दूरभाष पर अमीम हुसैन के पिता मुजीब रहमान से वार्ता कर बच्चे के प्रयासों की सराहना की और उसकी हौसला अफजाई की।

जिलाधिकारी ने कहा कि कम उम्र में इस तरह का उपयोगी और व्यावहारिक मॉडल तैयार करना बेहद सराहनीय है। उन्होंने अमीम को आगे भी इसी तरह नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही डीएम मनीष कुमार ने अमीम हुसैन और उनके पिता को चंपावत में मुलाकात के लिए आमंत्रित किया, ताकि छात्र के मॉडल को करीब से देखा जा सके और उसे आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन व सहयोग दिया जा सके। डीएम की इस पहल से जहां छात्र और उसके परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं क्षेत्र में भी गर्व की भावना देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि प्रशासन के इस प्रोत्साहन से अमीम हुसैन का यह मॉडल जिला स्तर ही नहीं, बल्कि राज्य स्तर तक भी पहचान बना सकता है।

अमीम हुसैन का यह प्रयास अब एक नई दिशा की ओर बढ़ता नजर आ रहा है, जिससे भविष्य में उसे बेहतर मंच मिलने की उम्मीद और भी मजबूत हो गई है।

पुलिस ने छह वारन्टियों को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के जनपद स्तर पर वारन्टियों की गिरफ्तारी अभियान के क्रम पुलिस अधीक्षक काशीपुर व पुलिस उपाधीक्षक काशीपुर के नेतृत्व व प्रभारी निरक्षक जसपुर के निर्देशन में अरूण कुमार पुत्र सुरेन्द्र निवासी गौर सिटी 2-16 एवन्यू गाजियाबाद उ.प्र.,मोनिस उर्फ दौडू पुत्र युसुफ निवासी खेडालक्ष्मीपुर जसपुर,सलमान पुत्र मौहम्मद फरजन्द निवासी चांद मस्जिद के पास नई बस्ती जसपुर, शाहरुख अली पुत्र यामीन निवासी नई बस्ती जसपुर,हरवंश सिह उर्फ बिट्टू पुत्र बचन सिह निवासी तुमडियाडाम मालधन चौड रामनगर,सूरज सिह पुत्र हरवंश सिंह निवासी तुमडियाडाम मालधन चौड रामनगर आदि वारन्टियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पकड़ने वाली पुलिस टीम में उ.नि. गोविन्द सिंह, संतोष देवरानी, भूपाल राम पौरी, इन्द्र सिह ढेला, ललित सिंह, का. अरुण कुमार, प्रशान्त कुमार, विक्रम सिंह, दीपक जलाल, कुलदीप सिह, इन्द्र सिंह आदि शामिल रहे।

शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु को शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहीदी दिवस के अवसर पर शहीद भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान परिसर में स्थापित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल व डिग्री कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष रजत बिष्ट के नेतृत्व में दर्जनों आम नागरिकों और प्रबुद्धजनों ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारियों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शहीदों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता और यह पीढ़ी दर पीढ़ी देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि आजादी के मतवालों ने हमें स्वतंत्रता का अमूल्य उपहार दिया है। शहीद भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी युवाओं ने अपने विचारों और त्याग से पूरे देश में जागरूकता पैदा की, जो आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक है। कार्यक्रम में मो. असलम, हरजीत सिंह धजेल, राजवीर सिंह विर्क, रजत सिंह बिष्ट, सत्यम सिंह, हरप्रीत सिंह, शुभजीत सिंह, मनोज परिहार, गुरजंदर सिंह, चनकीरत सिंह, पंकज पांडे, अशु कुमारी, सुमित गंगवार, सोहित शर्मा, मन्नू शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने शहीदों के बताए मार्ग पर चलने और देश की एकता व अखंडता को मजबूत बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें सभी ने एक स्वर में भाग लेकर देशभक्ति का परिचय दिया।

धंसी पुलिया बनी मौत का जाल

- रेलवे अंडरपास मार्ग पर हर पल हादसे का खतरा
- संकरी सड़क, गहरे गड्ढे और जर्जर हालत से राहगीर परेशान
- स्थानीय लोगों ने उठाई चौड़ीकरण और मरम्मत की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। मनिहारगोठ से रेलवे अंडरपास तक जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों अपनी बदहाल स्थिति को लेकर लोगों के लिए बड़ी परेशानी और खतरे का कारण बन गया है। यह सड़क क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग होने के बावजूद लंबे समय से उपेक्षा का शिकार है, जिसके चलते यहां से गुजरने वाले लोगों को रोजाना जोखिम उठाना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस मार्ग की चौड़ाई बेहद कम है, जिसके कारण एक साथ दो वाहन निकलना लगभग असंभव हो जाता है। ऐसे में वाहन चालकों को या तो रुकना पड़ता है या फिर जोखिम लेकर साइड से गुजरना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब रेलवे अंडरपास के पास पहुंचते हैं।

यहां बनी पुलिया बैठ जाने के कारण सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया है, जिससे गहरा गड्ढा बन चुका है। यह गड्ढा खासतौर पर रात के समय और भी खतरनाक साबित हो सकता है, जब पानी भरने से इसकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार छोटे-मोटे हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन अभी तक प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि इतनी गंभीर समस्या के बावजूद जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठा है।

ग्रामीणों और राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस मार्ग की मरम्मत कराई जाए, धंसी हुई पुलिया को दुरुस्त किया जाए और सड़क का चौड़ीकरण किया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके और किसी बड़े हादसे को समय रहते टाला जा सके। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या को कितनी जल्दी संज्ञान में लेकर कार्रवाई करता है या फिर किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जाएगा।

पूर्व सैनिकों के सम्मान एवं कल्याण हेतु भव्य रैली का आयोजन 27 मार्च को

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जनपद पिथौरागढ़ में राष्ट्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पूर्व सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त करने तथा उनके कल्याण से संबंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु आगामी 27 मार्च 2026 को प्रातः 09:30 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक पिथौरागढ़ सैन्य क्षेत्र के कुमाऊं परिसर में एक भव्य पूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया जाएगा।

इस रैली का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना, उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा उनके अतुलनीय योगदान को सम्मानित करना है। रैली के दौरान विभिन्न रिकार्ड कार्यालयों द्वारा स्टॉल स्थापित किए जाएंगे, जिनमें असम राइफल्स रिकार्ड कार्यालय एवं पीसीडीए (पेंशन), प्रयागराज प्रमुख रूप से शामिल रहेंगे। इन स्टॉलों पर पेंशन, सेवा अभिलेख, पारिवारिक लाभ, पेंशन संशोधन प्रकरणों सहित अन्य विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन द्वारा भी विभिन्न विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें जिला सैनिक पुनर्वास एवं कल्याण कार्यालय तथा जिला पुलिस के स्टॉल शामिल होंगे। रैली के अंतर्गत 161 मिलिट्री अस्पताल, एमडीसी पिथौरागढ़ तथा जिला चिकित्सालय पिथौरागढ़ के सहयोग से एक निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श की समुचित व्यवस्था रहेगी।

धामी के कुशल नेतृत्व में भाजपा तीसरी बार बनाएगी सरकार: डा यूनुस चौधरी

टाइम्स संवाददाता

जसपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार उत्तराखंड में चहुंमुखी विकास और जनकल्याण के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री श्री धामी के नेतृत्व में आगामी विधानसभा चुनाव में भी प्रचंड बहुमत हासिल कर भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार सत्ता पर काबिज होगी। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ. यूनुस चौधरी ने मीडिया से मुखातिब होते हुए यह बात कही। धामी मंत्रिमंडल के विस्तार का स्वागत करते हुए डॉ. यूनुस चौधरी ने कहा कि इससे राज्य के विकास और जनकल्याण के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने संतुलित मंत्रिमंडल के लिए मुख्यमंत्री धामी और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार जताया, साथ ही सभी नए मंत्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री धामी की पूरी कैबिनेट 2027 में उत्तराखंड में फिर से परचम लहराने को तैयार है।ꣳ मंत्रिमंडल विस्तार पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया को नकारात्मक और हताशा भरा बताते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस में मंत्री अथवा दायित्व स्टेटस सिंबल बन जाता है, लेकिन भाजपा का मिशन सेवा है और इसी ध्येय के साथ हर कार्यकर्ता को दायित्व सौंपा जाता है। इस अवसर पर आसिफ चौधरी, कामिल, अशरफ, सलामत अली, प्रवेंद्र सिंह, गुरनाम सिंह, कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

चोरी करते दो महिलाओं को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर पट्टी। नगर में एक ज्वेलर्स की दुकान पर चोरी का मामला सामने आया है, जहां दो महिलाओं को चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, स्थानीय आभूषण की दुकान पर आई दो महिलाओं की गति. विधियां संदिग्ध लगीं। इस पर दुकान संचालक ने सतर्कता बरतते हुए नजर रखी, तो चोरी का प्रयास सामने आ गया। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से दोनों महिलाओं को तुरंत पकड़ लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को हिरासत में लेकर चौकी ले गई। वहां उनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं चौकी प्रभारी मनीष खत्री ने बताया कि फिलहाल इस मामले में कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

बाजपुर में क्षेत्र पंचायत बैठक संपन्न

- विकास कार्यों और समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। विकासखंड सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लॉक प्रमुख सुखमन कौर औलख की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक यशपाल आर्य उपस्थित रहे। ब्लॉक प्रमुख ने उन्हें पौधा भेंट कर स्वागत किया और इसे विकास एवं उन्नति का प्रतीक बताया।

निर्धारित कोरम पूरा होने के बाद विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपनी-अपनी कार्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी सदन के समक्ष प्रस्तुत की। जनप्रति. निधियों ने भी विभागवार अपनी समस्याएं और मांगें अधिकारियों के सामने रखीं। बैठक में विद्युत विभाग के सहायक अभियंता जी.सी. पाण्डेय ने पिछली बैठक में उठे मुद्दों पर की गई कार्रवाई से अवगत कराया। इस दौरान ग्राम प्रधान कनौरी ने 11000 वोल्ट लाइन के टूटे खंभों की मरम्मत, कनिष्ठ प्रमुख रविन्द्र कौर ने विद्युत बिल संशोधन, तथा प्रधान बेरिया दौलत ने झूलते तारों को ठीक कराने की मांग उठाई। पेयजल निगम और जल संस्थान से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा हुई। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा की अध्यक्षता में पेयजल व्यवस्था को सुचारू करने और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के लिए पेयजल विभाग एवं लोक निर्माण विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग से जुड़े मुद्दों में ज्येष्ठ उपप्रमुख रजनीत सिंह ने नमूना पहाड़पुर लिंक रोड का मामला उठाया, जबकि प्रधान बरहैनी ने चौराहे पर प्रस्तावित मूर्ति स्थापना हेतु भूमि उपलब्धता पर चर्चा की। शिक्षा विभाग से संबंधित मांगों में राजकीय इंटर कॉलेज बेरिया दौलत में प्रधानाचार्य की नियुक्ति, नए स्कूल भवन का निर्माण, विद्यालयों की चारदीवारी और जनजाति विद्यालय की मरम्मत जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। जिला पंचायत राज अधिकारी विद्या सिंह सोमनाल ने 16वें वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि एवं ग्राम पंचायतों द्वारा कर वसूली की जानकारी दी। अपने संबोधन में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने निर्देश दिए कि क्षेत्र पंचायत बैठकों में सक्षम अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, ताकि जनप्रतिनिधियों को सटीक जानक. ारी मिल सके और समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। बैठक में विकासखंड अधिकारी शेखर जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्राम प्रधान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का संच. ालन खंड विकास अधिकारी शेखर जोशी ने किया।

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय रामनगर में गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमे छात्रों ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। विजयी प्रतिभागियों को समापन दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में गंगा नदी के महत्व उसकी पवित्रता स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन जागरूकता फैलाना है।साथ ही महाविद्यालय में हस्ताक्षर अभियान 31 मार्च तक लगातार चलता रहेगा। इस अवसर पर प्रभारी प्रचार्य प्रो एसएस मौर्य, डॉ योगेश कुमार, नोडल अधिकारी डा. नीमा राणा, डा. शिप्रा पंत, डा. डीएन जोशी, डा. मुरली धर कापड़ी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गोविन्द सिंह जंगपागी आदि थे।

मांगों को लेकर डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ ने दिया धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ शाखा रामनगर द्वारा प्रांतीय कार्यकारिणी के दिशा निर्देश पर अपनी 27 सूत्रीय मांगों को लेकर 5400 ग्रेड पे दिए जाने, पूर्व एसीपी लागू किए जाने, कनिष्क अभियंताओं की वेतन विसंगति दूर किए जाने आदि मांगों को लेकर शाखा अध्यक्ष प्रमोद कुमार के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार कर लोक निर्माण विभाग रामनगर के गेस्ट हाउस परिसर में धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान अध्यक्ष सुरेश कुमार,सचिव अतर सिंह,मोहम्मद वासिफ,हेमचंद पंत आदि मौजूद रहें।

गैस गोदाम पहुंचकर गैस मैनेजर का किया घेराव

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी और ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय नेगी ने गैस गोदाम पहुंचकर गैस मैनेजर का घेराव करते हुए उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर न मिलने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि रामनगर क्षेत्र में गैस सिलेंडरों की लगातार बाधित हो रही आपूर्ति अब एक गंभीर जनसमस्या का रूप ले चुकी है। आम जनता को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने खुलकर आवाज उठाई है और प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है।रामनगर की ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी ने इस संकट पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि गैस की किल्लत ने आम लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग इस गंभीर समस्या को लेकर पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है। उन्होंने साफ कहा कि यदि जल्द ही गैस आपूर्ति को सुचारू नहीं किया गया, तो वे जनता के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगी। उन्होंने प्रशासन से तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग की। वहीं ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी ने भी इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि गैस एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों की उदासीनता के कारण जनता को भारी संकट झेलना पड़ रहा है। संजय नेगी ने चेता. वनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे धरना-प्रदर्शन करने से पीछे नहीं हटेंगे।

तीन दिन के भीतर निकालें शादी की समस्या का समाधान

महिला उत्पीड़न के मामले में अल्मोड़ा के भाजपा नेता को हाई कोर्ट ने दिए मौखिक निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने अल्मोड़ा जिले के भतरौंजखान थाने में भाजपा नेता नंदन सिंह रावत पर महिला उत्पीड़न के गंभीर आरोप और उसके बाद महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी के द्वारा उसे निरस्त करने के मामले पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ती राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने आरोपी से ओरली आदेश पारित कर कहा है कि वह तीन दिन के भीतर पीड़िता से मिलकर शादी की समस्या का समाधान निकालें, साथ में कोर्ट ने अगली सुनवाई 27 मार्च की तिथि नियत की है। मामले को अगली सुनवाई कोर्ट ने 27 मार्च की तिथि नियत की है। बता दें सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि उनकी गिरफ्तारी पर दर्ज मुकदमे को निरस्त किया जाए लेकिन कोर्ट ने मामले को गंभीर पाते हुए उनसे ओरली तौर पर कहा कि 27 मार्च तक आप पीड़िता से मुलाकात कर इस मामले को सुलझाने की कोशिश करें।

मामले के अनुसार अल्मोड़ा जिले के थाना भतरौंजखान में एक महिला ने भाजपा के एक नेता पर 9 वर्ष तक शादी का झूठा झांसा देकर महिला उत्पीड़न करने का गंभीर आरोप लगाया था।

शिकायत पर पुलिस ने जालसाजी तथा ठगी और एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। विकास खंड मुख्यालय में कार्यरत महिला ने अपनी तहरीर में बताया है कि आरोपी स्वयं भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा हुआ है और उसका नाम नंदन सिंह रावत है। महिला के अनुसार करीब 09 वर्ष पहले अल्मोड़ा के चितई गोल्ज्यू मंदिर में नंदन सिंह रावत ने उससे विवाह की रस्म निभाने के लिए ले गया लेकिन विवाह नही किया बाद में करते हुए शादी टाल दी। महिला का आरोप है कि इन 9 वर्षों के दौरान दोनों राज्य के अलावा अन्य राज्यों में एक दूसरे के साथ साथ घूमते फिरते रहे और नंदन सिंह रावत महिला के घर पर उसके परिवार के साथ भी रहा। महिला के अनुसार नंदन सिंह रावत ने उसके सरकारी पद का फायदा उठाते हुए उससे गाड़ी, कपड़े तथा मकान का किराया और निजी खर्च के लिए उससे लाखों रुपये भी लिए। लंबे समय तक चले संबंध के बाद जब महिला ने शादी को कानूनी रुप देकर रजिस्ट्रेशन कराने की बात कहीए तो नंदन सिंह रावत की मां और अन्य परिजनों ने यह कहकर मना कर दिया कि हम नीची जात वालों से शादी नहीं करते।

महिला का आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने उसे धमकाया और कहा कि जो कर सकती हो कर लो। इससे व्यथित होकर महिला ने कानून का सहारा लेते हुए 9 मार्च 2026 को थाना भतरौंजखान जिला अल्मोड़ा में लिखित तहरीर दी। कहा कि उनके द्वारा मुझे बार बार झूठे शादी का वचन दिया गया लेकिन अब वह किसी अन्य लड़की से विवाह करने जा रहा है। जिसकी फोटो इंस्टाग्राम में उस लड़की ने उसके साथ मुझे भेजी है।

याचिकाकर्ताओं को दो सप्ताह की मोहलत

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट में प्रदेश के एलटी शिक्षकों और प्रवक्ताओं की पदोन्नति में सीधी भर्ती व पदोन्ति के मामले पर दायर कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट की खंडपीठ ने सोमवार को सुनवाई करते हुए याचिकर्ताओं से कहा है कि इस मामले में राज्य सरकार के द्वारा जो शपथपत्र पेश किया गया है। अगर उसपर आपको कुछ कहना है तो दो सप्ताह के भीतर अपना शपथपत्र कोर्ट में करें। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि 6 अप्रैल की तिथि नियत की है। सोमवार को मामले की सुनवाई मुख्य न्यायधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ में हुई, आज सरकार की तरफ से कहा गया कि उनके द्वारा इनकी वरिष्ठता सूची जारी कर दी है। वहीं मामले में अन्य याचिकाकर्ताओं की तरफ से दायर याचिकाओं में कहा है कि उनको पहले वरिष्ठता दी जाए क्योंकि उनका चयन 2005 में सीधी भर्ती से हुआ। वहीं कई अन्य याचिका कर्ताओं की तरफ से कहा गया कि उनको पहले वरिष्ठता पर रखा जाए क्योंकि वे प्रमोशन से आए हुए है उनकी नियुक्ति दशकों पहले हो चुकी है उसका लाभ उन्हें अभी तक नहीं मिला।

हाईकोर्ट ने कहा कैट की खंडपीठ में रखे अपना पक्ष

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट में उत्तराखंड में आईजी पद पर तैनात आईपीएस अधिकारी नीरू गर्ग व अरुण मोहन जोशी को प्रतिनियुक्ति पर केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन डीआईजी पद पर भेजने के आदेश को चुनौती देती दो आईपीएस अधिकारियों के मामले पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ती सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ ने केंद्र सरकार के आदेश को सही पाते हुए उनसे केंद्रीय न्यायधिकरण (कैट) की खण्डपीठ में अपना पक्ष रखने को कहा है। सोमवार को हुई सुनवाई पर केंद्र सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ये कर्मचारी केंद्र सरकार के कर्मचारी हैं। केंद्र सरकार ने इन्हें सेवा करने हेतु हर राज्यों भेजा है। जब इनकी आवश्कता केंद्र सरकार को पड़ीती तो केंद्र सरकार उन्हें प्रति नियुक्ति के आधार पर वापस केंद्र में बुला सकती है अगर इसमे भी इन कर्मचारी की शिकायत होती है। तो उसके निवारण के लिए भी केंद्र सरकार ने उनके शिकायतों का निवारण करने के लिए सेंट्रल एडमिनिष्ट्रीटिव ट्रिब्यूनल बोर्ड का गठन किया हुआ है। अभी इनके द्वारा बोर्ड में अपना पक्ष नही रखते हुए सीधे उच्च न्यायालय का रुख किया हुआ है। जो कि केंद्र सरकार की नियमावली के खिलााफ है। इसलिए याचिका पोषणीय नही है। इसे निरस्त किया जाय। मामले की कई दिन तक सुनने के बाद कोर्ट ने दोनों अधिकारियों से केंद्रीय न्यायधिकरण में अपना पक्ष रखने को कहा है।

डिप्लोमा इंजीनियरों की हड़ताल शुरु

नैनीताल। उत्तराखण्ड डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ के प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर सोमवार से महासंघ की लंबित 27 सूत्रीय समस्याओं के निराकरण नहीं होने पर सभी डिप्लोमा इंजीनियर अनिश्चितकालीन हड़ताल चले गए हैं। हड़ताल के दौरान उत्तराखंड के डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ से अध्यक्ष दीप चौधरी की अध्यक्षता में प्रांतीय खंड के सभी डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की 27 सूत्रीय मांगों के का निराकरण न होने को महासंघ के सदस्यों में भारी आक्रोश दिखा। अध्यक्ष दीप चौधरी ने बताया कि पूर्व में शासन से इस विषय पर वार्ता की गई थी लेकिन सरकार और शासन स्तर पर लगातार वार्ता हुई लेकिन कोई आश्वासन नहीं मिला। जिसके चलते साबी प्रान्तीय खण्ड के प्रांगण में धरना प्रदर्शन और बैठक की। उन्होंने कहा हड़ताल से सामान्य जनता को होने वाली परेशानी की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। इस दौरान सुरेश डंगवाल, गोविन्द सिंह, तुला राम टम्टा, राजेन्द्र गिरी, किशोर कुमार, जीबी जोगी, जीसी जोशी, वन्दना, वेद प्रकाश, शालू प्रजापति, मोहन सिंह, नीरज तिवाडी, विवेक सिंह, मनोज सिंह तथा विजय बिष्ट आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड सरकार का 4 वर्ष का कार्यकाल निराशाजक: मनोज शर्मा

शाह टाइम्स संवाददाता

धारी। भीमताल विधानसभा से वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड सरकार के 4 साल पूरे होने पर हम सरकार से व अपने क्षेत्रीय सांसद, विधायक से मांग करते हैं कि वह अपने अभी तक के कार्यकाल का श्वेत पत्र जारी करें और प्रदेश की जनता के सामने वास्तविक स्थिति स्पष्ट करें। मनोज शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड की जनता महंगाई, बेरोजगारी, बदहाल शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं ए पहाडों से होते भारी पलायन से परेशान हैं। कानून व्यवस्था तार तार हो चुकी है, भ्रष्टाचार चरम में हैं तथा तमाम अन्य समस्याये जनता के सामने खड़ी हैं और सरकार व जिमेदार क्षेत्रीय सांसद व विधायक खोखले प्रचार तथा सस्ती लोकप्रियता के चक्कर में जनता के साथ जुमलेबाजी कर रहे हैं। कहा कि झूठी उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटने के बजाय सरकार जनता के सामने सच्चाई रखे। सरकार को चाहिए की जनता के हर सवाल का ईमानदारी से जवाब दे। जनता भाजपा शासन से त्रस्त हैं और 2027 में भाजपा को उत्तराखंड की सत्ता से बाहर कर देगी।

कुविवि के वाणिज्य विभाग में उद्योगों की जरूरत और उभरते करियर पर मंथन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर नैनीताल स्थित वाणिज्य विभाग की ओर से स्किल दुनिया बेंगलुरु (कर्नाटक) के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर का रोजगार अवसर और करियर विकास शिखर सम्मेलन 2026 विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के दौरान विशेषज्ञों की टीम ने छात्रों के भविष्य और रोजगार को लेकर उनकी शंकाओं पर चर्चा की साथ ही उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं और वर्तमान अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई। सत्र में छात्रों को भविष्य में रोजगार के अवसर, उद्योग की अपेक्षाएं बनाम कॉलेज पाठ्यक्रम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और उभरते करियर, वर्ष 2026 के लिए उच्च मांग वाले कौशल, प्रभावी रिज्यूमे निर्माण और व्यावहारिक करियर मार्गदर्शन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्लेसमेंट की संभावनाओं को बेहतर बनाने के उपायों पर भी चर्चा की गई। वेबिनार के अंत में प्रतिभागी छात्रों को इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन के सहयोग से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस वेबिनार में 425 छात्रों ने हिस्सा लिया जिनमें वाणिज्य, प्रबंधन, कला तथा विज्ञान और तकनीकी संकाय के विद्यार्थी शामिल रहे। कार्यक्रम के समापन पर वेबिनार संयोजक डा. ममता जोशी लोहुमी ने विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. अतुल जोशी का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने समय-समय पर छात्रों को करियर काउंसलिंग के अवसर मुहैया कराए। वेबिनार में डा. आरती पंत, डा. विजय कुमार, डा. जीवन उपाध्याय, डा. विनोद जोशी, डा. निधि वर्मा, डा. टीपी चंद्रा, डा. पूजा जोशी पाल. ीवाल, डा. रितिशा शर्मा, डा. हिमानी जलाल, डा. मिराज तथा दीक्षा पंत आदि रहे।

एक नजर

कवि-लेखक सरबजीत गरचा देंगे व्याखयान

नैनीताल। कवयित्री महादेवी वर्मा के 119वें जन्मदिन के अवसर पर 27 मार्च शुक्रवार को कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल की रामगढ़ स्थित महाद. ेवी वर्मा सृजनपीठ में चंडीगढ़ साहित्य अकादमी से सम्मानित कवि, लेखक, संपादक, अनुवादक और प्रकाशक सरबजीत गरचा समकालीन वैश्विक काव्य संसार और हिंदी: संवाद एवं अनुवाद विषय पर बारहवां महादेवी वर्मा स्मृति व्याख्यान देंगे। यह जानकारी महादेवी वर्मा सृजनपीठ के निदेशक प्रो. शिरीष कुमार मौर्य ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चर्चित आलोचक, निबंधकार एवं अनुवादक डा. सुबोध शुकल तथा विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी होंगे जबकि अध्यक्षता कुमाऊँ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत करेंगे। पीठ समन्वयक मोहन सिंह रावत ने बताया कि कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आमंत्रित लेखकों से प्रतिभागी प्राध्यापकों और शोधार्थी विद्यार्थियों का परिसंवाद होगा।

पहले दिन बिके 8 नामांकन पत्र

नैनीताल। जिला बार एसोसिएशन नैनीताल के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई है। सोमवार को पहले ही दिन विभिन्न पदों के लिए कुल 8 नामांकन फार्म संभावित उम्मीदवारों द्वारा खरीदे गए। एसोसिएशन के मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश चंदोला के मुताबिक सोमवार को अध्यक्ष पद के लिए तीन जबकि उपाध्यक्ष पद के लिए दो सचिव पद के लिए दो तथा कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए एक नामांकन फार्म खरीदा गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न पदों के लिए नामांकन शुल्क भी निर्धारित किया गया है जिसमें अध्यक्ष पद के लिए 6 हजार रुपये, उपाध्यक्ष के लिए 5 हजार रुपये, सचिव पद के लिए 5500 रुपये जबकि संयुक्त सचिव के लिए 2500 रुपये तथा कार्यकारिणी सदस्य के लिए 2 हजार रुपये शुल्क तय किया गया है। चुनाव अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि नामांकनफार्म खरीदने की अंतिम तिथि मंगलवार (आज) तक है ऐसे में संभावित प्रत्याशियों में जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी कर लें।

स्कूली बच्चों को रिक्शा किराए में छूट की मांग

नैनीताल। देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर स्कूली बच्चों के लिए रिक्शा के किराए में छूट देने का आग्रह किया है। संघ ने कहा कि जो स्कूली बच्चे तल्लीताल रिकशा स्टैन्ड से मल्लीताल स्कूल जाने के लिए रिक्शों का उपयोग करते हैं उनमें अधिकांश मध्यम वर्ग से आते हैं। स्कूल आने जाने में उनके परिवार का अत्यधिक पैसा हर रोज रिक्शे के किराये में ही लग जाता है इसीलिए बच्चों के हित में स्कूल जाने वाले उन बच्चों का एक पास बनाया जाए जिसका मासिक शुल्क 300 से 400 रुपए निर्धारित किया जाना चाहिए जिससे छात्रों के तथा उनके परिजनों को राहत मिल सके। उन्होंने इस संबंध में डीएम से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में संघ के अध्यक्ष त्रिलोचन टाक, उपाध्यक्ष कमल कुमार, महासचिव सोनू सहदेव व उप सचिव विककी सिलेलान समेत संजय सौदा, अमन टांक, अमित सहदेव, रवि कुमार, श्याम सौदा, मंगू लाल, राहुल कुमार, मनोज चौहान तथा मनोज कुमार आदि शामिल रहे।

भवाली सैनिटोरियम के पास कार में लगी आग

नैनीताल। अग्निशमन केंद्र फायर स्टेशन मल्लीताल को सोमवार को सेनेटोरियम भवाली के पास कार में आग कि सूचना प्राप्त हुई। सूचना पाते ही शीघ्र ही फायर यूनिट नैनीताल घटना स्थल पर रवाना हुई। आग गाड़ी नंबर डीएल 10-एलजेड-9342 पर लगी हुई थी जो कि दिल्ली निवासी अजय कुमार पुत्र अशोक कुमार के खड़ी टोयोटा कार थी जिसे फायर यूनिट द्वारा एमएफई से पंपिंग कर होजरील फैलाकर आग को पूर्ण रूप से बुझाया गया। फायर यूनिट टीम में प्रकाश कांडपाल, पुष्कर सिंह, भूपेंद्र सिंह तथा किशोर सिंह शामिल थे। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

खाद्य आपूर्ति विभाग ने चलाया अभियान

नैनीताल। खाद्य आपूर्ति विभाग की टीम द्वारा सोमवार को स्नोव्यू नैनीताल में 7 व्यवसायिक प्रतिष्ठानों तथा स्टोरेंट में एलपीजी घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य जांच अभियान चलाया गया। इस मौके पर स्नैक्स बार, सनराइज रेस्टोरेंट, बोरा रेस्टोरेंट, ललित रेस्टोरेंट, सिंह रेस्टोरेंट, टी प्वाइंट रेस्टोरेंट का निरीक्षण करने पर संबंधितों द्वारा व्यसायिक सिलेंडर का मौके पर उपयोग किया जाना पाया गया किंतु हिलांस समूह संगठन कोटाबाग द्वारा अपने प्रतिष्ठान में खान पान सामग्री बनाने हेतु एलपीजी घरेलू गैस का उपयोग किया जाना पाया गया जिसे मौके पर ही विभाग की टीम द्वारा इसे जबत कर सुरक्षा की दृष्टि से मैसर्स कलेर गैस कंपनी नैनीताल की सुपुर्दगी में इस निर्देश के साथ दिया गया कि इसमें किसी प्रकार की खुर्द बुर्द नहीं करेंगे और न्यायालय अथवा उच्चाधिकारियों के मांगे जाने पर प्रस्तुत करेंगे। खाद्य विभाग की टीम में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेन्द्र सिंह बिष्ट समेत सरिता आर्या, तारा सिंह व आशुलिपिक तुषार जोशी आदि मौजूद थे।

स्टोन क्रेशर के मामले पर सुनवाई अब दो हफ्ते बाद

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने देहरादून में सौंग नदी के किनारे मौजूद दून वैली स्टोन क्रेशर के मामले पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने सिंचाई विभाग से जवाब मांगा है। इस मामले में दो सप्ताह बाद सुनवाई होगी। इस मामले को याचिकाकर्ता गुरचण सिंह की ओर से चुनौती देते हुए कहा गया कि सौंग नदी के किनारे दून वैली स्टोन क्रेशर मानकों के विपरीत स्थापित किया गया है।

परीक्षा संचालन में सुधार किया जाएगा

कुमाऊं विश्वविद्यालय की कार्य परिषद बैठक में कई अहम फैसले

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय की 175वीं कार्य परिषद की बैठक सोमवार को हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में परीक्षा संचालन में सुधार के लिए भौतिकी विभाग के डा. नंदन सिंह बिष्ट को उप परीक्षा नियंत्रक नियुक्त किया गया। इसके अलावा, शिक्षकों के मूल्यांकन के लिए 100 अंकों की एक समग्र स्क्रीनिंग प्रणाली को मंजूरी दी गई, जिसमें शिक्षण, शोध प्रकाशन, पीएचडी पर्यवेक्षण, प्रशास. निक कार्य और सम्मेलन में भागीदारी को शामिल किया गया है। शिक्षण कार्य, शोध पत्र, और पुस्तक प्रकाशन को प्राथमिकता दी गई। बैठक में यह भी तय किया गया कि 50 वर्ष के बाद

लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जा सकेगी। इसके तहत, 75 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले शिक्षकों को प्रशंसा पत्र मिलेगा, जबकि 60 प्रतिशत से कम अंक पाने वालों को सुधार के लिए तीन वर्ष का समय दिया जाएगा, और यदि सुधार न हुआ, तो सेवानिवृत्ति लागू होगी। संविदा शिक्षकों के अनुबंध को भी 60 प्रतिशत से कम स्कोर पर नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। शोध और प्रशासनिक दायित्वों को भी मूल्यांकन में समुचित वेटेज दिया गया। प्रत्येक शिक्षक के लिए राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कम से कम एक प्रस्तुति देना अनिवार्य किया गया, जिसमें एक प्रस्तुति राज्य के बाहर होना आवश्यक होगा। शोध गुणवत्ता के लिए विश्वविद्यालय ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विज्ञान विषयों में प्रकाशन के लिए स्कोपस या वेब ऑफ साइंस में इंडेक्स्ड जर्नल्स को अनिवार्य किया गया है। कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने इन फैसलों को विश्वविद्यालय में शैक्षिक उत्कृष्टता, शोध की गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

सेंट एंथोनी कॉलेज में दीक्षांत समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। जिले के भीमताल विकास खंड के ज्योलीकोट स्थित सेंट एंथोनीस इंटर कालेज में एलकेजी और यूकेजी के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फादर

डेरिक पिंटो उपस्थित रहे। समारोह का औपचारिक शुभारंभ दीप प्रज्वलन और प्रार्थना के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में सकारात्मकता भर गई। समारोह के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंग-बिरंगी और आकर्षक वेशभूषा में सज्ज होकर मनमो. हक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों के आत्मविश्वास और उनकी प्रतिभा को देखकर वहां मौजूद अभिभावक भाव-विभोर और मंत्रमुग्ध हो गए। मुखय अतिथि फादर डेरिक पिंटो ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन की मजबूत नींव बचपन में ही रखी जाती है। उन्होंने इस दिशा में सेंट एंथोनीस कॉलेज के प्रयासों की सराहना की। इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य सिस्टर शोभा, सिस्टर सीमा, सिस्टर मार्सलीना सहित समस्त शिक्षक और अभिभावक उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा आधारभूत अधिकार

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के राजकीय महाविद्यालय रामगढ़ में आंतरिक परिवाद समिति के तत्वावधान में यौन उत्पीड़न रोकथाम विषय को लेकर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य वक्ता आरोही संस्थान की प्रतिनिधि हेमा बिष्ट रही। इस दौरान बिष्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न रोकथाम के लिए यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम बना है। उन्होंने इस अधिनियम के उद्देश्य धाराओं से छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने यौन उत्पीड़न विषयक कानूनों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र तथा बस तथा सड़क और घर में महिलाओं के प्रति होने वाले यौन अपराधों उनके कारण और उनके समाधान पर छात्र

छात्राओं को बताया। आरोही संस्थान की नर्सिंग सुपरीटेंडेंट विमला पोखरिया ने छात्राओं को माहवारी के समय कैसे स्वच्छता का ध्यान रखें इस विषय पर प्रकाश डाला। इस मौके पर छात्राओं की तमाम जिज्ञासाओं का समाधान किया और छात्राओं को स्वच्छता के लिए सजग किया। कार्यक्रम की संयोजिका डा. माया शुकला ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. नगेंद्र दिवेदी ने की जबकि संचालन नीमा पंत ने किया गया। इस अवसर पर डा. हरीश चंद्र जोशी, डा. निर्मला रावत, डा. हरेश राम समेत रविंद्र प्रसाद, कुंदन, गणेश, कमलेश, प्रेम भारती सहित गौरव, कमल, रोशनी, माही तथा दीपशिखा व यमुना आदि मौजूद रही।

डोर टू डोर सिलेंडर पहुंचाने के दावे फेल: राणा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल के युवा भाजपा नेता हरीश सिंह राणा ने कहा कि डोर टू डोर घरेलू सिलेंडर पहुंचाने के जिला प्रशासन के सारे दावे फेल हो चुके हैं। राणा ने कहा कि एक हफ्ते से अधिक समय की बुकिंग के बाद भी गैस वितरक ठेकदार गैस मुहैया नहीं करा पा रहे हैं। कहा कि जगह जगह लोग सुबह से कतार लगाकर घरेलू गैस सिलेंडर के इंतजार में खड़े रहते हैं। कहा कि बाजारों में भी दो दिन लगातार लाइन में खड़ा होने के बाद टैकसी वाहनों से सिलेंडर घर ले जाने में पैसा खर्च करना पड़ रहा है जबकि गैस वितरण करने वाले ठेकेदारों को डोर टू डोर घरेलू गैस आपूर्ति हेतु भुगतान किया जाता है। हरीश राणा ने कहा कि केवल डोर टू डोर का पत्र जारी कर देने से लोगों को गैस आपूर्ति होना संभव नहीं है।

नागालैंड अपनी समृद्ध विरासत के लिए प्रसिद्ध

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नागालैंड विश्वविद्यालय के कोहिमा परिसर में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी पूर्वोत्तर का आदिवासी समाज, साहित्य, संस्कृति और परंपरा का सफल एवं गरिमामय आयोजन किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ नागालैंड विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा किया गया। समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि पद्मश्री से सम्मानित प्रो. डा. बीकेएस संजय अध्यक्ष एम्स गुवाहाटी ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि पूर्वोत्तर भारत विशेषकर नागालैंड अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। उन्होंने उल्लेख किया कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में लगभग 200 जनजातियाँ निवास करती हैं और वहां करीब 400 भाषाएँ बोली जाती हैं जो इसकी अद्वितीय सांस्कृतिक विविधता को दर्शाती हैं। उन्होंने विशेष रूप से नागालैंड के प्रसिद्ध हॉर्नबिल फेस्टिवल का

उल्लेख करते हुए कहा कि यह उत्सव विभिन्न जनजातियों की सांस्कृतिक परंपराओं, लोकनृत्यों, संगीत और जीवन शैली का जीवंत संगम है जो न केवल भारत बल्कि वैश्विक स्तर पर भी नागालैंड की विशिष्ट पहचान को स्थापित करता है। नागा समाज की पारंपरिक मोरुंग व्यवस्था को उन्होंने सामुदायिक शिक्षण एवं सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। अपने वक्तव्य में उन्होंने साहित्य, संस्कृति और परंपरा के परस्पर संबंध को रेखांकित करते हुए कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है संस्कृति उसकी आत्मा है और परंपराएँ उसकी निरंतर प्रवाहित जीवनधारा हैं। उन्होंने वैश्वीकरण के इस दौर में सांस्कृतिक जड़ों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विकास और परंपरा एक.दूसरे के पूरक हैं। संगोष्ठी के दौरान देश विदेश से आए विद्वानों ने अपने शोधपत्रों एवं विचारों के माध्यम से पूर्वोत्तर के आदिवासी समाज के साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयामों पर गहन विमर्श प्रस्तुत किया। यह आयोजन ज्ञान विनिमय तथा सांस्कृतिक संवाद और अकादमिक सहयोग का महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ। अपने पूर्वोत्तर प्रवास के दौरान डा. संजय ने कोहिमा में नागालैंड के माननीय राज्यपाल नन्द किशोर यादव से शिष्टाचार भेंट भी की। कार्यक्रम का समापन आपसी सहयोगए सांस्कृतिक संवर्धन और मानवता के साझा मूल्यों को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

प्रधनाध्यापिका के आरोपों को बताया निराधार

खुर्पाताल के जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने सौंपा एडीएम को ज्ञापन,

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के भीमताल विकास खंड के खुर्पाताल के ग्रामीणों तथा जनप्रतिनिधियों ने प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत प्रधानाध्यापिका द्वारा लगाए गए आरा. ेपों को निराधार करार दिया है। उन्होंने मामले में कार्यवाही न होने पर सामूहिक इस्तीफे की मांग की है। मामले को लेकर उन्होंने सोमवार को एडीएम (प्रशासन) विवेक राय के माध्यम से जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को संबोधित ज्ञापन सौपा। एक अन्य ज्ञापन में ग्रामीणों ने चारखेत से लेकर नलनी व घटगढ़ के बीच में सरकारी शराब की दुकान खुलने का विरोध भी किया है, इसको लेकर भी उन्होंने एडीएम से माध्यम से सीएम पुष्कर सिंह धामी को संबो. धित ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों व जनप्रति. निधियों के मुताबिक प्राथमिक विद्यालय खुर्पाताल में कार्यरत

प्रधानाध्यापिका द्वारा ग्राम प्रधान (प्रधान पति) के विरुद्ध बिना किसी ठोस प्रमाण के झूठे एवं निराधार आरोप लगाए गए हैं। ग्रामवासियों का कहना है कि बिना किसी जांच एवं सत्यापन के मामले में पुलिस की ओर से कार्रवाई करना अनुचित है। इसके अलावा प्रधानाध्यापिका द्वारा पंचायत के कार्यों एवं गतिविधियों में भी लगातार व्यवधान उत्पन्न करने का आरोप लगे हैं। इस दौरान ग्रामवासियों द्वारा कहा गया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान भी उक्त शिक्षिका द्वारा बाधा डाली गई तथा खेल महाकुंभ जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में विद्यालय के मैदान के मुख्य द्वार की चाबी तक मुहैया नहीं कराई गई जिससे कार्यक्रम प्रभावित हुए। उन्होने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करने के साथ ही संबंधित प्रधानाध्यापिका के विरुद्ध उचित कार्यवाही करते हुए शीघ्र स्थानांतरण करने की मांग की है। दूसरी ओर ग्रामवासियों ने चारखेत से लेकर नलनी-घटगढ़ क्षेत्र के बीच सरकारी शराब की दुकान खोले जाने का पूर्ण रूप से विरोध किया है। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी भावनाओं, महिलाओं की सुरक्षा एवं बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उक्त स्थान पर शराब की दुकान खोले जाने की अनुमति को तत्काल निरस्त किया जाए और टेंडर प्रक्रिया पर भी तत्काल प्रभाव से स्थायी रोक लगाई जाए। ज्ञापन देने वालों में जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवकी बिष्ट, ग्राम प्रधान खुर्पाताल हंसी नेगी, ग्राम प्रधान अधौड़ा प्रेमा मेहरा, ग्राम प्रधान खमारी हेम बहुखंडी, ग्राम प्रधान जलालगांव खुशाल, ग्राम प्रधान गहलना कीर्ति आर्या, ग्राम प्रधान नलनी गोविन्द सिंह अधिकारी, कमला आर्या, मुकेश मेहरा समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

डा.अंबेडकर की प्रतिमा पर कालिख पोते जाने पर उबाल

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। श्रीनगर (उत्तराखंड) के अलकेश्वर घाट में भारत रत्न व संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर कालिख पोतने की अत्यंत निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटना प्रकाश में आई है। इस कृत्य से समस्त समाज में गहरा आक्रोश एवं दुख व्याप्त है। मामले को लेकर सोमवार को शिल्पकार सभा नैनीताल द्वारा आपात बैठक कर इस घृणित कृत्य की कड़े शबदों में निंदा की। सभा के अध्यक्ष रमेश चन्द्रा ने कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर ने देश को एक सशक्त संविधान प्रदान कर सामाजिक न्याय, समानता एवं मानवाधिकारों की स्थापना में ऐतिहासिक योगदान दिया है। उनकी प्रतिमा का अपमान न केवल उनके विचारों का अपमान है

बल्कि भारतीय संविधान एवं लो. कतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात है। सभा प्रशासन से मांग करती है कि इस घटना में संलिप्त दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुन. रावृत्ति रोकने हेतु प्रभावी एवं ठोस कदम उठाए जाएं। सभा के महामंत्री राजेश लाल ने कहा कि बाबा साहेब डा. भीम राव अंबेडकर के इस अपमान को समाज नहीं सहेगा यदि दोषियों को अतिशीघ्र पकड़ा नहीं गया तो प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जाएगा। सभी की बैठक में सभा के लेखापरीक्षक संजय कुमार समेत मीडिया प्रभारी सुरेश कुमार, रो. हित कुमार तथा योगेश कुमार योगी आदि ने अपने विचार रखे।

केदारनाथ यात्रा की तैयारी को लेकर प्रभारी मंत्री ने की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। आगामी केदारनाथ यात्रा 2026 को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सफल बनाने के उद्देश्य से जनपद के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने जिला सभागार में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में यात्रा व्यवस्थाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन करते हुए उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समयसीमा के भीतर और आपसी समन्वय से पूरे किए जाएं।

बैठक में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने जानकारी दी कि 22 अप्रैल से प्रस्तावित यात्रा के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि यात्रा को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए हर स्तर पर तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

पशुपालन विभाग द्वारा यात्रा मार्ग पर संचालित घोड़े-खच्चरों का पंजीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। साथ ही पशुओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, जिससे यात्रा के दौरान किसी प्रकार की बाधा न आए। लोक निर्माण विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त सड़कों का चिन्हीकरण कर पैचवर्क तेजी से कराया जा रहा है।

संवेदनशील और डेंजर जोन क्षेत्रों में सुरक्षा के मद्देनजर विशेष ट्रीटमेंट कार्य युद्धस्तर पर जारी है। प्रशासन का लक्ष्य यात्रा मार्ग को पूरी तरह सुरक्षित और सुगम बनाना है।

■ 22 अप्रैल से शुरू होगी केदारनाथ यात्रा, सभी विभागों को प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने दिये समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश, सुरक्षा, स्वास्थ्य और ट्रैफिक प्रबंधन पर विशेष फोकस,घोड़े-खच्चरों का पंजीकरण व स्वास्थ्य परीक्षण शुरू, डेंजर जोन में विशेष सुरक्षा कार्य जारी, सभी विभागों को समयबद्ध और समन्वित कार्य के निर्देश, यात्रियों की सुरक्षा-सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता

स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों के तहत यात्रा मार्ग पर पर्याप्त एंबुलेंस तैनात की जाएंगी। डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति के साथ विभिन्न पड़ावों पर स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। आवश्यक दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित कर आपात स्थिति में त्वरित उपचार की व्यवस्था की जा रही है। प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने स्पष्ट कहा कि केदारनाथ यात्रा आस्था, संस्कृति और प्रदेश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे, साथ ही पार्किंग, ट्रैफिक प्रबंधन, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता और आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त की जाएं। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान आने वाली समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए और शिकायतों के निस्तारण के लिए मजबूत व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुखद यात्रा अनुभव मिल सके।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी, केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल सहित जनप्रति. निधियों और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

केदारघाटी में नशे के खिलाफ महिलाओं का बड़ा अभियान

रुद्रप्रयाग। जिले में नशा मुक्त समाज के निर्माण को लेकर महिलाओं ने एक प्रभावशाली पहल करते हुए जनजागरूकता का मजबूत संदेश दिया। त्रियुगीनारायण गांव की महिलाओं ने संगठित होकर त्रियुगीनारायण से सोनप्रयाग तक लगभग 12 किलोमीटर लंबी पैदल रैली निकाली। रैली के दौरान महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था और पूरे मार्ग में नशे के खिलाफ जोरदार नारे लगाए गए।इस रैली का उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ते नशे के प्रचलन पर रोक लगाना और समाज को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था। महिलाओं ने रास्ते भर लोगों को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताया और विशेष रूप से युवाओं से इस बुराई से दूर रहने की अपील की।

कार्यालय भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, कलेक्ट्रेट परिसर रूद्रपुर, ऊधमसिंहनगर

पत्रांक: 3760/भू0खनि0वि0 / अ0भ0नी0-विज्ञप्तिप्र0 / 2025-26   दिनांक: 23 मार्च, 2026

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, कलेक्ट्रेट परिसर, रूद्रपुर

दिनांक 17.03.2026 को विभागीय दल द्वारा जनपद उधमसिंह नगर के तहसील काशीपुर क्षेत्रान्तर्गत अवैध खनन की रोकथाम हेतु किये गये मौका निरीक्षण में ग्राम दभौरा एहतमाली में अवैध रूप से ढेरियों में भण्डारित पाये गये उपखनिज को नियमावली के प्राविधानानुसार खुली नीलामी के माध्यम से निस्तारित किया जाना है।

नीलामी में प्रतिभाग किये जाने हेतु इच्छुक व्यक्तियों / संस्थाओं द्वारा समस्त वांछित अभिलेख दिनांक 28.03.2026 को सायं 5 बजे से पूर्व तक जमा कराया जाना अनिवार्य होगा। इस अवधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। वांछित अभिलेख एवं नीलामी की शर्तों एवं प्रतिबन्धों की जानकारी हेतु किसी भी कार्यदिवस पर भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, कलेक्ट्रेट परिसर, रूद्रपुर के कक्ष सं0 115 में अवलोकित/प्राप्त किये जा सकते हैं।

कृते खान अधिकारी
उधमसिंह नगर

डीएम ने जनता दरबार कार्यक्रम में सुनी जन समस्याएं

नई टिहरी-जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की समस्याओं को सुना। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों का समय पर निस्तारण के निर्देश दिए। जन सुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 33 जनसमस्या पत्र दर्ज किए गए जिनका अधिक से अधिक मौके पर ही निस्तारण किया गया शेष शिकायतों को सम्बन्धित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।इस मौके पर ग्राम पंचायत रिंगाल गढ़ सकलाना के पूर्व प्रधान अजय सिंह राणा द्वारा दैवीय आपदा से विद्यालय की क्षतिग्रस्त दीवार लगाने की मांग, ग्राम चांजी तल्ली की सोहन लता रावत द्वारा अपने निजी खेत से ट्रांसफर्मर हटाये जाने, निवासी ग्राम बमराडी थौलधार द्वारा क्षेत्र की सड़को की मरम्मत व बस सेवा लगाने आदि शिकायत से प्राप्त हुई जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को जनसामान्य की समस्याओं को प्रमुखता से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

पुरोला ठेकदारों की मनमानी, सच दिखाने पर पत्रकार को धमकी

शाह टाइम्स संवाददाता

पुरोला : जनपद के पुरोला क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां सरकारी विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं को उजागर करने वाले पत्रकारों को दबाव और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। यह घटना न केवल स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता पर भी सीधा हमला मानी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुरोला में चल रहे विभिन्न सरकारी विकास कार्यों में कुछ ठेकेदारों द्वारा सरकारी धन के दुरुपयोग और निम्न गुणवत्ता के कार्य किए जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं। जब स्थानीय पत्रकारों ने इन अनियमित. ताओं को उजागर करते हुए खबरें प्रकाशित कीं, तो ठेकेदारों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि ठेकेदार संगठन के अध्यक्ष द्वारा एक बैठक बुलाई गई, जिसमें कुछ ठेकेदारों की मौजूदगी में पत्रकारों को भी बुलाया गया। इस बैठक में पत्रकारों पर दबाव बनाने का प्रयास किया गया कि वे केवल वही खबर प्रकाशित करें, जिसे ठेकेदार संघ अध्यक्ष की सहमति प्राप्त हो। साथ ही यह भी कहा गया कि पत्रकार अपनी ग्राउंड रिपोर्ट पहले संघ अध्यक्ष को दिखाएं। यह कदम पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर सीधा हमला माना जा रहा है।मामला यहीं नहीं रुका।

BRIDCUL (ब्रिडकुल)

ब्रिज, रोपवे, टनल एण्ड अदर इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लिमिटेड
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम) पूर्व में उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लिमिटेड

Ref No: 1988/BRIDCUL-233/26   Dated: 23/03/2026

NIT (Notice Inviting Tender)

On behalf of Managing Director, BRIDCUL, sealed Item Rate Tenders with Post Qualification, are invited in two separate envelops (Technical and Financial) simultaneously from Contractors Empanelled with BRIDCUL in Electrical work Category-III (upto 2 Crore) and as per the detailed specification, terms & Conditions given in the tender documents for following work:-

S. No.	Name of Work	Estimated Cost with GST & All Taxes (In Lac)	Bid Security/EMD (In Rs.)	Cost of Tender Form	Tender Document can be obtained/ submitted at
1	Electrification Renovation work at Head Office of Tourism Department (UTDB) Dehradun under ADB	12.10	36000.00	Rs. 5000/- + 18% GST	Project Unit BRIDCUL Dehradun
2	Electrification Renovation work at Head Office of Tourism Department (UTDB) Dehradun-2nd Call	3.90	12000.00	Rs. 5000/- + 18% GST	Project Unit BRIDCUL Dehradun

The tender documents can only be purchased from the office of the respective Project Manager between 10.00 am to 5.00 pm on all working days from **24.03.2026 to 06.04.2026.** The cost of tender document amounting to Rs 5000+18% GST, will be paid while purchasing the tender documents, by cash or Demand Draft in the favour of Project Manager, BRIDCUL, Dehradun. The tenders should reach the office latest by 1500 hours on **06.04.2026** and the technical bid shall be opened at 1530 hours on the same day in presence of tenderers who choose to be present.

Project Manager, BRIDCUL

कार्यालय सहायक अभियन्ता, लघु सिंचाई उपखण्ड, उत्तरकाशी

संख्या 612/ल.सिं./निविदा/स.अ.उ. /2025-26   दिनांक: 23, मार्च, 2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा विभागीय स्वीकृत योजनाओ के निर्माण कार्य हेतु लघु सिंचाई विभाग, में पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदा दिनांक 07.04.2026 के अपराहन् 2:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा के साथ वांछित धरोहर धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्र, किसान विकास पत्र मान्यता प्राप्त बैंक के द्वारा प्रदत्त, एफ०डी०आर० अथवा डाकघर, बचत पासबुक के रूप में अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई खण्ड, उत्तरकाशी के पद नाम से बन्धक हो, लगाना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त निविदा प्रपत्र के साथ रू0 100.00 के नान-ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर रू0 1.00 का रसीदी टिकट लगाकर वैद्यता की सभी शर्तों के साथ ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षर कर संलग्न करना आवश्यक है। निविदा प्रपत्र सहायक अभियन्ता, लघु सिंचाई उपखण्ड कार्यालय उत्तरकाशी से दिनांक 06.04.2026 तक कार्यालयावधि में निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किये जा सकते हैं तथा दिनांक 07.04.2026 को अपरान्ह 2.00 बजे तक लघु सिंचाई उपखण्ड कार्यालय उत्तरकाशी में जमा कराये जायेंगे, जो कि उसी दिन सांय 2.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी एवं अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिकृत अधिकारी द्वारा खोली जायेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	ग्राम सभा	विकास खण्ड	3% धरोहर धनराशि	निविदा की वैद्यता	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	ग्राम बनाडी में बेन्धारा तोक में गूल मरम्मत कार्य।	बनाडी	चिन्यालीसौड़	12000.00	45 दिन	500+GST	03 माह	'ई' एवं उच्चतर
2	ग्राम तराकोट के खादरा तोक से हन्द्रली तोक तक गूल मरम्मत ।	तराकोट	चिन्यालीसौड़	15000.00	45 दिन	500+GST	03 माह	'ई' एवं उच्चतर
3	ग्राम भूयारा शिवाणी नामे तोक में गूल मरम्मत ।	भुयारा	चिन्यालीसौड़	12000.00	45 दिन	500+GST	03 माह	'ई' एवं उच्चत्तर
4	ग्राम धराली में चोलमी नामें तोक में अरविन्द नेगी आदि के बगीचों की सुरक्षा दीवार।	धराली	भटवाडी	15000.00	45 दिन	500+GST	03 माह	'ई' एवं उच्चत्तर
5	ग्राम बगोरी के डकराली तोक में पदम सिंह आदि के बगीचों की सुरक्षा दीवार।	बगोरी	भटवाडी	15000.00	45 दिन	500+GST	03 माह	'ई' एवं उच्चत्तर
6	ज्ञानसू वार्ड नं0-11 के प्रकाशनगर में रोशना देवी आदि के खेतों की रास्ते की सुरक्षा दीवार।	ज्ञानसू	भटवाडी	4000.00	45 दिन	500+GST	03 माह	'ई' एवं उच्चत्तर
7	गुफियारा वार्ड नं0-02 में अनिल आदि के खेतों की रास्ते की सुरक्षा कार्य।	गुफियारा	भटवाडी	12000.00	45 दिन	500+GST	03 माह	'ई' एवं उच्चत्तर
8	ग्राम सिंगोट के बिलपनिगारा के खेत में सुरक्षा कार्य।	सिंगोट	डुण्डा	12000.00	45 दिन	500+GST	03माह	'ई' एवं उच्चत्तर

निविदा की शर्तें:-

1. निविदा खोलने की तिथि 07.04.2026 को प्रात: 11 बजे से 12 बजे तक, कार्य करने हेतु इच्छुक ठेकेदार के साथ प्रीबिड मीटिंग की जायेगी।
2. निविदा केवल विभाग में पंजीकृत वैद्य ठेकेदारों को ही बेची जायेगी।
3. बिना शील्ड लिफाफे के प्राप्त निविदा प्रपत्रों व सशर्त निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
4. निविदा हेतु मैनुअल 69/70 के समस्त प्राविधान लागू होंगे।
5. निर्माण कार्य से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी दिनांक 06.04.2026 से पूर्व किसी भी कार्य दिवस को अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

6 निविदा के साथ धरोहर धनराशि केवल राष्ट्रीय बचत पत्र, किसान विकास पत्र एवं राष्ट्रीय बैंक की एफ०डी०आर० के रूप में जो जिला उत्तरकाशी के किसी भी डाकघर से बनाई गई हो एवं अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई खण्ड उत्तरकाशी के पदनाम से बन्धक हो जमा करना अनिवार्य है।
7 निविदा दरों की वैधता के लिए निविदा के साथ 100 रू0 का नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर 1.00 रू0 का रेवन्यू टिकट पर हस्तक्षार सहित घोषणा पत्र प्रस्तुत करना होगा।
8 सफल निविदादाता को सूचना मिलने पर एक सप्ताह के अन्दर NSC/KVP/National Bank की FDR/ बैंक गारण्टी उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रौक्युरमेन्ट) नियमावली 2008 के अनुसार पांच प्रतिशत परफारमेन्स गारन्टी की धनराशि (धरोहर धनराशि सहित) अधोहस्ताक्षरी के पदनाम बन्धक रखते हुए उपस्थित होना होगा अन्यथा जमा धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
9 निविदा हेतु दी गई 5 प्रतिशत से अधिक / कम दरों पर शासनादेश संख्या 6447/111 (2) / 11-20 (सा०)/11 दिनांक 02.01.2013 के अनुसार अतिरिक्त परफोरमेन्स गॉरण्टी ली जोयगी। अतिरिक्त परफोरमेन्स गारण्टी जमा न करने पर धरोहर धनराशि जब्त कर दी जायेगी।
10 सशर्त एवं अपूर्ण निविदा मान्य नहीं होगी।
11 प्रतिशत दरें ही मान्य होगी।
12 डाक द्वारा निविदा मंगाने पर निविदा मूल्य के अतिरिक्त डाक व्यय वहन करना होगा विलम्ब से प्राप्त निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
13 किसी एक निविदा अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है।
14 Shedule "B" मे दी गई मात्रा घट बढ़ सकती है।
15 ऐसे ठेकेदार जो पूर्व से विभाग में कार्य कर रहे है और वे अनुबन्ध की शर्तानुसार समयान्तर्गत कार्य पूर्ण करने में असमर्थ रहे हो अथवा कार्य की गुणवत्ता स्तरीय न रही है, उनकी निविदा पर वित्तीय हस्तपुस्तिका भाग-VI के प्रस्तर 364 को ध्यान में रखते हुए ही अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्णय लिया जायेगा।
16 श्रेणी के मूल्य के अनुसार ही ठेकेदार को निविदा विक्रय की जायेगी।
17 ठेकेदार के बीजक से नियमानुसार आयकर / G.S.T/ रॉयल्टी / लेबर सेस की कटौती की जायेगी।
18 शेड्यूल-बी में दर्शाई गयी सभी दरें सामग्री सहित है। विभाग द्वारा कोई सामग्री निर्गत नहीं की जायेगी।

(सतीश कुमार शर्मा),
सहायक अभियन्ता, लघु सिंचाई उपखण्ड, उत्तरकाशी

कार्यालय जिला पंचायत, उत्तरकाशी

पत्रांक 1790/निर्माण/2025-26   दिनांक 23.03.2026

निविदा सूचना (Tender Notice)

जिला पंचायत, उत्तरकाशी द्वारा यात्रा व्यवस्था मद में निर्माण हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2025 के अध्याय 4 में विहित प्रावधानं (प्रस्तर 4.4.2) के अनुरूप, जिला पंचायत में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से शसीमित निविदा पृच्छा (Limited Tender Enquiry) आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	विकास खण्ड	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर राशि (2%)	निविदा शुल्क + GST(18%)	कार्य अवधि	श्रेणी
विकासखण्ड नौगांव							
1	डमटा में शौचालय निर्माण कार्य	नौगांव	5.00	10000	500	1 माह	A
2	बर्नीगाड में शौचालय निर्माण कार्य	नौगांव	3.00	6000	500	1 माह	AB
3	कुथनौर में शौचालय निर्माण कार्य	नौगांव	3.00	6000	500	1 माह	AB
4	पालीगाड में शौचालय निर्माण कार्य	नौगांव	3.00	6000	500	1 माह	AB
5	खरसाली में शौचालय निर्माण कार्य	नौगांव	5.00	10000	500	1 माह	A
6	स्यानाचट्टी में शौचालय निर्माण	नौगांव	3.00	6000	500	1 माह	AB
7	जानकीचट्टी में घोड़ा पड़ाव का नव निर्माण कार्य	नौगांव	10.00	20000	1000	1 माह	A
8	यमुनोत्री यात्रा हेतु जानकीचट्टी से यमुनोत्री तक शौचालय व चरियों एवं लीद पिट मरम्मत कार्य	नौगांव	12.00	24000	1000	1 माह	A
विकासखण्ड भटवाडी							
9	चढेती में शौचालय निर्माण कार्य	भटवाडी	3.00	6000	500	1 माह	AB
10	हीना पांर्किंग के पास शौचालय निर्माण कार्य	भटवाडी	3.00	6000	500	1 माह	AB

निविदा समय-सारणी-

1. निविदा प्रपत्र विक्रय प्रारम्भ तिथि: (दिनांक 25/03/26)
2. निविदा प्रपत्र विक्रय की अन्तिम तिथि: (दिनांक 04.04.26) (सांय 5:00 बजे तक)
3. निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि: (दिनांक. 05.04.26) (अपराह 2:00 बजे तक)
4. निविदा खोलने की तिथि: (दिनांक 05/04/26) (अपराह्न 2:30 बजे)

!! निविदा की शर्ते एवं नियम (Terms & Condition) !!

1. पंजीकरण एवं अर्हता: निविदा में केवल वही ठेकेदार भाग ले सकते हैं जिनका जिला पंचायत में वर्ष 2025-26 हेतु विधिवत पंजीकरण वैध हो। निविदा के साथ पंजीकरण प्रमाण पत्र, पैन कार्ड एवं आधार कार्ड की सत्यापित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
2. जी०एस०टी० अदेयत्ता (अनिवार्य): उत्तराखण्ड शासन, वित्त अनुभाग के पत्र संख्या 223817 दिनांक 10.07.2024 के अनुपालन में, निविदा के साथ जी०एस०टी० अदेयता प्रमाण पत्र (GST No Dues Certificate) तथा समस्त देय विवरण (Return) जमा होने का साक्ष्य प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इसके अभाव में निविदा श्गैर-प्रतिक्रियाशील' (Non & Responsive) मानी जाएगी।
3. धरोहर राशि (EMD): प्रत्येक निविदादाता द्वारा कार्य हेतु (अनिवार्यत:) उक्तानुसार निर्धारित धरोहर राशि (2%)अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत उत्तरकाशी के नाम बन्धक एफ. डी. आर. (FDR), सी.डी.आर. (CDR) या बैंक गारंटी के रूप में संलग्न करनी होगी।
4. निविदा निरस्तीकरण: अधोहस्ताक्षरी/अध्यक्ष जिला पंचायत को यह अधिकार सुरक्षित होगा कि यह बिना कोई कारण बताये किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को अधिप्राप्ति नियमावली 2025 के प्रस्तर नियम 2.2.15 के अधीन निरस्त कर सकती है।
5. अन्य शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यलय के नोटिस बोर्ड में देखी जा सकती है।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, उत्तरकाशी

एसएसपी ने किया बुग्गावाला थाने का वार्षिक निरीक्षण

थाने पर आने वाले पीड़ितों को तुरन्त मिले इंसाफ : नवनीत

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर/बुग्गावाला। हरिद्वार जनपद के बुग्गावाला थाने में आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह द्वारा वार्षिक निरीक्षण किया गया। उनके आगमन पर क्षेत्राधिकारी सहित पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद सेरिमोनियल गार्द ने आकर्षक सलामी देकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने थाना परिसर, कार्यालय, कर्मचारी बैरक और भोजनालय का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था पर संतोष जताया, वहीं गर्मियों को देखते हुए पेयजल की समुचित व्यवस्था, नियमित कीटनाशक छिड़काव और शौचालयों की साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए।

कार्यालय निरीक्षण के दौरान उन्होंने दस्तावेजों, रजिस्टरों और सीसीटीएनएस प्रणाली की स्थिति जांची। स्टाफ को निर्देशित किया गया कि सभी अभिलेख समय-समय पर अपडेट रखें और निस्तारित प्रार्थना पत्रों को समय पर संबंधित कार्यालयों तक भेजा जाए। साथ ही, तकनीकी उपकरणों की आवश्यकता होने पर तुरंत पत्राचार करने को कहा गया। थाना परिसर में उपलब्ध शस्त्रों का निरीक्षण करते हुए एसएसपी ने जवानों से असलाह खोलने और जोड़ने का अभ्यास करवाया। उन्होंने हेड मोहर्रिर को नियमित शस्त्र सफाई और प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जवान हर परिस्थिति के लिए तैयार रहें। मालखाना निरीक्षण के दौरान मुकदमे से जुड़े माल को वर्षवार और क्रमवार व्यवस्थित रखने, आबकारी अधिनियम से जुड़े माल के निस्तारण, निर्णित मामलों के माल को एक सप्ताह के भीतर खत्म करने और लावारिस वाहनों की नीलामी प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए।

❖निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने थाना परिसर, कार्यालय, कर्मचारी बैरक और भोजनालय का बारीकी से जायजा लिया।

❖अभिलेख समय-समय पर अपडेट रखें व निस्तारित प्रार्थना पत्रों को समय पर संबंधित कार्यालयों तक भेजा जाये।

इस पूरे कार्य की निगरानी की जिम्मेदारी थाना प्रभारी को सौंपी गई। निरीक्षण के अंत में एसएसपी ने पुलिसकर्मियों के साथ सैनिक सम्मेलन कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के निर्देश दिए। एसएसपी नवनीत सिंह ने समस्त अधीनस्थों पर निर्देश दिया कि थाने पर आने वाले पीड़ितों की फरियाद तुरंत सुनी जाए और समस्याओं का समाधान भी गंभीरता से किया जाए उन्होंने सभी विवेचकों को सख्त हीदायत दी कि लंबित विवेचनाओं का निस्तारण समय से गुण-दोष के आधार पर किया जाए और पीड़ितों के साथ इंसाफ किया जाए। विवेचकों को सख्त हिदायत दी गई कि वे मुकदमों का निस्तारण गुण-दोष के आधार पर तय समय सीमा में करें तथा थाना प्रभारी नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करे।

ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार बुजुर्ग महिला की दर्दनाक मौत, पोता गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। धनौरी जस्सवाला मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धनौरी जस्सवाला मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, धनौरी बाजार में जस्सवाला मार्ग पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे खड़ी थी। जिसमें दहेज का सामान लोड किया जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर ट्रॉली में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में पास से गुजर रही बाइक आ गई।हादसे में बाइक पर बैठी महिला सड़क पर गिर गई और ट्रैक्टर ट्रॉली के नीचे आ जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। घायल को भी उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

कैबिनेट मंत्री बनने पर प्रदीप बत्रा का रामनगर में शानदार स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। श्री राम मंदिर, रामनगर स्थित सनातन धर्म सभा के तत्वावधान में नगर विधायक एवं हाल ही में कैबिनेट मंत्री बने प्रदीप बत्रा का भव्य स्वागत समारोह मंदिर सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे और पूरे आयोजन में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने सर्वप्रथम श्री राम मंदिर, शिव चौक एवं रामनगर स्थित गुरुद्वारे में मत्था टेककर प्रदेश और शहर की खुशहाली व विकास की कामना की। इस दौरान स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर एवं मालाएं पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया। बत्रा ने समाज के वरिष्ठजनों के पैर छूकर आशीर्वाद प्राप्त किया। अपने संबोधन में प्रदीप बत्रा ने कहा कि समाज के सहयोग और विश्वास के कारण ही उन्हें यह सम्मान मिला है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह किसी एक समाज नहीं, बल्कि सर्वसमाज के साथ मिलकर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करेंगे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे सतीश कालरा ने प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कैबिनेट में प्रदीप बत्रा को स्थान मिलना पंजाबी समाज के लिए गर्व का विषय है, जिससे समाज को नई पहचान और मजबूती मिलेगी।

बीएसएम इंटर कॉलेज रुड़की के प्रबंधक ममतेश शर्मा बने अ. विद्यालय प्रबंधक एसो. प्रदेशाध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। बीएसएम इंटर कॉलेज रुड़की के प्रबंधक ममतेश शर्मा एडवोकेट को अशासकीय विद्यालय प्रबंधक एसोसिएशन का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर जनपद हरिद्वार की समस्त प्रबंध समितियों द्वारा उन्हें बधाई देने का तांता लगा हुआ है। रेस कोर्स देहरादून के सनातन धर्म इंटर कॉलेज बन्नू में एसोसिएशन के संरक्षक चंद्र मोहन सिंह पयाल की उपस्थिति व प्रांतीय उपाध्यक्ष उत्तम सिंह नेगी की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से बीएसएम इण्टर कॉलेज रुड़की के प्रबंधक ममतेश कुमार शर्मा एडवोकेट (रुड़की) को प्रदेश अध्यक्ष, बन्नू इंटर कॉलेज के प्रबंधक संजीव विरमानी एडवोकेट को प्रांतीय महासचिव व खानपुर प्रबंधक डॉक्टर घनश्याम गुप्ता को प्रदेश प्रवक्ता/मीडिया प्रभारी चुना गया। साथ ही मखदुमपुर प्रबंधक प्रधान डॉक्टर विजय कुमार को हरिद्वार जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ममतेश कुमार शर्मा एडवोकेट व महासचिव संजीव विरमानी एडवोकेट ने कहा कि अब प्रदेश के समस्त अशासकीय विद्यालयों को संगठित कर मजबूती के साथ अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि अशासकीय विद्यालयों के साथ प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे सौतेले व्यवहार को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा शीघ्र सभी प्रबंध समितियों, अभिभावकों व छात्र-छात्राओं द्वारा संयुक्त रूप से सरकार के विरोध एक बड़े आंदोलन की रूपरेखा बनाई जाएगी। संगठन के प्रांतीय संरक्षक चंद्र मोहन सिंह पयाल ने बताया कि उनके द्वारा भी विगत 13 मार्च को देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को 30 बिंदुओं के पत्र प्रेषित कर अशासकीय विद्यालयों के साथ सरकार की पक्षपात पूर्ण नीतियों से अवगत कराते हुए आगामी विधानसभा चुनाव के विपरीत परिणामों से आगाह किया गया है। नवनियुक्त प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर घनश्याम गुप्ता व जिला अध्यक्ष प्रधान डॉक्टर विजय कुमार ने संयुक्त रूप से चेतावनी दी की नियुक्तियों के लिए सरकार द्वारा आयोग गठन की मंशा कदापि पूर्ण नहीं हो पाएगी।

❖सभी अशासकीय विद्यालयों को संगठित कर मजबूती के साथ लड़ी जायेगी अधिकारों की लड़ाई : ममतेश

अल्पसंख्यक पदाधिकारी के घर मोर्चे कार्यकताओं ने दी ईद की मुबारकबाद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष राहुल अहमद ने अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला पदाधिकारियों के आवास पर मुलाकात कर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष राहुल अहमद का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोर्चा के जिलाध्यक्ष राहुल अहमद ने देश एवं क्षेत्रवासियों के लिए अमन, भाईचारे और तरक्की की कामना करते हुए कहा कि ईद का त्योहार आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर हमें समाज को जोड़ने और एक दूसरे को करीब लाने का मौका मिलता है तथा इससे सामाजिक समरसता को भी मजबूती मिलती है। इस दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष राहुल अहमद का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष हाजी मोहम्मद मुस्तकीम ने कहा कि ईद उल फितर का त्योहार इंसानियत,रहमत और मोहब्बत का प्रतीक है,जो समाज में भाईचारे को मजबूत करने का संदेश देता है। इस अवसर पर मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष नसीम अली,जिला महामंत्री मोनू राणा,गढ़वाल मंडल संयोजक इसरार अल्वी, जिला मीडिया प्रभारी इमरान देशभक्त, जिला मंत्री मोहम्मद इकराम, मोहम्मद शहजाद जिला कार्यकारिणी सदस्य व मुस्तकीम अहमद आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

समर्पण ने आयोजित किया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। हरमिलाप धर्मशाला में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन समर्पण जन कल्याण संगठन (रजि०) व 84 उत्तराखंड वाहिनी एनसीसी, रुड़की द्वारा आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन समर्पण संस्था के संरक्षक माननीय कैबिनेट मंत्री श्री प्रदीप बत्रा ने किया। आज रक्तदान शिविर में एनसीसी के कैडेट्स बड़ी संख्या में रक्तदान करने पहुंचे। मंत्री ने उद्घाटन के अवसर पर इन कैडेट्स की भूरि-भूरि प्रशंसा की व बताया की मंत्री पद मिलने के साथ ही सर्वप्रथम रक्तदान शिविर में सम्मिलित होना उनके लिए गौरव का विषय है। आज रक्तदान शिविर में आये मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर प्रभात भंडारी, ग्रुप कमांडर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, रुड़की व अति विशिष्ट अतिथि कर्नल अमन कुमार सिंह, कार्यवाहक कमान अधिकारी, 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी द्वारा स्वयं रक्तदान कर आये हुए कैडेट्स व जन मानस को रक्तदान हेतु प्रेरित किया। अपने उद्बोधन में ब्रिगेडियर साहब द्वारा बताया गया की एनसीसी कैडेट्स के अंदर युवा रखते हैं और आज से ही इन बच्चों के अंदर रक्तदान की भावना जागना इनका ध्यान देश सेवा की ओर अग्रसारित करेगी। रक्तदान मानव द्वारा अपने जीवन मे किया जाने वाला सबसे बड़ा दान है। संस्था के अध्यक्ष नरेश यादव द्वारा पुष्प गुच्छ व मोमेंटो भेंट कर किया गया। इस अवसर पर संस्था के महामंत्री प्रदीप गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार सोनकर, कोषाध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल, मीडिया प्रभारी सन्दीप गोयल, पर्यावरण प्रभारी संदीप यादव, ब्लड बैंक प्रभारी अनूप बंसल, शेर सिंह, सचिन पंडित, रवि कपूर इत्यादि उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर का आयोजन रुड़की ब्लड बैंक, मदर टेरेसा ब्लड बैंक व राजकीय चिकित्सालय से आये हुए अनुभवी चिकित्सको की निगरानी की किया गया। रक्तदाताओं में संदीप बुड़ाकोटी, अनुज गिरी, दीपक कुमार, सूबेदार सुभाष रजत रावत, अक्षन्दा चंदेल, कशिश व अन्य रहे।

संबंध विच्छेद-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र जीशान व उसकी पत्नी शमा परवीन का आचरण मेरे व मेरे परिवार के प्रति ठीक ना होने के कारण मैंने जीशान व शमा परवीन को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। आज के बाद दोनों के किसी भी लेनदेन व अनैतिक कार्य की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

इरशाद अली पुत्र मजीद नि. वार्ड नं. 5 नगर पालिका व तहसील लक्सर जिला हरिद्वार।

अवैध पेड़ों की कटान के मामले में मंगलौर पूर्व विधायक के तीन बेटों के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। पूर्व विधायक सरवत करीम अंसारी के तीन पुत्रों के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। मामला अवैध पेड़ कटान से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसे लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

जानकारी के अनुसार, उद्यान विभाग के सचल दस्ते ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें अवैध रूप से पेड़ों के कटान की पुष्टि हुई। इसके बाद विभाग ने कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पूर्व विधायक के तीनों पुत्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और यदि अन्य लोग भी इसमें संलिप्त पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। वहीं प्रशासन ने साफ कर दिया है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कानूनों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मेले में मारपीट व फायरिंग से मचा हड़कंप

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। मंगलौर मार्ग पर लगे मेले में युवकों के गुट ने जमकर उत्पात मचाया। विरोध करने एक व्यक्ति के साथ की गई मारपीट में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया है कि उत्पात मचाने वाले युवकों ने मेले में दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग भी की। जिसके बाद मेले में अफरातफरी मच गई पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

लंढौरा में मंगलौर मार्ग पर ईद पर्व को लेकर मेला लगा हुआ है। रविवार देर रात को करीब बीस युवकों एक गुट ने मेले में उत्पात मचाना शुरू कर दिया। डंडों से मेले लगी लाइटों को तोड़ना शुरू कर दिया। मेला प्रबंधक इमरान का कहना है कि उत्पात मचाने का विरोध करने पर युवकों ने लाठी डंडों से हमला बोल दिया। इसमें लंढौरा निवासी 50 वर्षीय सलीम को गंभीर चोट आई है। घायल व्यक्ति को हरिद्वार सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि बाद में उत्पात मचाने युवकों ने अपना रौब गालिब करने के लिए पहले हाथों में तमंचे लेकर लहराए और बाद में मेले में दहशत फैलाने के लिए तीन हवाई फायरिंग भी की। हवाई फायरिंग होने मेले में भगदड़ मच गई। मेला प्रबंधक इमरान ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। चौकी प्रभारी अशोक सिरस्वाल का कहना है कि मेले में फायरिंग होने का मामला उनकी जानकारी में आया है। मारपीट में घायल का मेडिकल मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो बाइकों की भिड़ंत में तीन घायल

नारसन। नारसन कस्बे में शांतिकुंज कट के पास सोमवार सुबह दो बाइकों में हुई भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, सोमवार को रतन सिंह निवासी सकौती बाइक से नारसन कस्बे में किसी काम से आए थे जैसे ही शांतिकुंज कट के पास पहुंचे तो पीछे से आ रही बुलेट ने टक्कर मार दी, जिसमें बाइक सवार रतन सिंह निवासी सकौती व बुलेट सवार द्रवित व आसिफ निवासी गांव रजूपुर देवबंद उत्तर प्रदेश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

जल्द खुलेंगे नए उर्वरक बिक्री केन्द्र : नीशू राठी

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। लिब्बरहेड़ी सहकारी गन्ना विकास समिति लिव मंगलौर की प्रबन्ध समिति की बैठक समिति कार्यालय में अध्यक्ष नीशू राठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि, समिति के आय-व्यय के अनुमोदन,चीनी मिलों से समिति का विकास अंशदान प्राप्त कराये जाने, समिति का पुराना ऋण वसूल किये जाने, मृतक कृषकों के आश्रितों को गन्ना मूल्य भुगतान कराने, राष्ट्रीय राजमार्ग लिब्बरहेड़ी स्थित समिति की स्वयं की भूमि की चारदीवारी करने एवं भूमि भराव कराने, मखदुमपुर एवं सिक्खर में उर्वरक बिक्री केन्द्र खोले जाने आदि विषयों पर विचार विमर्श किया गया, सभी प्रस्ताव उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पास किए, समिति की अध्यक्ष नीशू राठी ने कहा कि किसान हित सदैव सर्वोपरि रहेगा, उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश किसानो को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना, गन्ना भुगतान समय पर कराना, गन्ने की नई प्रजातियां लाना आदि हैं, अध्यक्ष नीशू राठी ने सचिव को किसानों की समस्याएं प्राथमिकता पर हल करने एवं समय पर उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए। बैठक में अध्यक्ष नीशू राठी, उपाध्यक्ष विनोद कुमार, संचालक पवन सैनी, संचालक अनुराग राठी, संचालक सरोज देवी, संचालक सुनील कुमार, संचालक बीरबाला, सचिव प्रभारी अनन्त सिंह, लेखा खण्ड प्रभारी राजकुमार, स्थापन खण्ड प्रभारी पंकज कुमार, कैश खण्ड प्रभारी अंकित कुमार वशिष्ठ मौजूद रहे।

❖गन्ना समिति लिब्बरहेड़ी की प्रबन्ध समिति की बैठक में किसानों के हित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय।

गुडवर्क : गंगनहर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

तीन अंतर्राज्यीय वाहन चोर दबोचे, आठ वाहन बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर के नेतृत्व में हरिद्वार पुलिस ने वाहन चोरों के खिलाफ चल रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। कोतवाली गंगनहर पुलिस ने एक शातिर अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के कुल 8 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं को देखते हुए एसपी देहात और क्षेत्राधिकारी रुड़की के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मणि भूषण श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से जाल बिछाया। 22 मार्च 2026 को चेकिंग के दौरान पनियाला लाठर देवा तिराहे से पुलिस ने तीन संदिग्धों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए। अभियुक्तों ने बताया कि वे अपने नशे के शौक को पूरा करने के लिए वाहन चोरी करते थे। वे चोरी की गई मोटरसाइकिलों को शक्ति विहार के पास स्थित खंडहरों में छिपाकर रखते थे। गिरोह का काम करने का तरीका शातिर था; वे चोरी के वाहनों को मॉडिफाई (बदलाव) कर देते थे ताकि उन्हें आसानी से बेचा जा सके और मुनाफा कमाया जा सके। गिरफ्तार आरोपी-हनी कश्यप निवासी पश्चिमी अम्बर तालाब, सलमान निवासी दून पब्लिक के पीछे हजी वसी की कॉलोनी, मयंक निवासी कुएं वाली गली, पश्चिमी अम्बर तालाब। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर कुल 8 वाहन बरामद किए हैं, जिनमें शामिल हैं। कोतवाली गंगनहर में पंजीकृत मुकदमों से संबंधित चार वाहन व चार अन्य बिना नंबर प्लेट वाली स्प्लेंडर और सीडी-डिलक्स मोटरसाइकिलें, जिनके इंजन और चौसिस नंबर के आधार पर जांच की जा रही है।

❖ नशे का शौक पूरा करने के लिए देते थे वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम

सम्पादकीय

मंगलवार, 24 मार्च 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

जंग बंद होगी!

ईरान-इस्राईल/अमेरिका युद्ध के 24वें दिन एक अच्छी खबर आई, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पांच दिन के लिए अपनी ओर से ईरान पर किसी तरह के हमले पर रोक की बात कही। विशेषकर ईरान के पॉवर प्लांट को लेकर। जैसाकि हम जानते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज खाड़ी को बंद करने को लेकर ईरान को 48 घंटे का समय दिया था, जिसमें उन्होंने धमकी दी थी कि अगर ईरान ने 48 घंटे के भीतर होर्मुज को नहीं खोला, तो वह उसके पॉवर प्लांट पर हमला कर देंगे, जिसके चलते ईरान अंधेरे में डूब जाएगा। हालांकि बदले में ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति की भाषा के जवाब में चेतावनी दी थी कि अगर इस तरह की कोई कोशिश हुई तो ईरान भी बदले की कार्रवाई करेगा और यूएई सहित तमाम अमेरिकी ठिकानों पर हमला बोलेगा। जब ऐसा लग रहा था कि यह युद्ध और भड़कने की ओर जा रहा है, तभी ट्रम्प ने 48 घंटे की समय सीमा खत्म होने से पूर्व ही बड़े ही नाटकीय अंदाज में पांच दिन के लिए एक तरह से संघर्ष विराम की घोषणा कर दी। साथ ही यह भी जानकारी दी कि ईरान के साथ उनके प्रतिनिधि विटकॉफ और कुशनर के बीच ईरान से बातचीत हुई है। फॉक्स बिजनेस ने दावा किया है कि यह बातचीत रविवार की रात हुई और इसमें तुर्कीए, पाकिस्तान और ईजिप्ट के अधिकारी शामिल थे। फॉक्स बिजनेस के अनुसार इसमें ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी शामिल थे। हालांकि ईरान ने ऐसी किसी बातचीत से इन्कार किया है, क्योंकि ईरान का मानना रहा है कि जब भी बातचीत होती है, तभी अमेरिका धोखा देता है। अब पर्दे के पीछे चली बातचीत में कितनी सच्चाई है, यह तो आगे पता चलेगा कि इस पर कितना अमल जमीन पर दिखाई देता है, लेकिन एक बात साफ है कि ईरान ने जिस तरह विश्व की दो बड़ी परमाणु शक्तियों के साथ टकराव में बड़ी टक्कर दी है, उसने सभी को हैरत में डाल दिया है। जहां तक बात ट्रम्प की है, वह अपनी बातों को बदलने में माहिर माने जाते हैं। इसलिए उनकी बातों को कोई अब गंभीरता से भी नहीं लेता। अभी भी वह यही कह रहे हैं कि ईरान उनसे समझौता करना चाहता है और वह युद्ध जीत चुके हैं और ईरान की शक्ति को बुरी तरह कुचल चुके हैं, लेकिन जमीनी हालात एक अलग ही कहानी बयान करते दिखाई दे रहे हैं, जिससे कहीं भी यह नहीं लगता कि ईरान जरा भी पीछे हटने के लिए तैयार है। होर्मुज को लेकर उसने सभी को चेतावनी दी है और कहा है कि जो ईरान के मित्र देश हैं, उनके लिए यह पूरी तरह खुला है और यदि यह बंद है, तो उन देशों के लिए है, जो इस्राईल व अमेरिका के हितों की रक्षा करने में लगे है। जहां तक बात भारत की है, भारत भी इस युद्ध से बुरी तरह प्रभावित है और उसका मानना रहा है कि यह युद्ध शीघ्र बंद हो, सोमवार को प्रधानमंत्री ने संसद में दिए अपने संबोधन में अपने इसी स्टैंड को दोहराया है।

नौ वर्षों में राज्य ने की अभूतपूर्व प्रगति

आध्यात्मिक प्रेरणा और जनसहभागिता के बल पर उत्तर प्रदेश ने बीते नौ वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है, प्रदेश आज विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है व प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है, सरकारी योजनाओं के प्रभाव से महिलाएं अब विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं और स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, 2017 में प्रदेश के युवा रोजगार के लिए पलायन करने को मजबूर थे, जबकि आज उत्तर प्रदेश रोजगार और निवेश का केंद्र बनकर उभरा है, अब गरीब और श्रमिक वर्ग के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, जिसके लिए अटल आवासीय विद्यालयों जैसी पहलें की गई हैं।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

पश्चिम बंगाल चुनाव : सत्ता की जंग से बड़ी चुनाव आयोग की साख की अग्नि परीक्षा

ओ.पी. पाल

पश्चिम बंगाल की सत्ता का रण एक बार फिर सज चुका है। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य की 294 विधानसभा सीटों के लिए चुनावी बिगुल फूंक दिया है, जहां की राजनीति हमेशा से ही प्रतिबद्धता और प्रतिरोध की प्रयोगशाला रही है, लेकिन इस बार का यह महामुकाबला केवल यह तय नहीं करेगा कि कोलकाता के ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग में अगला मुख्यमंत्री कौन बैठेगा, बल्कि यह भारतीय चुनाव आयोग की उस वैश्विक साख की भी सबसे बड़ी परीक्षा साबित होने वाला है, जिसने 2021 के चुनाव और उसके बाद हुई भीषण हिंसा के दाग को धोने और हिंसा मुक्त बंगाल का संकल्प लिया है। मसलन इस बार का चुनाव न केवल राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सुरक्षा और चुनावी प्रक्रिया के प्रबंधन के लिहाज से एक बड़ी चुनौती वाला चुनाव है। आयोग ने इस बार अपने आत्मविश्वास को दर्शाते हुए पिछले 8 चरणों के लंबे कार्यक्रम को घटाकर मात्र दो चरणों में समेटने का साहसिक फैसला लिया है, जो अपने आप में एक बड़ा दावं माना जा रहा है। हालांकि इसका असली परिणाम 23 और 29 अप्रैल को होने वाले दोनों चरणों के मतदान की शांति और सुरक्षा से तय होगा?

पश्चिम बंगाल के चुनावी इतिहास में हिंसा एक ऐसा शब्द रहा है जिसने लोकतांत्रिक उत्सव को कई बार फीका किया है। 2021 के चुनाव और उसके बाद हुई हिंसा के कड़वे अनुभवों को देखते हुए, इस बार चुनाव आयोग का पूरा जोर हिंसा मुक्त मतदान पर है, जिसके लिए पिछले सप्ताह कोलकाता का तीन दिवसीय दौरा करके मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राज्य के प्रमुख राजनीतिक दलों भाजपा, तृणमूल कांग्रेस, सीपीआई (एम), कांग्रेस और अन्य दलों से रुबरु होकर स्पष्ट संदेश दिया है कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने हिंसा, धमकाने की कोशिशों और चुनाव कर्मचारियों को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का ऐलान किया है। मुख्य आयुक्त ने जोर देकर कहा कि आयोग पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अब सवाल है कि क्या यह विधानसभा चुनाव राज्य के चुनावी इतिहास में हिंसा-मुक्त होने का नया कीर्तिमान स्थापित कर पाएगा? हालांकि यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा, लेकिन आयोग की सक्रियता ने उन मतदाताओं में भरोसा जरूर जगाया है, जो लंबे समय से शांतिपूर्ण मतदान की बाट जोह रहे हैं। एक मायने में यह चुनाव न केवल बंगाल का भविष्य तय करेगा, बल्कि भारतीय लो. कतंत्र में निष्पक्ष चुनाव कराने वाली सर्वोच्च संस्था की साख को भी पुन: स्थापित करेगा। चुनावी कार्यक्रम के अनुसार इस बार पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को उत्तर बंगाल और जंगलम. हल के इलाके की 152 सीटों और दूसर चरण में 29 अप्रैल को दक्षिण बंगाल और कोलकाता के आसपास के इलाके की 142 सीटों पर मतदान होना है। जबकि चुनाव के नतीजे चार मई को आएंगे।

बेहद दिलचस्प मुकाबले के आसार

बंगाल की जमीन पर राजनीतिक बिसात भी दिलचस्प है, जहां चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से सत्ताधारी टीएमसी और मुख्य विपक्षी दल भाजपा के बीच आर-पार का है। वहीं पिछले चुनाव में शून्य पर सिमटने के बाद, वाम मोर्चा और कांग्रेस वाला गठबंधन इस बार श्प्रासंगिकताश बचाने की जंग लड़ रहा है। टीएमसी की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने चौथी बार सत्ता बरकरार रखने की बड़ी चुनौती है, जिसमें टीएमसी को भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों और एंटी-इनकंबेंसी (सत्ता विरोधी लहर) से लड़ना है। सत्तापक्ष के लिए हाल ही में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उपजे विवाद भी भी किसी चुनौती से कम नहीं होगा, जिसका मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पंहुचा है। आयोग के एसआईआर और केंद्रीय फंड में हो रही कटौती को लेकर फैली बेचौनी ने बंगाल में खासतौर से टीएमसी के लिए राजनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। वहीं 2021 में 77 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार सत्ता परिवर्तन की पुरजोर कोशिश में जुटी है। पार्टी व्यापक चुनावी रणनीति के साथ घुसपैठ और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को आधार बना रही है, लेकिन उसे अभी भी स्थानीय स्तर पर एक सर्वमान्य मजबूत नेतृत्व और सांगठनिक एकजुटता की तलाश है। भले ही सीटों के मामले में टीएमसी आगे दिख रही हो, लेकिन वोट प्रतिशत के मामले में फासला बहुत कम रह गया है, जिसमें यह आंकड़ा बताता है कि बंगाल का मुकाबला बेहद करीबी होने वाला है। हालांकि क्या जमीन पर यह आंकड़े हकीकत में बदलेंगे या 4 मई के नतीजे कुछ और ही कहानी कहेंगे? यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

सुरक्षा आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता

पश्चिम बंगाल के चुनावी इतिहास में हिंसा एक ऐसा शब्द रहा है जिसने लोकतांत्रिक उत्सव को कई बार फीका किया है। 2021 के चुनाव और उसके बाद हुई हिंसा के कड़वे अनुभवों को देखते हुए इस बार आयोग का पूरा जोर हिंसा मुक्त मतदान पर है। इसी रणनीति के तहत चुनाव आयोग चुनाव की घोषणा से पहले ही केंद्रीय बलों 480 कंपनियां राज्य में भेज चुका हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि केंद्रीय बलों का उपयोग केवल मतदान के दिन ही नहीं, बल्कि मतदाताओं में विश्वास पैदा करने के लिए बलों द्वारा एरिया डोमिनेशन और गश्त में पहले से कर रहा है। वहीं दागी अधिकारियों को लेकर भी चुनाव आयोग पूरी तरह से मुस्तैद है यानी आयोग इस बार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। इसलिए आयोग ने उन पुलिस अधिकारियों की सूची मांगी है जिन पर पिछले चुनावों में हिंसा को बढ़ावा देने या लापरवाही बरतने के आरोप लगे थे। ऐसे दागी अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया से दूर रखने के लिए आयोग ने उन्हें हटाने की कार्रवाई भी शुरु कर दी है। वहीं चुनाव आयोग इस बार श्फर्जी मतदानश की गुंजाइश खत्म करने की दिशा में मतदान केंद्रों के बाहर चेहरा सत्यापन के लिए विशेष काउंटर बनाने पर विचार कर रहा है, जहां बुर्का या घूंघट वाले मतदाताओं की पहचान महिला कर्मचारियों द्वारा की जाएगी।

बंगाल के चुनावी एक्स फैक्टर

राजनीतिक जानकारों की माने तो पश्चिम बंगाल में महिलाएं अक्सर साइलेंट वोटर होती हैं। श्संद. ेशखालीश जैसी घटनाओं और श्लक्ष्मी भंडारश जैसी योजनाओं के बीच उनका झुकाव ही सत्ता की चाबी तय करेगा। राज्य में बढ़ती बेरोजगारी और भर्ती घोटाले युवाओं के बीच एक बड़ा चुनावी मुद्दा बन चुके हैं। बंगाल में बदलते राजनी. तिक परिदृश्य ने नए अवसर पैदा किए हैं। कभी बनर्जी को संदेह की नजर से देखने वाले शहरी बंगाली भद्रलोक मतदाता अब एसआईआर के दखल को लेकर अपनी नाराजगी साझा कर रहे हैं। वहीं, मतुआ और राजबंशी जैसे समुदाय जिनके समर्थन ने भाजपा को बंगाल में मुख्य विपक्षी दल के रूप में खड़ा करने में मदद की थी, अब उनमें भी बेचैनी के संकेत दिख रहे हैं। उत्तर बंगाल में भाजपा की पकड़ मजबूत रही है, जबकि दक्षिण बंगाल टीएमसी का किला है। इस बार दोनों दल एक-दूसरे के गढ़ में घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए इस बार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव महज आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह उन करोड़ों मतदाताओं की उम्मीदों का परीक्षण है, जो दशकों से शांतिपूर्ण मतदान का सपना देख रहे हैं। यदि चुनाव आयोग हिंसा मुक्त मतदान कराने में सफल रहता है, तो यह भारतीय चुनाव प्रबंधन के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। 4 मई के नतीजे यह बताएंगे कि बंगाल ने दीदी की निरंतरता को चुना या परिवर्तन के केसरिया संकल्प को पर भरोसा जताया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये लेखक के निजी विचार हैं)

जयपुर की घटना ने पेश की सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल

एक तरफ होली और दीपावली जैसे त्योहार हिन्दुओं के लिए महत्वपूर्ण होते हैं तो दूसरी तरफ ईद-उल-फितर जैसा त्योहार मुसलमानों के लिए महत्वपूर्ण होता है। विविध संस्कृति वाले इस देश में हमें एक-दूसरे के त्योहारों का सम्मान करना चाहिए। एक-दूसरे के धर्मों तथा त्योहारों का सम्मान करके ही हम इस देश की साझा संस्कृति को आगे बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही हमें यह ध्यान भी रखना होगा कि कोई भी त्योहार धार्मिक कट्टरता का प्रतीक न बने।

रोहित कौशिक

दिल्ली हाईकोर्ट और दिल्ली पुलिस की वजह से दिल्ली के उत्तमनगर में ईद शांतिपूर्वक तरीके से मनाई गई। उत्तमनगर के मुद्दे को लेकर ईद से पहले कई तरह की अफवाहें फैली थीं। कुछ हिन्दू संगठनों द्वारा लगातार यह धमकी भी दी जा रही थी कि उत्तमनगर में ईद पर खून की होली खेली जाएगी। कुछ संगठनों ने यह धमकी भी दी थी कि इस बार हमारे घरों में होली नहीं मनी तो हम ईद भी नहीं मनने देंगे लेकिन पुलिस की सक्रियता की वजह से उत्तमनगर में ईद पर शांति रही। उत्तमनगर में भारी पुलिस बल तैनात था। इसके बावजूद कई संगठन के लोग उत्तमनगर पहुंचे लेकिन पुलिस ने उन्हें वहां से भगा दिया। तरुण के परिवार ने भी इस मामले में गंभीरता दिखाई और कहा कि हमारा एक युवा इस दुनिया से चला गया लेकिन हम नहीं चाहते किसी का बेटा इस दुनिया से चला जाए। दूसरी तरफ ईद के दिन मथुरा में फरसा वाले बाबा की मौत के बाद जरूर बवाल हुआ। फरसा वाले बाबा की मौत के बाद भड़की हिंसा और उपद्रव के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। हिन्दू सगठनों ने आरोप लगाया कि गोरक्षक फरसा वाले बाबा की कुचल कर हत्या की गई है लेकिन पुलिस का कहना है कि मौत सड़क हादसे में हुई है। दरअसल ईद से पहले और ईद पर उत्तमनगर के साथ ही देश के कई हिस्सों से अफवाह फैलने की खबरें आईं। ईद पर उत्तमनगर और देश के विभिन्न हिस्सों मे तनाव की आशंका के बीच एक अच्छी खबर आई। जयपुर में ईद के अवसर पर हिन्दू समुदाय के लोगों ने मुख्य ईदगाह में नमाज अदा कर रहे मुस्लिमों पर फूल बरसाए। यह सराहनीय पहल हिन्दू-मुस्लिम एकता समिति के तत्वावधान में की गई। इस पहल का उद्देश्य भाईचारे और एकता का संदेश देना था। इस अवसर पर हिन्दू-मस्लिम एकता समिति के सदस्य राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि ईद का त्योहार शांति और सदभाव का प्रतीक है। यह भावना राजस्थान सहित पूरे भारत में बरकरार रहनी चाहिए। कुछ लोग बांटने की कोशिश करते हैं लेकिन यह गलत है। उन्होंने कहा कि राम के बिना रमजान नहीं है और ईद के बिना दीवाली नहीं है। हम सब एक ही परिवार के सदस्य हैं। जयपुर की यह पहल दिखाती है कि यही असली हिन्दुस्तान है। एक ऐसा हिन्दुस्तान जिसमें हिन्दुओं और मुसलमानों का एक दूसरे के बिना काम नहीं चलता है। फिर कौन हैं वे लोग जो हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच दरार डालना चाहते हैं? कौन हैं वे लोग जो एक दूसरे के खिलाफ नफरत परोसते हैं? कौन हैं वे लोग जो बार-बार यह कहते हैं कि मुसलमान इस देश पर कब्जा कर लेंगे? ऐसे लोग आपके और हमारे बीच ही मौजूद हैं। जी हां, वे लोग बाहरी लोग नहीं हैं। वे लोग अपने ही लोग हैं जो मुसलमानों के खिलाफ नफरत परोसते रहते हैं।

ऐसे लोग हर मुसलमान को शक की नजर से देखने के आदी हो जाते हैं। लेकिन ऐसे लोग ए नहीं समझ पाते कि भारत का ज्यादातर ईंधन खाड़ी या अरब देशों से ही आता है।

यानी जहां से हमारे देश का ज्यादातर ईंधन आता है, वे मुस्लिम देश हैं। हाल ही में जब गैस एजेंसियों में गैस सिलेंडर के लिए लंबी-लंबी लाइने लगीं और लोगों को कई-कई दिन तक सिलेंडर नहीं मिला तो सबके साथ मुसलमानों को गाली देने वाले तथाकथित हिन्दू नेताओं की हालत भी खराब हो गई। तब किसी हिन्दू नेता ने नहीं कहा कि हम मुस्लिम देशों से आने वाले ईंधन को नहीं लेंगे। हमें यह समझना पड़ेगा कि हिन्दुओं के बिना मुसलमानों का काम नहीं चल सकता है और मुसलमानों के बना हिन्दुओं का काम नहीं चल सकता है। इसलिए एक-दूसरे के लिए नफरत पैदा करके हम कुछ हासिल नहीं कर पाएंगे बल्कि अपना ही नुकसान करेंगे। हमारे देश पर कई सालों तक मुगलों ने राज किया फिर अंग्रेजों ने कई सालों तक राज किया लेकिन सनातन धर्म का कुछ नहीं बिगड़ा। फिर आज सनातन धर्म को खतरा पैदा कैसे हो गया? स्पष्ट है कि सनातन धर्म पर कोई खतरा नहीं है बल्कि खतरा दिखाकर अपना उल्लू सीधा किया जा रहा है और मुसलमानों के खिलाफ नफरत परोसी जा रही है।

टीबी उन्मूलन की दिशा में वैश्विक प्रयास और भारत की रणनीति

योगेश कुमार गोयल

टीबी (ट्यूबरकुल बेसिलाइ), जिसे क्षय रोग, तपेदिक अथवा राजरोग के नाम से भी जाना जाता है, एक ऐसी संक्रामक बीमारी है, जो माइको ट्यूबरक्युलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होती है। वैसे तो टीबी बाल और नाखूनों को छोड़कर शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकती है लेकिन इसका ज्यादातर असर फेफड़ों पर ही होता है। टीबी से पीड़ित व्यक्ति के खांसने-छींकने के दौरान मुंह व नाक से निकलने वाली ड्रॉपलेट्स के जरिए कोई स्वस्थ व्यक्ति भी संक्रमित हो सकता है। ड्रॉपलेट्स के जरिए फैलने वाले बैक्टीरिया कई घंटों तक हवा में रह सकते हैं। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक केवल फेफड़ों की टीबी ही संक्रामक होती है, शरीर के अन्य हिस्सों में यह संक्रामक नहीं होती। दरअसल फेफड़ों के अलावा टीबी मुंह, लिवर, गले, दिमाग, किडनी, रीढ़ तथा यूट्रस में भी हो सकती है किन्तु ऐसी टीबी मरीज से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलती। इस बीमारी को खतरनाक इसलिए माना जाता है क्योंकि यह शरीर के जिस हिस्से में होती है, धीरे-धीरे उस हिस्से को बेकार करना शुरू कर देती है।

कुछ दशक पूर्व टीबी को एक लाइलाज बीमारी माना जाता था लेकिन अब सही समय पर इसका समुçचत इलाज कराए जाने से इसका पूरी तरह निदान संभव है और इलाज शुरू करने के बाद उसमें लापरवाही मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार टीबी अभी भी दुनिया की सबसे घातक संक्रामक जानलेवा बीमारियों में से एक है और दुनियाभर में प्रतिदिन करीब 4 हजार लोग इससे जान गंवाते हैं। प्रतिदिन करीब 30 हजार लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। हालांकि आज टीबी का इलाज उपलब्ध होने पर ऐसे लोगों का सफल इलाज संभव है लेकिन जागरूकता के अभाव में हर साल लाखों लोग अब भी टीबी होने पर मौत के मुंह में समा जाते हैं।

इस वैश्विक महामारी के जानलेवा परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा इसे जड़ से खत्म करने के प्रयास तेज करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस मनाया जाता है और डब्ल्यूएचओ के तत्वाधान में विश्वभर में टीबी से संबंधित कई कार्यक्रम चलाए जाते हैं। 24 मार्च 1882 को एक जर्मन चिकित्सक और माइक्रोबायोलॉजिस्ट डा. रॉबर्ट कोच ने इस जानलेवा बीमारी के कारक बैक्टीरिया की पहचान करने की पुष्टि की थी, जिसके फलस्वरूप टीबी के निदान और इलाज में दुनियाभर के वैज्ञानिकों को बड़ी मदद मिली। रॉबर्ट कोच की इस महत्वपूर्ण खोज के पूरे 100 वर्ष बाद 'इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्यूबरकुलोसिस एंड लंग डिजीज' द्वारा 24 मार्च के दिन को विश्व टीबी दिवस के रूप में मनाने की सिफारिश की गई। हालांकि डब्ल्यूएचओ की विश्व स्वास्थ्य सभा और संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक दशक से भी ज्यादा समय बाद आधिकारिक तौर पर इसे एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में चिह्नित किया गया। डब्ल्यूएचओ ने 1995 में नीदरलैंड के डेन हैग में इसके लिए रॉयल नीदरलैंड ट्यूबरकुलोसिस फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया और कुछ और संगठनों के साथ आने पर विश्व टीबी दिवस को सफल बनाने के लिए 1997 में डब्ल्यूएचओ ने बर्लिन में एक समाचार सम्मेलन आयोजित किया, जहां डॉट्स को उस दशक की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सफलता बताया गया। तभी डब्ल्यूएचओ द्वारा आधिकारिक तौर पर पहला विश्व टीबी दिवस मनाया गया। प्रतिवर्ष विश्व टीबी दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है और विश्व क्षय रोग दिवस 2026 का आधिकारिक विषय है 'हां! हम टीबी को खत्म कर सकते हैंरू देशों के नेतृत्व में, लोगों की शक्ति से।' विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा घोषित इस विषय में राष्ट्रीय नेतृत्व, समुदाय-संचालित प्रयासों और टीबी महामारी से निपटने में प्रगति को तेज करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया है, विशेष रूप से निवेश और नवाचार में वृद्धि के माध्यम से। टीबी का खात्मा करने की रणनीति के तहत डब्ल्यूएचओ 2035 तक टीबी से होने वाली मौतों को 95 फीसदी तक और टीबी के नए मामलों को 90 फीसदी तक कम करने पर काम कर रहा है। विश्व को टीबी मुक्त करने की डब्ल्यूएचओ की रणनीति के तहत टीबी रोगियों के लिए विशेष देखभाल केन्द्रों की स्थापना, सभी देशों द्वारा टीबी को लेकर सार्थक कदम उठाने और टीबी को खत्म करने वाली प्रणालियों पर कार्य करने की अनिवार्यता तथा टीबी को लेकर गहन अनुसंधान और नवाचार को शामिल किए जाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक, वर्ष 2000 से टीबी को खत्म करने के वैश्विक प्रयासों से अनुमानित 7 करोड़ से अधिक लोगों की जान बचाई गई है। टीबी उन्मूलन की दिशा में भारत अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में भारत सरकार द्वारा एक विशेष कार्यक्रम 'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत की जा चुकी है। हालांकि देश को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य बनाकर कार्य करना निसंदेह बड़ी पहल है लेकिन इसके लिए बेहद जरूरी है कि पोलियो उन्मूलन के प्रयासों की ही भांति टीबी उन्मूलन की दिशा में भी पूरी तैयारी के साथ कड़ी मेहनत की जाए ताकि इस अभियान को पलीता न लगे। दरअसल आमतौर पर ऐसी शिकायतें आती रही हैं कि टीबी के लिए आवश्यक अस्पतालों और कर्मियों का उपयोग दूसरे कार्यों में होता रहा है। टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बेहद जरूरी है कि सरकारी मशीनरी को बेहद चुस्त-दुरुस्त बनाते हुए यह भी सुनिश्चित किया जाए कि टीबी से मुक्ति पाने के लिए निर्धारित संसाधनों का बेहतर उपयोग हो और टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत और सक्रिय बनाया जाए।

समुचित इलाज के बावजूद टीबी के महामारी बनने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि लोगों में अभी भी इस बीमारी के प्रति जानकारी का अभाव है। देश में टीबी फैलने का प्रमुख कारण इस बीमारी के प्रति लोगों का सचेत न होना तथा शुरूआती दौर में इस बीमारी को गंभीरता से नहीं लेना ही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुता. बिक टीबी किसी को भी हो सकती है लेकिन लोगों को इसके लक्षणों, बचने के उपायों तथा इलाज के बारे में पूरी जानकारी होना बेहद जरूरी है। आज टीबी से घबराने की आवश्यकता नहीं है, 'डॉट्स' से हाथ मिलाकर टीबी जैसी जानलेवा बीमारी को हराया जा सकता है, बशर्ते डॉक्टर के निर्देशानुसार इलाज में कोई लापरवाही न बरती जाए।

नोएडा। तेज बारिश के बीच रेन कवर पहनकर साइकिल पर जाता युवक।

इजरायल की सेना ने ईरान से दागी गई मिसाइल को रोका

यरूशलम। इजरायल ने एक घंटे में तीसरी बार ईरान से दागी गई मिसाइल का पता लगाया और उसे रोक दिया है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियां उन्हें रोक रही हैं। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा कि कुछ देर पहले, आईडीएफ ने ईरान से इजरायल राष्ट्र के क्षेत्र की ओर दागी गई मिसाइलों की पहचान की। इस खतरे को रोकने के लिए रक्षा प्रणालियां काम कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और इजरायल ने गत 28 फरवरी को ईरान में लक्ष्यों पर हमले शुरू किए थे। ईरान इजरायली क्षेत्र के साथ-साथ पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य लक्ष्यों के खिलाफ हमले करके जवाबी कार्रवाई कर रहा है।

डिमोना पर हमले से इजरायली डिफेंस की पोल खुली

1500 Km दूरी तय कर पहुंची ईरानी मिसाइलें, कैसे फेल हुए THAAD, एरो व आयरन डोम

■ हमले में 180 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर है

तेल अवीव। इजराइल के सबसे सुरक्षित इलाकों में उसका मुख्य परमाणु रिसर्च सेंटर माना जाता है। डिमोना न्यूक्लियर फैसिलिटी नेगेव रेगिस्तान में डिमोना शहर के पास स्थित है। यहां सुरक्षा बहुत कड़ी रहती है और इसे बचाने के लिए कई परतों वाली मिसाइल डिफेंस सिस्टम लगी हुई है।

लेकिन शनिवार रात एक चौंकाने वाली घटना हुई। ईरान की दो बैलिस्टिक मिसाइलें इजराइल के एयर डिफेंस को चकमा देकर डिमोना और पास के शहर अराद के रिहायशी इलाकों में गिर गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके लिए मिसाइलों ने 1500 किमी से ज्यादा दूरी तय की ये दोनों हमले करीब तीन घंटे के अंतर से हुए। दोनों हमलों को रोकने में आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग, एरो-3 और अमेरिकी डिफेंस सिस्टम थार्ड फेल हो गए। इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस हमले में 180 लोग घायल

हुए हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर है।

इजरायल ने माना: ईरानी मिसाइलें रोकने में नाकाम रहे

डिमोना में स्थित शिमोन पेरेस नेगेव परमाणु रिसर्च सेंटर को आम तौर पर 'डिमोना रिएक्टर' कहा जाता है। माना जाता है कि यहां इजराइल के परमाणु हथियार मौजूद हैं, हालांकि इजराइल ने कभी इसे आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया। यह देश के सबसे सुरक्षित इलाके माना जाता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह रही कि इजराइली सेना ने खुद माना कि उसने इन मिसाइलों को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी। ऐसे में यहां हुए हमले से आसपास रहने वाले लोगों में डर फैल गया है।

इजरायल बोला: अब तक 400 ईरानी मिसाइलें रोकीं

इजराइल का दावा है कि वह ज्यादातर मिसाइलों को रोक लेता है। इजराइली वायुसेना के अनुसार, 28 फरवरी को अमे. रिका-इजराइल के हमले के बाद से अब तक ईरान 400 मिसाइलें दाग चुका है, जिनमें से 92 प्रतिशत को हवा में ही रोक लिया गया। हालांकि शनिवार रात की यह घटना दिखाती है कि कोई भी सुरक्षा सिस्टम 100 प्रतिशत सुरक्षित नहीं होता। अब जांच की जा रही है कि आखिर ये मिसाइलें इजरा. इल के एयर डिफेंस सिस्टम को कैसे पार कर गईं। इजराइल के पास कई तरह के एयर डिफेंस सिस्टम हैं। आयरन डोम छोटे रॉकेट रोकने के लिए है। डेविड्स स्लिंग मध्यम दूरी की मिसाइलों के लिए इस्तेमाल होता है। सबसे एडवांस सिस्टम एरो-3 है, जो अंतरिक्ष के पास ही मिसाइल को नष्ट करने की क्षमता रखता है। इसके अलावा अमे. रिका का थार्ड सिस्टम भी वहां तैनात है। इसके बावजूद ये मिसाइलें अंदर तक पहुंच गईं। इससे सवाल उठ रहे हैं कि आखिर गलती कहां हुई। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह ऑपरेशन की नाकामी हो सकती है, यानी सिस्टम सही था लेकिन उसे इस्तेमाल करने में चूक हुई।

इंटरसेप्टर मिसाइलों के स्टॉक खत्म होने की आशंका

एक और बड़ी चिंता यह भी सामने आ रही है कि कहीं इजराइल अपने सबसे महंगे और ताकतवर इंटरसेप्टर मिसाइलों का इस्तेमाल बचाकर तो नहीं कर रहा। पिछले साल ईरान के साथ 12 दिन की लड़ाई में काफी मिसाइलें खर्च हो चुकी थीं, इसलिए स्टॉक कम होने की आशंका जताई जा रही है।

ईरान ने अमेरिका का F-15 जेट मार गिराया

यह दुनिया का सबसे एडवांस फाइटर जेट, लेकिन ईरानी खतरे का अंदाजा नहीं लगा पाया

■ ईरान की ओर से जारी वीडियो के मुताबिक, इस हमले में सिर्फ एक मिसाइल ही काफी रही

तेहरान। ईरान से जंग के बीच कुवैत में अमेरिका का एक और फाइटर जेट मार गिराया गया है। अब इसका वीडियो भी सामने आ गया है। दावे के अनुसार अमेरिका के एफ-15 फाइटर जेट को एक हमले में कुवैत में ढेर कर दिया गया है। ईरान से जंग के बीच कुवैत में अमेरिका का एक और फाइटर जेट मार गिराया गया है। अल-अहद समाचार नेटवर्क के अनुसार इस अमेरिकी विमान पर हमला हुआ और कुछ ही मिनट में वह नीचे गिर गया।

अब इसका वीडियो भी सामे आ गया है, जिसमें अमेरिका के एफ-15 फाइटर जेट को गिरते हुए साफ देखा जा सकता है। इससे एक दिन पहले अमेरिका का एक और एफ-15 फाइटर जेट स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान ने मार गिराया था। यह अमेरिका के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इससे 4 दिन पहले ईरान ने अमेरिका के एफ-35 विमान को हिट किया था। इससे पहले ईरान ने तेहरान में ऑपरेशन करने पहुंचे अमेरिका के एफ-35 विमान को हिट किया था, जिसमें विमान को काफी नुकसान पहुंचा था। फिलहाल कुवैत में कौन सा लड़ाकू विमान गिरा है, इसका भी ब्यौरा सामने नहीं आ सका है। इस बारे में अमेरिका की ओर से अभी कोई बयान जारी नहीं किया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि ईरान के हमले के बाद कुवैत में अमेरिका का यह विमान गिराया गया है। हालांकि अभी तक ईरान ने भी विमान गिराने का कोई दावा नहीं किया है। ईरान ने कहा कि उसने 19 मार्च को अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू विमान को अपना शिकार बनाया है। हालांकि अमेरिका इस घटना का पूरा विवरण जारी नहीं किया। अमेरिका के सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) ने दावे में कहा कि उसका विमान सुरक्षित उतरा और पायलट की हालत स्थिर है। हालांकि, सीईएनटीसीओएम ने घटना के विवरण नहीं दिए, लेकिन एफ-35 की सामान्य उड़ान ऊंचाई (उच्च स्तर पर) को देखते हुए, नुकसान संभवत: सर्फेस-टू-एयर मिसाइल (सेम) से हुआ है। **Air & Space Forces Magazine** की रिपोर्ट के अनुसार पायलट को शार्पनेल से चोटें आईं, लेकिन वे गंभीर नहीं हैं और पायलट स्थिर स्थिति में हैं। यह घटना ईरान के खिलाफ चल रहे **Operation Epic Fury** के दौरान हुई है, जहां अमेरिकी एफ-35ए स्टील्थ फाइटर ईरान के ऊपर मिशन पर थे। ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उन्होंने एफ-35 को 'गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त) किया और थर्मल इमेजिंग वीडियो जारी किया, लेकिन अमेरिकी पक्ष ने केवल इमरजेंसी लैंडिंग का दावा किया। अगर यह दावा सही साबित होता है, तो यह अमे. रिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे तनाव में बड़ी बढ़ोतरी मानी जाएगी। पहले से ही खाड़ी क्षेत्र में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं और इस तरह की घटनाएं संघर्ष को और गंभीर बना सकती हैं। अमेरिका या इजरायल की ओर से भी इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ईरान का यह दावा तब आया है, जब अमे. रिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है कि अगर वो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह नहीं खोलता तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट्स पर हमला कर सकता है। अब तक अमेरिका के कई एफ-15 फाइटर जेट ईरान के साथ 23 दिन की लड़ाई में तबाह हो चुके हैं। 3 एफ-15 फाइटर जेट युद्ध के शुरुआती दौर में ही गिरे थे, हालांकि ये तीनों जेट ईरान ने नहीं गिराए बल्कि कुवैत की एयर डिफेंस की ओर से गलती से गिराए गए बताए गए थे। इनमें मौजूद 6 पायलट सुरक्षित बाहर निकल गए थे।

ईरान ने तटों पर हमला होने पर फॉरस की खाड़ी में बारूदी सुरंगें बिछाने की धमकी दी

तेहरान। ईरान ने सोमवार को चेता. वनी देते हुए कहा कि अगर उसके तटवर्ती इलाकों या द्वीपों पर हमला होता है तो वह फारस की खाड़ी में महत्वपूर्ण संचार मार्गों पर बारूदी सुरंगें बिछा देगा। ईरान की राष्ट्रीय रक्षा परिषद ने कहा कि उसके क्षेत्र को निशाना बनाने के किसी भी प्रयास के परिणामस्वरूप फारस की खाड़ी में सभी संचार लाइनों में बारूदी सुरंगें बिछा दी जाएंगी। उसने यह भी कहा कि जहाज केवल तेहरान के समन्वय से ही होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकेंगे। बयान में कहा गया कि दुश्मन द्वारा ईरानी तटों या द्वीपों पर हमला करने के किसी प्रयास के बाद स्वाभाविक रूप से और सामान्य सैन्य अभ्यास के अनुसार फारस की खाड़ी और तटों के सभी पहुंच मार्गों एवं संचार लाइनों को विभिन्न प्रकार की नौसैनिक बारूदों से भर दिया जाएगा, जिसमें तैरती बारूदें भी शामिल हैं, जिन्हें तटों से छोड़ा जा सकता है। ईरान ने कहा कि ऐसे में, पूरे फारस की खाड़ी क्षेत्र में लंबे समय तक होर्मुज स्ट्रेट जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। इस बार, होर्मुज स्ट्रेट के साथ-साथ पूरा फारस की खाड़ी क्षेत्र व्यावहारिक रूप से अवरुद्ध हो जाएगा और इसकी जिम्मेदारी धमकी देने वाले पक्ष की होगी। इस बीच अमेरिका कथित तौर पर ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप पर कब्जा करने या उसकी नाकाबंदी करने की योजनाओं पर विचार कर रहा है, ताकि तेहरान पर महत्वपूर्ण मार्ग को फिर से खोलने के लिए दबाव डाला जा सके। हालांकि यह एक ऐसा कदम है जो ईरान युद्ध को काफी हद तक बढ़ा सकता है।

न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर प्लेन-ट्रक की टक्कर, दोनों पायलट की मौत

■ एयर ट्रैफिक कंट्रोलर स्टॉप-स्टॉप चिल्लाता रहा 72 यात्री सवार थे

वॉशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क में ला गार्डिया एयरपोर्ट पर रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) एयर कनाडा एक्सप्रेस का एक विमान लैंडिंग के समय रनवे पर फायर ट्रक से टकरा गया। इससे विमान का अगला हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया। हादसे में पायलट और को-पायलट की मौत हो गई, जबकि ट्रक में सवार दो लोग घायल हुए हैं। जैज एविएशन के मुताबिक, यह फ्लाइट मॉन्ट्रियल से आ रही थी। सीआरजे-900 विमान में कुल 72 यात्री और 4 क्रू मेंबर सवार थे। टक्कर के तुरंत बाद रनवे 4 को बंद कर दिया गया। एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लागू करते हुए सभी फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए और आने वाली उड़ानों को डायवर्ट किया गया। हादसे से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान और ग्राउंड वाहन दोनों को रुकने के लिए कहा था और स्टॉप-स्टॉप चिल्लाता रहा, लेकिन फिर भी टक्कर हो गई। लैंडिंग से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान को रोकने की कोशिश की थी। वायरल ऑडियो में एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने पहले ट्रक को रनवे पार करने की अनुम. ति दी थी, लेकिन थोड़ी ही देर बाद कंट्रोलर लगातार 'स्टॉप, स्टॉप, ट्रक 1' चिल्लाता रहा। हालांकि, कुछ ही सेकंड में टक्कर हो गई। कंट्रोलर की आवाज रिकॉर्डिंग में सुनाई देती है-जाज़ 646, आप वाहन से टकरा गए हैं, वहीं रुके रहें, मदद पहुंच रही है। फ्लाइट लैंडिंग के बाद रनवे पर करीब 130 मील प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रही थी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में विमान के आगे के हिस्से में नुकसान और कॉकपिट उठा हुआ दिखाई दे रहा है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने एयरक्राफ्ट इमरजेंसी घोषित करते हुए तुरंत ग्राउंड स्टॉप लगा दिया। एयरपोर्ट को सोमवार दोपहर 2 बजे तक बंद रखने की बात कही गई है। एयरपोर्ट पर आने वाले विमानों को दूसरे हवाई अड्डों की ओर मोड़ दिया गया था या उन्हें वापस भेज दिया गया। हादसे में शामिल विमान सीआरजे-900 था, जिसे जैज एविएशन ऑपरेट करता है। इसमें करीब 76 यात्रियों की क्षमता होती है। फ्लाइट रात करीब 10:30 बजे मॉन्ट्रियल से रवाना हुई थी और लगभग एक घंटे बाद ला गार्डिया पहुंची। घटना के बाद रनवे पर बड़ी संख्या में इमरजेंसी वाहन पहुंच गए। रात 2 बजे तक रनवे पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी था।

हिजबुल्लाह के समर्थन में खुलकर उतरे ईसाई

कहा: हमारी जंग एपस्टीन साम्राज्य से

लेबनान। रास बालबेक गांव में कैथोलिक ईसाइयों ने सुरक्षा के लिए हिजबुल्लाह से हाथ मिला लिया है। आईएसआईएस के हमलों के दौरान दोनों ने मिलकर लड़ाई लड़ी, जिससे उनका रिश्ता मजबूत हुआ। आज भी इजराइल हमलों और सीरिया से खतरे के बीच गांव के लोग हिजबुल्लाह को अपना रक्षक मानते हैं और साथ खड़े हैं।

■ लेबनान के एक छोटे से गांव रस बालबेक में अलग-अलग धर्म के लोग मिलकर मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं

लेबनान के एक छोटे से गांव रस बालबेक में अलग-अलग धर्म के लोग मिलकर मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। यह गांव बेका वैली में है और सीरिया सीमा बॉर्डर के पास पड़ता है। यहां करीब 6,000 कैथोलिक ईसाई रहते हैं। सुरक्षा के खतरे को देखते हुए गांव के लोगों ने हिजबुल्लाह के साथ मिलकर अपने इलाके और चर्चों की रक्षा करने का फैसला किया है। गांव के नेता रिफियात नसरल्लाह का कहना है कि हिजबुल्लाह ने मुश्किल समय में उनकी मदद की, जबकि वेटिकन ने कोई खास सहायता नहीं दी। नसरल्लाह का कहना है कि हिजबुल्लाह ने गांव की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी और खून बहाया। इसी वजह से दोनों के बीच बहुत मजबूत रिश्ता बन गया है। यहां तक कि हिजबुल्लाह हर साल गांव के लिए क्रिसमस ट्री भी खरीदता है। हम एपस्टीन गिरोह के लोगों के साथ युद्ध में हैं। ये लोग बच्चों को खाते, तलते और उनका बलात्कार करते हैं। ये राक्षस हैं, दरिंदे हैं। लेकिन सबसे बुरी बात ये है कि दुनिया पर राज करने वाले यही लोग हैं। यह रिश्ता खास तौर पर 2013 से 2017 के बीच और मजबूत हुआ, जब इस्लामिक स्टेट के आतंकियों ने सीरिया की तरफ से कई बार गांव पर हमला किया।

महिला की लाश के साथ 13 घंटे उड़ता रहा विमान

■ हॉन्गकॉन्ग से लंदन उड़ान में टेकऑफ के बाद मौत हुई, रास्तेभर बदबू से परेशान रहे पैसेंजर

लंदन। ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में रविवार को एक महिला यात्री की टेकऑफ के करीब 1 घंटे बाद मौत हो गई। इसके बाद उनका शव पूरे 13 घंटे तक विमान में ही रखा रहा। शव को विमान के पीछे वाले हिस्से में रखा गया था, जहां फर्श गर्म था।

इसी वजह से धीरे-धीरे बदबू फैलने लगी, जिससे पीछे बैठे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। यह घटना हॉन्गकॉन्ग से लंदन जा रही फ्लाइट में हुई। महिला की उम्र करीब 60 साल थी। पायलट ने फ्लाइट को बीच में रोकने या वापस लौटने के बजाय लंदन तक जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि नियमों के मुताबिक ऐसी स्थिति को आमतौर पर इमरजेंसी नहीं माना जाता। क्रू मेंबर्स ने पहले शव को टॉयलेट में रखने का सोचा, लेकिन बाद में उसे कंबल में लपेटकर गैली में रख दिया गया। गैली विमान का वह हिस्सा होता है, जहां फ्लाइट स्टाफ (क्रू) खाना-पीना तैयार करता है और सामान रखता है। यहीं से यात्रियों को खाना, पानी, चाय-कॉफी दी जाती है। आमतौर पर यह प्लेन के आगे या पीछे वाले हिस्से में होता है। लंदन पहुं. चने पर पुलिस ने विमान में आकर जांच की और करीब 45 मिनट तक यात्रियों को सीट पर ही बैठाए रखा गया।

युद्ध के बीच तेल-गैस से ईरान की रिकॉर्ड कमाई

खार्ग टर्मिनल से सप्लाई जारी, खाड़ी देशों का प्रोडक्शन 70 प्रतिशत तक गिरा

दुबई/ तेहरान। अमेरिका व इजराइल के साथ जंग को ईरान ने एक मौके में बदल दिया है। अमे. रिका ने खार्ग आइलैंड के पास सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन ग्लोबल ऑयल संकट के डर से तेल टर्मिनल को सीधे निशाना नहीं बनाया। इसी का फायदा उठाते हुए ईरान ने खार्ग टर्मिनल चालू रखा और 'घोस्ट फ्लीट' के जरिए चीन को सप्लाई जारी रखी है।

इंटरनेशनलएनर्जी एजेंसी और एस-पी ग्लोबल के मुताबिक, ईरान रोजाना 1.7 से 2 मिलियन (17 से 20 लाख) बैरल तेल एक्सपोर्ट कर रहा है। देश के करीब 90 प्रतिशत तेल का एक्सपोर्ट अभी भी खार्ग टर्मिनल से हो रहा है। साउथ पार्स गैस फील्ड पर

■ देश के करीब 90 प्रतिशत तेल का एक्सपोर्ट अभी भी खार्ग टर्मिनल से हो रहा

हमले से एक्सपोर्ट प्रभावित हुआ, लेकिन गैस सप्लाई पूरी तरह बंद नहीं हुई। रिपोर्ट है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले विदेशी जहाजों से ईरान करीब 16.5 करोड़ रुपए प्रति जहाज 'वॉर टैक्स' भी वसूल रहा है। खाड़ी देशों का प्रोडक्शन 70 प्रतिशत तक गिरा ईरान की होर्मुज स्ट्रेट पर पकड़ और लगातार हमलों के कारण सऊदी अरब, कतर, इराक, कुवैत और यूएई जैसे खाड़ी देशों की सप्लाई प्रभावित हुई है। सुरक्षित समुद्री रास्तों की कमी, बढ़ते हमले और लॉजिस्टिक्स दिक्कतों के चलते इन देशों का कुल उत्पादन 70 प्रतिशत तक गिर गया है। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का सबसे सीधा असर कच्चे तेल पर पड़ा है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 3.26 प्रतिशत की उछाल के साथ 112.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो जुलाई 2022 के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है। अगर तेल की कीमतें 100 डॉलर के ऊपर बनी रहती हैं, तो इससे भारत में महंगाई बढ़ेगी जो बाजार के लिए अच्छा नहीं है।

प्रेग्नेंसी में वर्क फ्रॉम होम नहीं दिया, 200 करोड़ जुर्माना

वॉशिंगटन। अमेरिका के ओहायो में प्रेग्नेंट महिला को वर्क फ्रॉम होम की अनुमति न देने के मामले में कोर्ट ने कंपनी पर 2.25 करोड़ डॉलर (200 करोड़) का जुर्माना लगाया है। महिला को ऑफिस आने की मजबूरी की वजह से समय से पहले डिलीवरी हुई थी। जिससे नवजात की कुछ घंटों में ही मौत हो गई थी। कोर्ट ने माना कि अगर महिला को घर से काम करने दिया जाता, तो स्थिति अलग हो सकती थी। इसी आधार पर कंपनी पर यह जुर्माना लगाया गया। चेल्सी वॉल्श नाम की महिला टोटल क्वालिटी लॉजिस्टिक्स अमेरिकी कंपनी में काम करती थीं। फरवरी 2021 में उन्होंने वर्क फ्रॉम होम (डब्ल्यूएचएफ) की इजाजत मांगी थी। कंपनी ने उन्हें ऑफिस आकर काम करने या बिना सैलरी छुट्टी लेने का ऑप्शन दिया, जिससे उनकी इनकम और हेल्थ इंश्योरेंस पर असर पड़ता। मजबूरी में उन्हें 22 फरवरी से ऑफिस जाकर काम करना पड़ा। लगातार तीन दिन काम करने के बाद 24 फरवरी को उन्हें समय से पहले डिलीवरी हो गई। महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया, लेकिन जन्म के कुछ ही घंटों बाद उसकी मौत हो गई।

ईरानी पावर प्लांट्स पर 5 दिन हमला नहीं करेंगे: ट्रम्प

बातचीत के बाद फैसला, ईरान बोला: राष्ट्रपति तेल कीमत घटाने के लिए गुमराह कर रहे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के पावर प्लांट्स और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले हमलों को फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों से चली बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया है।

उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि पावर प्लांट्स और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर सभी सैन्य हमलों को 5 दिनों के लिए रोक दिया जाए। ट्रम्प ने कहा कि अगर बातचीत सफल रहती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव को खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा सकता है। दरअसल ट्रम्प ने दो दिन पहले ईरान को धमकी दी थी कि अगर 48 घंटे में होर्मुज रूट नहीं खोला गया तो वो ईरान के पावर प्लांट पर बड़ा हमला करेंगे। वहीं, ईरान ने दावा किया है कि ट्रम्प के साथ उनकी कोई बातचीत नहीं हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ट्रम्प एनर्जी की कीमतें कम करने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं।

■ ईरान ने दावा: ट्रम्प के साथ उनकी कोई बातचीत नहीं हुई है

मंत्रालय ने आगे कहा कि कई देश तनाव कम करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमारा साफ कहना है कि हमने यह युद्ध शुरू नहीं किया। इसलिए इस बारे में बात अमेरिका से की जानी चाहिए। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने कहा है कि उनका देश होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने युद्ध की वजह से पैदा हो रही आर्थिक उथल-पुथल पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा- ईरान को लेकर आपकी जो भी राय हो, यह युद्ध उनकी वजह से शुरू नहीं हुआ है। अगर युद्ध जारी रहा, तो हालात और खराब हो सकते हैं। उन्होंने 'द इकोनॉमिस्ट' मैगजीन में लिखे अपने लेख में इस युद्ध को 'गैरकानूनी' बताया।

ईरान बोला: अमेरिका से कोई बातचीत नहीं हुई

ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उनकी अमेरिका से किसी भी तरह की बात. चीत नहीं हो रही है और न ही वे बातचीत करने की स्थिति में हैं। मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मंत्रालय ने कहा कि ट्रम्प ऊर्जा कीमतों को कम करना चाहते हैं और अपने प्लानिंग के लिए वक्त हासिल करना चाहते हैं। इसलिए वे ऐसे बयान दे रहे हैं। इजरा. इली सेना ने कहा है कि वह इस समय तेहरान के बीचों-बीच ईरानी शासन से जुड़े ठिकानों पर हमले कर रही है। यह बयान उस समय आया है जब कुछ ही देर पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले की अपनी योजना को टालने का ऐलान किया था।

ट्रम्प के ईरान पर हमले टालने के फैसले से तेल कीमतों में गिरावट

ट्रम्प के ईरान पर सैन्य कार्रवाई टालने के फैसले के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 13/15 प्रतिशत गिरकर +96 प्रति बैरल तक पहुंच गई। वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) की कीमत भी लगभग 13.5 प्रतिशत गिरकर +85.28 प्रति बैरल तक आ गई।